संसद में परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित
- 12

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5 प्रतिशत की वृद्धि
- 12

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा भड़का चीन
- 13

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी निगाह
- 14

आज का मौसम

21.0⁰ अधिकतम तापमान

10.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या, विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 119, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

कर्नाटक में हेटस्पीच पर सात साल की होगी जेल

बेलगावी, एजेंसी

- सरकार ने सख्त नया कानून किया पारित

कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को हंगामे के बीच नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक से संबंधित एक विधेयक पारित कर दिया। घृणा भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक देश का पहला ऐसा कानून है, जिसमें सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। इसे भाजपा के विधायकों के हंगामे के बीच पारित कर दिया गया।

मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को चार दिसंबर को मंजूरी दी थी और 10 दिसंबर को गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इसे सदन में पेश किया था। मंत्री ने कहा कि बार-बार अपराध करने की स्थिति में 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान घटाकर सात साल कर दिया गया है। विधेयक के अनुसार, ऐसी कोई भी अभिव्यक्ति, जो किसी भी पूर्वाग्रहपूर्ण हित को पूरा करने के लिए जीवित या मृत व्यक्ति, वर्ग या व्यक्तियों या समुदाय के समूह के खिलाफ चोट, शत्रुता या घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने के इरादे से सार्वजनिक रूप से बोले गए या लिखित शब्दों में या संकेतों द्वारा प्रकाशित या प्रसारित की जाती है, वह घृणास्पद भाषण है।

भारत-ओमान व्यापार समझौता दोनों देशों को देगा ऊर्जा : मोदी

मस्कट, एजेंसी

- प्रधानमंत्री बोले- निवेश में नया विश्वास पैदा करने के साथ अवसरों के नए द्वार खोलेगा यह समझौता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा और दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन में यह बात कही।

उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा गया है। सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत के लोगों से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) हमारी साझेदारी को 21वीं सदी में नया विश्वास एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा, निवेश में नया विश्वास उत्पन्न करेगा और हर क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खोलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों, नीतिगत स्थिरता, सुशासन एवं निवेशकों के उच्च विश्वास के दम पर देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। कहा, भारत ने पिछले 11 वर्ष में न केवल नीतियों में बदलाव किया है, बल्कि अपने आर्थिक स्वरूप को भी बदल दिया है।

ओमान के सुलतान हैसम बिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान से नवाजा गया

मस्कट। ओमान के सुलतान हैसम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान के लिए गुरुवार को उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौरे के दौरान मोदी जॉर्डन और इंडोनेशिया की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान समेत दूसरे देशों में 28 से अधिक उच्चतम नागरिक सम्मान से नवाजा जा चुका है। हाल ही में उन्हें इथियोपिया में 'ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया' और कुवैत में 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर' से सम्मानित किया गया था। भारत और ओमान के बीच कूटनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर मोदी ओमान की यात्रा पर हैं।

ब्रीफ न्यूज

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादी मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगल और पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को माओवादी विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है और इस मुठभेड़ में अभी तक एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादियों के मारे जाने की सूचना है।

आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी सील

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी गुरुवार को सील कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर धरमपुरी गांव में आवासीय परिसर में संचालित फैक्टरी पर छापा मारा गया, जहां 30 से अधिक प्रकार के आयुर्वेदिक सिरप बनाए जा रहे थे। सुरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति के निर्देशन में संचालित फैक्टरी में इन सिरप की गुणवत्ता जांचने के लिए कोई प्रयोगशाला नहीं थी और संचालक द्वारा सिरप के निर्माण में इस्तेमाल घटकों से जुड़े जरूरी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके। सिरप की पैकेजिंग पर अलग-अलग कंपनियों के नाम पाए गए।

लोस में 'जी राम जी विधेयक' पारित

विपक्ष ने हंगामा कर जताया विरोध, शिवराज ने कांग्रेस पर बापू के आदर्श खत्म करने का लगाया आरोप

- आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज उछाले
- विधेयक को ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला कदम बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने गुरुवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने बापू के आदर्शों को मार दिया, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।

इससे पहले बुधवार को सदन में उक्त विधेयक पर देर रात तक चर्चा हुई और विपक्ष के अधिकतर सदस्यों ने इसे विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति को विचार-विमर्श के लिए भेजने की मांग की। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को मंत्री के जवाब से पहले यह मांग फिर से उठाई जिसे आसन की ओर से अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच चौहान ने अपना जवाब पूरा किया और उनके उत्तर के बाद सदन ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस दौरान आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज भी उछाले। चौहान ने कहा कि देश में 1960-61 में ग्रामीण जनशक्ति कार्यक्रम बनने से लेकर मनरेगा तक समय-समय पर विभिन्न योजनाएं बनती रही हैं। उन्होंने कहा कि इनसे उद्देश्य पूरा नहीं होता या थोड़ा ही लक्ष्य पूरा होता है तो नई योजनाएं लाई जाती हैं। मनरेगा के नाम में पहले महात्मा गांधी का नाम नहीं था और इसका नाम नरेगा था, लेकिन 2009 के लोकसभा चुनाव से पहले वोटों के कारण कांग्रेस को बापू याद आ गए और उनका नाम जोड़ा गया। चौहान ने आरोप लगाया, कांग्रेस नीत सरकार ने मनरेगा को भी ताकत के साथ लागू नहीं किया और पीएम ने इसे सही से क्रियान्वित किया। उन्होंने संप्रग और राजग सरकार के समय इस योजना के क्रियान्वयन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए थे, वहीं मोदी सरकार में 3210 करोड़ श्रम दिवस का सृजन किया गया।

मनरेगा की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मनरेगा का सिर्फ नाम नहीं बदला जा रहा है, बल्कि इस योजना की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही है तथा विदेशी धरती पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाया जाना सिर्फ दिखावा है। खरगे ने संसद परिसर में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बाद यह भी कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के सरकार के कदम का कांग्रेस सड़क से संसद तक पुरजोर विरोध करेगी। संसद परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, खरगे, और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने 'गरीबों का अधिकार वापस दो' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए।

कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया : शिवराज

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सदन में कहा कि यह सरकार सनक में नाम बदल रही है। चौहान ने कहा, हम सनक में नाम नहीं बदल रहे, अपने परिवार के लोगों पर नाम रखने की सनक तो कांग्रेस की है। चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों के समय सैकड़ों योजनाओं, इमारतों, उत्सवों, संस्थानों आदि के नाम गांधी परिवार के सदस्यों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर रखे गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी का नाम लेकर ढोंग कर रही है और उसने तो देश के बंटवारे के दिन, कश्मीर को विशेष दर्जा दिये जाने के साथ, इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने के दिन ही बापू के आदर्शों की हत्या कर दी थी।

रिटायरमेंट से पहले जजों का ताबड़तोड़ फैसले सुनाना दुर्भाग्यपूर्ण : शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऐसा लगता है कि न्यायाधीश लास्ट ओवर में छक्के मार रहे हैं
- सेवानिवृत्ति से पहले कई आदेश पारित करने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

शीर्ष कोर्ट ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 'बहुत सारे आदेश' पारित करने की न्यायाधीशों की 'बढ़ती प्रवृत्ति' पर आपत्ति जताई और इसकी तुलना मैच के अंतिम ओवरों में बल्लेबाज द्वारा 'छक्के मारे जाने' से की। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ मध्य प्रदेश के एक प्रधान और जिला न्यायाधीश की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कुछ संदिग्ध न्यायिक आदेशों के संबंध में उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति से ठीक 10 दिन पहले उन्हें निलंबित करने के उच्च न्यायालय के सामूहिक फैसले को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी इस पीठ में शामिल थे। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले छक्के लगाने शुरू कर दिए। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है। मैं इस पर विस्तार से चर्चा नहीं करना चाहता। सीजेआई ने कहा, सेवानिवृत्ति से ठीक पहले न्यायाधीशों की बहुत सारे आदेश पारित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। मप्रदे के न्यायिक अधिकारी 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे और उन्हें कथित तौर पर उनके द्वारा पारित दो न्यायिक आदेशों के कारण 19 नवंबर को निलंबित कर दिया गया।

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट किया

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, उन्हें इसके लिए निलंबित नहीं किया जा सकता। लेकिन अगर आदेश स्पष्ट रूप से बेईमानी भरे हों तो क्या होगा? यह भी उल्लेख किया कि 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष करने का निर्देश दिया था।

इंडिगो के सीईओ बोले- बुरा वक्त बीत गया

मुंबई, एजेंसी

- कहा- नेटवर्क की 2200 फ्लाइट्स बहाल 10 दिन में 5 हजार फ्लाइट कैंसिल हुई थीं

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कर्मचारियों से कहा कि विमानन कंपनी ने परिचालन को सुचारू कर लिया है और सबसे बुरा दौर बीत चुका है।

उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। कर्मचारियों को भेजे गए एक वीडियो संदेश में एल्बर्स ने कहा कि व्यवधानों के बाद इंडिगो ने अपनी अधिकतर उड़ान सेवाओं को बहाल कर दिया है। घरेलू विमानन कंपनी में परिचालन संबंधी व्यवधान के कारण इस महीने की शुरुआत में उसकी 5000 उड़ानें रद्द हुईं जिससे हवाई अड्डे पर लाखों यात्रियों को असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा था जब दिन में इसकी 1600 उड़ाने रद्द की जा रही थीं। इंडिगो ने तब से धीरे-धीरे सेवाएं बहाल कर दी हैं। गुरुवार को 2,200 उड़ानें संचालित की गईं। विमानन कंपनी व्यवधान के कारणों की समीक्षा कर रही है। साथ ही प्रभावित ग्राहकों को मुआवजा देते हुए अपने परिचालन को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एल्बर्स ने कहा, तूफान से निकलकर हम फिर से उड़ान भरने की राह पर हैं। सबसे बुरा दौर बीत चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह 'बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं।

शीर्ष कॉलेजियम की पांच हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की सिफारिशें

नई दिल्ली/नैनीताल । सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार से पांच अलग-अलग हाईकोर्ट में पांच न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की गुरुवार को सिफारिशें की हैं। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने बैठक में यह निर्णय लिया। इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति के बाद

- जस्टिस मनोज गुप्ता के उत्तराखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अनुशंसा

उत्तराखंड हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। मुंबई हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति रेवती पी मोहिते डेरे को मेघालय जबकि इसी अदालत के न्यायमूर्ति एमएस सोनाक को झारखंड हाईकोर्ट में पदोन्नत करने की अनुशंसा की गई है।

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के मूर्तिकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नोएडा/मुंबई। केवड़िया स्थित विशालकाय 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और संसद परिसर में स्थापित गांधी की प्रतिष्ठित प्रतिमा सहित कई ऐतिहासिक प्रतिमाओं के निर्माता प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।

सुतार के पुत्र अनिल सुतार ने बताया कि उनकी आयु 100 वर्ष थी और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की कई प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया और कहा कि उनकी रचनाएं 'भारत के इतिहास और संस्कृति की प्रभावशाली अभिव्यक्ति है'। महाराष्ट्र के धुले जिले में 19 फरवरी, 1925 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुतार ने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्हें 1999 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

लालकिला विस्फोट मामले में नौवां आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनआईए ने की कार्रवाई, आरोपी को 26 तक हिरासत में भेजा गया

एनआईए ने लालकिला क्षेत्र विस्फोट के सिलसिले में जम्मू कश्मीर के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो आत्मघाती उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी है। यह इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है।

अधिकारियों ने बताया कि यासिर अहमद डार ने 10 नवंबर को हुए उस धमाके की साजिश में सक्रिय भूमिका निभायी थी, जिसमें 15 लोगों की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। एनआईए ने बताया कि साजिश में सक्रिय रूप से शामिल डार ने आत्मघाती अभियानों को अंजाम देने की शपथ ली थी। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, ''इस मामले में गिरफ्तार किया गया नौवां व्यक्ति यासिर अहमद डार श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) के शोपियां का रहने वाला है। उसे एनआईए ने नई दिल्ली से पकड़ा और गिरफ्तार कर लिया। डार इस मामले में अन्य आरोपियों के साथ नजदीकी संपर्क में था, जिनमें उमर-उन-नबी और मुफ्ती इरफान शामिल है।

शीतकालीन सत्र आज से | सर्वदलीय बैठक में सीएम ने दिया आश्वासन, बोले- सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी सरकार

सरकार सभी चर्चाओं में लेगी भाग, विपक्ष के हर प्रश्न का देंगे सकारात्मक जवाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानसभा अध्यक्ष ने सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग का अनुरोध किया

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले गुरुवार को विधान भवन में हुई सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विपक्षी दलों को आश्वस्त किया कि सरकार सभी चर्चाओं में न केवल भाग लेगी, बल्कि विपक्ष के हर प्रश्न का सकारात्मक जवाब भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शीतकालीन सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। इस दौरान सदन की कार्यवाही के निर्बाध संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग का आश्वासन मिला।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी के सहयोग से ही सदन चलता है। विधानसभा के विगत सत्र में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दा पर सकारात्मक चर्चा परिचर्चा हुई। सभी दलों के सहयोग से जनोपयोगी मुद्दों पर तार्किक, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण चर्चा के माध्यम से जनसमस्याओं का सार्थक समाधान किया जा सकता है। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन जनाकांक्षाओं को रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान सत्र में हमें महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ ही, विधेयकों पर सार्थक चर्चा करने का अवसर प्राप्त होगा। विधेयकों पर चर्चा करते समय उनके वास्तविक कॉन्सेप्ट व स्वरूप को सदन में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। विस के पिछले सत्र में विकसित उप्र विजन डॉक्यूमेन्ट/2047 पर लगातार 27 घंटे सार्थक चर्चा पर आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर यूपी विजन डॉक्यूमेन्ट बनाया जाएगा। इस चर्चा को पुस्तक का स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

सर्वदलीय बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

कई मुद्दों पर गरमा सकता है विधानमंडल

लखनऊ। राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र कई मुद्दों पर गरमा सकता है। उप्र. विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 24 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुपूरक बजट समेत कई महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों पर चर्चा बाद मंजूरी दी जाएगी। सदन में प्रदूषण और कोडीनयुक्त कफ सिरप के मुद्दे पर विपक्ष सरकार को कटघरे में भी खड़ा कर सकता है। एसआईआर पर भी हंगामा संभव है। कार्यवाही के पहले दिन घोसी से सपा विधायक रहे सुधाकर सिंह के निधन पर शोकसभा प्रस्ताव के बाद स्थगित कर दी जाएगी। शनिवार और रविवार को अवकाश के चलते सदन की कार्यवाही नहीं होगी। सोमवार 22 दिसंबर को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुपूरक बजट को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। उसी दिन वंदे मातरम् पर चर्चा भी संभव है। इसके बाद 23 दिसंबर को विधायी कार्य संपन्न होंगे। 24 दिसंबर को अनुपूरक बजट पर विस्तृत चर्चा होगी।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

खाद माफिया पर कसेगा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उर्वरक कालाबाजारी को सामान्य अपराध नहीं मानने का फैसला
- एनएसए तक कार्रवाई की बन रही कार्ययोजना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट और सख्त निर्देशों के बाद अब खाद एवं कृषि विभाग ने उर्वरक कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई की ठोस कार्ययोजना तैयार करना शुरू कर दिया है। शासन स्तर पर यह तय किया गया है कि खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और ओवररेटिंग को अब सामान्य या रूटीन अपराध की तरह नहीं देखा जाएगा। इसे सीधे खाद्य सुरक्षा, किसान हित और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर अपराध मानते हुए सख्त कानूनी कदम उठाए जाने की कार्ययोजना तैयार हो रही है।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद विभागों को निर्देश मिले हैं कि कालाबाजारी में लिप्त तत्वों के खिलाफ एफआईआर से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) तक की कार्रवाई का स्पष्ट खाका तैयार किया जाए। खाद एवं रसद, कृषि और जिला प्रशासन मिलकर यह तय कर रहे हैं कि किन परिस्थितियों में साधारण धाराएं लगेंगी और किन मामलों में एनएसए जैसी कठोर कार्रवाई आवश्यक होगी। प्रदेश के सभी जिलों में डेली स्टॉक रिपोर्टिंग सिस्टम को सख्ती से लागू कराने की योजना है। हर खाद दुकान और गोदाम से रोजाना स्टॉक और बिक्री का विवरण ऑनलाइन लेने के बाद उसकी क्रॉस चेकिंग की जाएगी, ताकि किसी भी जिले या ब्लॉक में संभावित कमी का समय रहते आकलन हो सके। योजना के तहत औचक निरीक्षण को और प्रभावी बनाया जाएगा। निगरानी में चूक करने वाले अफसरों की भी भूमिका तय की जा रही है।

सभी एक्सप्रेस-वे पर 20 से 40 किमी तक घटी गति सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीडा का फैसला, 19 दिसंबर से 15 फरवरी तेज रफ्तार पड़ेगी भारी, नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई के संकेत

अमृत विचार: घने कोहरे और धुंध के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती आशंका को देखते हुए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने सभी एक्सप्रेस-वे पर कार, जीप और हल्के वाहन वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किमी में 20 से 40 किमी कटौती कर दी है। इसी तरह बस और मल्टी-एक्सल यात्री वाहन और मालवाहक पर भी गति सीमा घटाई गई है। यह नई व्यवस्था 19 दिसंबर से 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगी।

यूपीडा के अनुसार, सर्दियों में दृश्यता कई बार 50 मीटर से भी कम रह जाती है। ऐसे में तेज़ रफ्तार न केवल वाहन चालक के लिए, बल्कि अन्य यात्रियों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले सभी श्रेणी के वाहनों के लिए समयवार और वाहन-प्रकार आधारित गति सीमा तय की गई है। यूपीडा ने साफ किया है कि यह गति सीमा अस्थायी लेकिन अनिवार्य है और कोहरे की स्थिति समाप्त होने तक लागू रहेगी। यूपीडा ने एक्सप्रेस-वे पर सरप्राइज पेट्रोलिंग, डेली मॉनिटरिंग और 24x7 एम्बुलेंस तैनाती के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे पर फॉग लाइट्स, रिफ्लेक्टिव बोर्ड, डेलिनेटर और रोड स्टड्स की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि कम दृश्यता में भी रास्ता स्पष्ट दिखे। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का पालन न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि यह केवल यातायात नियम नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

अब इस तरह होगी रफ्तार

- कार, जीप और हल्के वाहन (एम-1 श्रेणी) - सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक : 80 किमी/घंटा, रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक : 60 किमी/घंटा
- बस और मल्टी-एक्सल यात्री वाहन (एम-2 व एम-3) - दिन में : 60 किमी/घंटा, रात में : 50 किमी/घंटा
- मालवाहक वाहन - दिन में : 50 किमी/घंटा-रात में : 40 किमी/घंटा

चालकों से अपील बरतें सावधानी

- कोहरे में हाई बीम का प्रयोग न करें।
- वाहन के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- अचानक ब्रेक लगाने से बचें।
- फॉग लाइट का उपयोग करें।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छता अभियान से अटल को श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी के निर्देशानुसार 25 दिसंबर को पूरे प्रदेश में विशेष और व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से अटल के स्वच्छ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। 18 से 22 दिसंबर के बीच जनपद स्तर पर निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला और कविता पाठ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं 25 दिसंबर को लखनऊ स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। संस्कृति विभाग के तत्वावधान में 25 दिसंबर की शाम उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें काव्य पाठ प्रतियोगिता के विजेता कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से अटल के कवि व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

ओसैट यूनिट से यूपी बनेगा सेमीकंडक्टर हब

अमृत विचार, लखनऊ : देश के सेमीकंडक्टर मिशन को प्रदेश में नई गति मिलने जा रही है। एचसीएल और फॉक्सकॉन की संयुक्त ओसैट यूनिट लगने जा रही है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रति माह 20,000 सिलिकॉन वेफर्स प्रोसेसिंग क्षमता है, जो प्रदेश को सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में मजबूत स्थान दिलाने के साथ ही भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। अधिकारियों के अनुसार, जनवरी के मध्य ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी के बाद परियोजना पर तेजी से काम शुरू हो जाएगा। यह यूनिट यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास स्थापित की जाएगी। करीब 3706 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह इकाई प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा होगी।

रेपर्टवा फेस्टिवल का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि रेपर्टवा जैसे महोत्सव उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मक प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते हैं। पर्यटन मंत्री, गुरुवार को राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में 'रेपर्टवा फेस्टिवल 2025' के 13वें सीजन का दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। चार दिवसीय रेपर्टवा फेस्टिवल 18 से 21 दिसंबर तक जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित किया जा रहा है। इसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ देशभर की कला प्रतिभाएं अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

संस्कृति में ही निहित राष्ट्र की आत्मा : योगी

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव में मुख्यमंत्री बोले- संस्कृति से कटते ही राष्ट्र हो जाता है निस्तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में डाक विभाग के विशेष आवरण का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी, कुलपति प्रो .मांडवी सिंह व अन्य।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है। यदि राष्ट्र से उसकी संस्कृति को अलग कर दिया जाए तो वह निस्तेज हो जाता है और अपनी पहचान खो देता है। उन्होंने कहा कि कलाकार भी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। सरकार से पूरी मदद आश्वासन देते हुए योगी ने कहा कि कला एक ईश्वरीय गुण है, जिसकी अवमानना नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में शताब्दी महोत्सव के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे आत्मा के बिना शरीर निष्प्राण हो जाता है, उसी प्रकार संस्कृति से विहीन राष्ट्र खंडहर में बदल जाता है। योगी ने यह शताब्दी समारोह केवल एक संस्थान का उत्सव नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और परंपरा की निरंतरता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत की कला, संगीत और लय ने विषम परिस्थितियों में भी अपनी पहचान बनाए रखी, यही कारण है कि सनातन संस्कृति आज भी विश्व को दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कलाकार की कला को ईश्वरीय गुण बताते हुए कहा कि इसका सम्मान होना चाहिए और किसी भी विधा से जुड़े कलाकार को प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय ने बीते 100 वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को संरक्षित ही नहीं किया, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठा भी दिलाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में उतना ही योगदान देता है, जितना कोई अन्य क्षेत्र का नागरिक। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के संस्थापक पं. विष्णु नारायण भातखण्डे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1940 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखे गए उस पत्र का उल्लेख किया। उन्होंने कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह द्वारा तैयार किए गए विश्वविद्यालय के कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत्' की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओंकार सृष्टि का पहला स्वर है और नाद योग इसकी वैज्ञानिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुष्टि करता है। योगी ने कुम्भ 2019 और महाकुम्भ 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मिथक टूट गया है कि युवा अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं।

कलाकारों को सशक्त मंच दे रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कलाकारों को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय इस दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने विश्वविद्यालय के नए प्रस्तावित परिसर, आधुनिक ऑडिटोरियम, ओपन थिएटर और पुराने परिसर को संग्रहालय के रूप में विकसित करने की योजना की भी जानकारी दी। इस अवसर पर 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'ए लिगेसी ऑफ एक्सिलेंस', डाक विभाग के विशेष आवरण और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया।

भातखंडे विवि की पूर्व छात्रा पद्मश्री मालिनी अवस्थी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ये पूर्व छात्र-छात्रा किए गए सम्मानित

डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय (कथक), पद्मश्री मालिनी अवस्थी (लोक गायिका), दिलराज कौर (शास्त्रीय गायन), केवल कुमार (संगीत संयोजक)

40.19 लाख नए वोटर मतदाता सूची में जुड़े

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पंचायत चुनाव

- नई सूची में जुड़े करीब 15 लाख पहली बार वोट डालने वाले युवा
- कुल मतदाता बढ़कर हुए 12.69 करोड़
- वृहद पुनरीक्षण के बाद 1.41 करोड़ नाम हटे, 23 दिसंबर को प्रारंभिक प्रकाशन : राज्य निर्वाचन आयुक्त

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत कराए गए मतदाता सूची वृहद पुनरीक्षण-2025 के बाद उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची में 40.19 लाख नए वोटर जुड़े हैं, जिससे प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई है। वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव में यह संख्या 12.29 करोड़ थी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नए मतदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें लगभग 15 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर पहली बार मतदाता सूची में जगह बनाई है। उन्होंने बताया कि 18 से 23 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या अब 1.05 करोड़ हो चुकी है, जो पंचायत चुनावों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का संकेत है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण के दौरान 1.41 करोड़ नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इनमें ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिनका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज था, जिनका निधन हो चुका है या जो स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से की गई है।

उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण शुरू करने से पहले वर्ष 2021 की मतदाता सूची में शामिल सभी 12.29 करोड़ मतदाताओं को स्टेट वोटर नंबर (एसवीएन) आवंटित किया गया। इसके बाद ई-बीएलओ एप और गणना प्रपत्रों के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया गया। जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक बार पाए गए, उन्हें सूची से विलोपित किया गया।

राज प्रताप सिंह ने कहा कि एसवीएन किसी भी मतदाता को जीवन में केवल एक बार ही दिया जाएगा। यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है, तो उसका एसवीएन नंबर फ्रीज कर दिया जाएगा और भविष्य में किसी अन्य को आवंटित नहीं होगा। इससे फर्जी और दोहरे मतदाताओं पर पूरी तरह रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जाएगा। इस अवधि में मतदाता दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। सभी आपत्तियों के निस्तारण के बाद 6 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

रोजगार सृजन कर रही खादी: खन्ना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग की 10 दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत

खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद चरखे पर हाथ आजमाते मंत्री सुरेश खन्ना।

अमृत विचार : वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि खादी भारत की स्वतंत्रता, स्वदेश और स्वावलंबन का प्रतीक है। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा रहा है।

संसदीय कार्यमंत्री गुरुवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

स्वदेशी, स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में उप्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में 18 से 27 दिसंबर तक आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी-2025 की प्रशंसा की।

प्रधानाचार्य समेत तीन पर एफआईआर दर्ज

मदरसा नियुक्ति फर्जीवाड़ा : मृतक आश्रित कोटे में दो बार लॉकडाउन में की गई नियुक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल

मामले में यह भी आरोप है कि एक ही व्यक्ति को दो बार मृतक आश्रित कोटे में नियुक्त किया गया। यह गंभीर अनियमितता तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन कुमार सिंह और तत्कालीन रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड आरपी सिंह की भूमिका पर सवाल खड़े करती है। हालांकि शासन के पत्रों में विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

अमृत विचार: प्रदेश के बलरामपुर जिले में मदरसा जामिया अनवारूल उलूम, तुलसीपुर में कनिष्ठ सहायक की नियुक्ति को लेकर सामने आया फर्जीवाड़ा अब गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है। लॉकडाउन जैसी आपात अवधि में की गई इस नियुक्ति ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। 25 मई 2020 को मो. हसन रजा को मदरसा जामिया अनवारूल उलूम में सहायक शिक्षक आलिया के पद पर नियुक्त किया गया। नियुक्ति के दौरान प्रस्तुत शपथ पत्रों की प्रामाणिकता पर संदेह हुआ, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू हुई।

बलरामपुर के तुलसीपुर थाने में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी यशवंत मौर्या ने तहरीर दी। जिसमें बताया कि मो. हसन रजा की नियुक्ति 25 मई 2020 को मदरसा जामिया अनअवारूल उलूम में सहायक शिक्षक आलिया के पद पर हुई। उनके द्वारा जमा किये गये दस्तावेज पूरी तरह से संदेहास्पद दिखे। जिसकी जांच कराई गई। मो. हसन रजा ने दो शपथ पत्र दिये। जिसमें एक को खुद ही फर्जी बताया। जांच में सामने आया कि पहले शपथ पत्र में हसन रजा के पास आवश्यक योग्यता न होने की बात कही गई थी, जबकि बाद में दिए गए दूसरे शपथ पत्र में पहले को फर्जी बताया गया। इस विरोधाभास ने मामले को और संदिग्ध बना दिया। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक) से कराई गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि विवादित शपथ पत्र पर किए गए हस्ताक्षर मो. हसन रज़ा के वास्तविक हस्ताक्षरों से मेल नहीं खाते। रिपोर्ट के अनुसार, यह फर्जी शपथ पत्र मदरसे के लिपिक अजीज अहमद अंसारी द्वारा अपने हाथ से लिखा गया था। खुलासे के बाद मदरसा प्रधानाचार्य मेराज अहमद, लिपिक अजीज अहमद अंसारी सहित अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

उपलब्धि | मुख्यमंत्री योगी को उच्चाधिकारियों ने सौंपा विभागवार खाली पदों का ब्योरा

नए वर्ष में युवाओं के लिए 1.5 लाख सरकारी नौकरियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पुलिस-शिक्षा में सर्वाधिक भर्ती रिकार्ड भर्ती करने वाला देश का पहला राज्य बना यूपी

अमृत विचार: प्रदेश के युवाओं के लिए वर्ष 2026 रोजगार के लिहाज से ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार अगले वर्ष डेढ़ लाख से अधिक सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही योगी सरकार के नाम 10 वर्षों में 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का रिकॉर्ड दर्ज होने जा रहा है, जो प्रदेश के इतिहास में पहली बार होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सभी विभागों से रिक्त पदों का अद्यतन और विभागवार ब्यौरा तलब किया है। इसके आधार पर वर्ष 2026 के लिए मेगा भर्ती कैलेंडर तैयार किया जा रहा है। सरकार का फोकस उन विभागों पर है, जहां लंबे समय से पद रिक्त हैं और जिनका सीधा असर कानून-व्यवस्था, शिक्षा और जनसेवाओं पर पड़ता है।

सरकारी तैयारियों के अनुसार, वर्ष 2026 में सबसे अधिक भर्ती पुलिस और शिक्षा विभाग में होगी। दोनों विभागों में करीब 50-50 हजार पदों पर नियुक्तियां प्रस्तावित हैं। पुलिस विभाग में 30 हजार आरक्षी, 5 हजार उप निरीक्षक (एसआई) और 15 हजार अन्य पदों पर भर्ती की जाएगी। वहीं शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक, प्रवक्ता (लेक्चरर) और प्रधानाचार्य जैसे पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां होंगी।

इसके अलावा राजस्व विभाग में करीब 20 हजार पद, जिनमें अधिकांश लेखपाल के होंगे। करीब 8 हजार पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। स्वास्थ्य, आवास विकास, कारागार और बाल विकास पुष्टाहार विभाग में मिलाकर 30 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की जाएंगी। 2026 की इस मेगा भर्ती योजना के साथ उत्तर प्रदेश न सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा, बल्कि देश का पहला राज्य बनेगा, जिसने एक दशक में 10 लाख युवाओं को सरकारी सेवा में अवसर दिया हो।

प्रदेश का युवा हमारी प्राथमिकता है। हर रिक्त पद को भरना सरकार की जिम्मेदारी है। भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो, समय पर हो और योग्य युवाओं को अवसर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती से बढ़ा युवाओं का भरोसा

पिछले साढ़े आठ वर्षों में योगी सरकार ने साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, तकनीक आधारित चयन और सख्त निगरानी के चलते पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा है। यही कारण है कि युवाओं का भरोसा भर्ती बोर्डों और सरकार पर लगातार मजबूत हुआ है।

सपा समर्थकों के वोट काटने के दिए जा रहे निर्देश : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पत्रकारों से संवाद करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह व अन्य।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए सपा के समर्थकों के वोट कटवाने के लिए अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं। मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, वहां अधिकारियों को कमियां निकालकर सपा समर्थकों के वोट काटने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

सपा प्रमुख गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में विधानमंडल दल की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से अभी कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं हुआ है, फिर भी चार करोड़ वोट कटने की बात कही जा रही है। सवाल उठाया कि जब आंकड़े ही नहीं आए तो मुख्यमंत्री को यह जानकारी कैसे हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता और विधायक निजी कंपनियों के साथ मिलकर हेराफेरी कर रहे हैं।

सत्र में उठाएंगे जनसमस्याएं

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा के विधायक विधानसभा में महंगाई, बेरोजगारी, किसान, खाद संकट और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने बिहार में महिला डॉक्टर का हिजाब खींचने की घटना को निंदनीय बताया और कहा कि ऐसा व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर : तिर्वा विधानसभा में 80 प्रतिशत मैपिंग पूरी

तिर्वा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे एसआईआर अभियान में मतदाताओं की मैपिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि 197, तिर्वा विधान सभा में 80 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग का काम पूरा हो गया है। कई बूथों पर बी एल ओ ने 97 प्रतिशत मैपिंग कर ली है। महिला वोटरों को ढूंढने तथा सत्यापन करने में बड़ी दिक्कत आ रही है। निर्धारित समय में मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

लापता युवक की तलाश में चार दिन से भटक रहे परिजन

छिबरामऊ। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम संयसारपुर निवासी धर्म सिंह ने बताया कि 43 वर्षीय भाई रघुराज सिंह 14 दिसंबर से लापता है। रिश्तेदारों, दोस्तों तथा उनके मिलने वालों से पूछताछ करने के बाद भी उनका कोई सुराग हाथ नहीं लगा। पीड़ित ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराने को तहरीर दी है।

बाइक सवार तीन युवकों ने छात्रा को पीटा, मोबाइल लूटा

सौरिख। खड़नी चौकी क्षेत्र में कोचिंग जा रही छात्रा से बाइक सवार तीन युवकों ने मारपीट की और मोबाइल छीनकर फरार हो गए। एक छात्रा गुरुवार सुबह 10 बजे साइकिल से सौरिख कोचिंग पढ़ने जा रही थी। तभी नहर पुल के समीप खड़नी की ओर से एक सफेद रंग की अपाचे बाइक आकर रुकी जिस पर तीन युवक सवार थे। इसमें दो युवकों ने उतर कर छात्रा का बैग छीन कर उसमें रखा मोबाइल निकाल लिया। विरोध करने पर छात्रा के साथ मारपीट कर दी। इसी बीच एक कार आ गई जिससे बाइक सवार कोहरे का फायदा उठाकर भाग गये। सूचना पाकर कुछ देर में थाना प्रभारी सौरिख जयंती प्रसाद मौके पर पहुंच गये। पीड़ित छात्रा के पिता ने लुटेरों के खिलाफ तहरीर दी है।

23 को रसोइयों की जिलास्तरीय प्रतियोगिता

कन्नौज। बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि 23 दिसंबर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में जिलेभर के सभी ब्लॉक क्षेत्रों से चयनित परिषदीय स्कूलों की रसोइयों की पाक कला प्रतियोगिता होगी। इसमें पहले, दूसरे व तीसरे स्थानों पर जगह बनाने वाली रसोइयों को पुरस्कृत किया जाएगा। सांत्वना पुरस्कार भी मिलेंगे।

मारपीट की घटना में तीन लोग घायल

छिबरामऊ। विशुनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अल्हानापुर निवासी नफीस पत्नी बसरूद्दीन ने बताया कि वह अपने घर के बाहर बैठी थी। तभी पड़ोस के ही कुछ दबंगों ने रंजिश में गालीगलौज की। विरोध करने पर उन्हें व परिवार के दो अन्य लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

बोर्ड परीक्षा के 3 केंद्र कम हुए, 96 की सूची जारी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। यूपी बोर्ड यानि माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए जिले में 96 केंद्र बनाए गए हैं। इसकी सूची जारी हो गई है। इसमें 02 राजकीय, 48 सहायता प्राप्त व 46 वित्तविहीन विद्यालयों के नाम शामिल हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने 22 दिसंबर तक ऑनलाइन आपत्तियां मांगी हैं।

डीआईओएस पप्पू सरोज ने बताया कि 18 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक चलने वाली बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण हो गया है। पूर्व में आईं ऑनलाइन आपत्तियों के निस्तारण के बाद 96 परीक्षा केंद्रों की सूची छात्र आवंटन के साथ जारी हुई है। इसमें वह स्कूल शामिल किए गए हैं जिनको डीएम की अध्यक्षता में गठित जनपदीय केंद्र निर्धारण समिति ने अनुमोदन दिया है। सूची को डीआईओएस कार्यालय में चस्पा किया गया है। साथ ही माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर भी अपलोड हो गई है। अगर किसी को अब भी कोई आपत्ति है तो छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य, प्रबंधक पर्याप्त कारण व साक्ष्यों समेत विद्यालय की लॉगिन आईडी से अपना प्रत्यावेदन ऑनलाइन परिषद के पोर्टल पर 22 दिसंबर तक भेज सकते हैं। बताया गया है कि वर्ष 2025 में कुल 99 केंद्र बने थे। 2026 में होने वाली परीक्षा के लिए बीते दिनों 77 केंद्रों की अनंतिम सूची जारी हुई थी जिसमें 02 राजकीय, 51 एडेड व 24 वित्तविहीन विद्यालय शामिल रहे। नई सूची में 77 में से 04 विद्यालयों के नाम कम हुए हैं जिसमें 03 वह एडेड स्कूल शामिल हैं जिन्होंने मानक पूरा न होने की बात कहकर केंद्र की सूची से नाम हटाने की मांग रखी थी। इसमें जनता इंटर कॉलेज मुर्रा सौरिख, महर्षि निशंक इंटर कॉलेज नवादा तालग्राम व रसाल सिंह इंटर कॉलेज महोई नौली छिबरामऊ हैं। इसके अलावा वित्तविहीन राजेश कुमार भारती देवी इंटर कॉलेज अज्यौरा का नाम भी अधूरे मानक के चलते सूची से हटाया गया है। कुल 112 आपत्तियां आईं थीं इसमें 52 स्कूलों ने केंद्र बनाने, 03 ने केंद्र से हटाने 10 ने छात्र आवंटन कम करने की मांग रखी थी।

18 दिसंबर को प्रकाशित खबर।

आखिर शामिल हुआ विद्या मंदिर

- आपके अपने लोकप्रिय समाचार पत्र अमृत विचार ने 18 दिसंबर के अंक में 'जिसका मेरिट में दबदबा वही नहीं बना केंद्र' शीर्षक से खबर प्रकाशित की। इसमें तिर्वा के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज को केंद्र न बनाने का जिक्र किया। नई सूची में इसे केंद्र बना दिया गया है।

- लिस्ट में 2 राजकीय 48 सहायता प्राप्त और 46 वित्तविहीन विद्यालय शामिल
- वर्ष 2025 में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा 99 केंद्रों पर हुई थी

दूसरे दिन भी नहीं हुई शव की शिनाख्त

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता,छिबरामऊ

अमृत विचार। दो दिन के बाद भी निगोहा गांव के करीब अंडरपास के नीचे मिले अधजले शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। हालांकि पुलिस की टीमें शव की शिनाख्त व घटना के खुलासे के लिए छानबीन कर रही है।

बुधवार की सुबह लगभग 4 बजे कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निगोह के पास जीटी रोड अंडरपास के निकट एक खेत में अज्ञात महिला का अधजला शव बरामद होने के मामले में मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। बता दें कि घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। मृतका का शरीर पूरी तरह से जला हुआ था, जिससे उसकी शिनाख्त करना बेहद मुश्किल हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद पहचान छिपाने के इरादे से उसे जिंदा जलाया गया। एक पैर का आधा हिस्सा जलने से बच गया। हालांकि पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देश पर आसपास के जिलों में भी गुमशुदा हुई महिलाओं और युवतियों की सूची तैयार की जा रही है ताकि मृतका की शिनाख्त की जा सके और घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों का सुराग लगाया जा सके। इसके लिए घटनास्थल की चारों दिशाओं में सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है, लेकिन अब तक पुलिस को कोई पुख्ता सुराग नहीं मिल सका है।

सुराग ढूंढने में लगी एसओजी टीम। अमृत विचार

- आसपास जिलों से मिसिंग महिलाओं और युवतियों की सूची तैयार की जा रही है

कोहरे से लिपटा शहर, ठंड से कांपे लोग

अधिकतम तापमान लुढ़कर 17 डिग्री पहुंचा, 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली सर्द हवाओं से लोग बेहाल

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। लगातार दूसरे दिन भी शहर कोहरे से लिपटा रहा। कड़ाके की ठंड के साथ पूरे दिन सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। लोगों का दिन सर्दी से कांपते हुए बीता। इस सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान लुढ़ककर 17 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम विभाग की ओर से आशंका जताई गई कि यदि इसी तरह कोहरा बना रहा तो आलू में झुलसा लगने की आशंका बढ़ जाएगी। इससे बचाव को दवा का छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

गुरुवार की सुबह कोहरे की मोटी परत के साथ हुई। जैसे जैसे दिन चढ़ा कोहरा और घना होता चला गया। कोहरे के बीच बारिश की फुहार सा अहसास हुआ। लोग दिन भर धूप निकलने का इंतजार करते रहे। दोपहर बाद कुछ प्रकाश बढ़ा लेकिन सूरज नहीं निकला। बादल भी छाए रहे। तीन बजे के बाद दिन ढलना शुरू होते ही ठंड का असर फिर से बढ़ गया। शाम के समय से ही कोहरे की धुंध छा गई। पूरे दिन लोग ठंड से कांपते रहे। जगह-जगह लोग आग जलाकर तापते नजर आए। बाजार में भी आम दिनों की तरह भीड़ नहीं दिखाई दी। जरूरी काम वाले लोग ही घरों से बाहर निकले। उधर, सर्दी बढ़ते ही गर्म कपड़ों की दुकानों पर रौनक आ गई है। सड़क किनारे लगी दुकानों पर हर वर्ग के लोग गर्म कपड़ों की खरीदारी करते दिखाई दिए। उधर, कोहरे से आलू में झुलसा की आशंका से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कृषि मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने बताया कि अधिकतम तापमान 17 जबकि न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

अधिकतम तापमान में इस सीजन की सबसे अधिक 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट है। आर्द्रता 90 फीसदी रही जबकि 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ हवाएं चली हैं। बादल भी छाए रहे। आगामी तीन दिनों तक मध्यम से घना कोहरा छाने की संभावना है, हालांकि शनिवार को जिले में कुछ स्थानों पर धूप निकल सकती है। आलू किसानों को सलाह दी कि फसल को झुलसा से बचाने के लिए डाइथेन 45, मैंकोजेब, जेनेब या डाइथेन जेड 78 के 2 प्रतिशत सोल्यूशन का छिड़काव कर सकते हैं। इसके अलावा खुले क्षेत्रों में शाम के समय खेत के क्षेत्रफल के हिसाब से तीन से चार स्थानों पर धुआं करके भी झुलसा से बचाव किया जा सकता है।

सरायमीरा में फुटपाथ पर लगी दुकानों पर गर्म कपड़ों की खरीद को उमड़ी भीड़।

गुरुवार सुबह नौ बजे जीटी रोड पर कोहरे की बीच गुजरते वाहन। अमृत विचार

किसानों को कंबल बांटे गए

- **सौरिख।** बहादुरपुर गांव के बनासकांठा स्थित एक डेयरी पर एम सी सी तिर्वा से आए फील्ड सुपरवाइजर अंकुश गुप्ता, अजय कुमार ,सचिव मुनीष सिंह, अध्यक्ष राजेश सिंह ने डेयरी पर दूध भर रहे सभी किसानों को बुलाकर बोनस पेमेंट के बारे में चर्चा की। इसके बाद कंबल बांटे। इस मौके पर मयंक शेखर सिंह अनूप सिंह, मंजुल सिंह, रामप्रसाद, निलेश, अवधेश, राजू, धर्मेंद्र सिंह, संतोष सिंह, दीपक सिंह, अनुज कुमार, छोटेलाल, रमन सिंह, विमला देवी, रेखा, संजय सिंह, शीलू आदि किसान मौजूद रहे।

इत्र पार्क में की जाए कॉन्टेक्ट सेंटर की स्थापना : डीएम

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कहा कि इत्र पार्क में यूपीसीडा, जल निगम एवं विद्युत विभाग के संयुक्त समन्वय से एक कॉन्टेक्ट सेंटर की स्थापना की जाए। इस सेंटर में प्रशिक्षित एवं दक्ष कर्मियों की तैनाती की जाए, ताकि उद्योग बंधुओं को विभिन्न विभागों से संबंधित जानकारी एक ही स्थान पर समयबद्ध एवं सटीक रूप से उपलब्ध कराई जा सके।

जिलाधिकारी गुरुवार को कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में इत्र पार्क के समग्र विकास एवं आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान यूपीसीडा ने इत्र पार्क की बाउंड्रीवाल निर्माण को टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने तथा फरवरी से काम शुरू कराए जाने की जानकारी दी। इस पर जिलाधिकारी ने बाउंड्रीवाल के साथ-साथ गैस पाइपलाइन, जल कनेक्शन एवं विद्युत आपूर्ति जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। यह भी निर्देशित किया कि पार्क परिसर में विशेष शिविरों का आयोजन कर उद्यमियों को जल, बिजली एवं गैस कनेक्शन से संबंधित आवेदन पत्र भरने की सुविधा दी जाए। अग्निशमन विभाग को निर्देश दिए कि फायर स्टेशन की स्थापना एवं मानकों के अनुरूप लाल पाइपलाइन बिछाने हेतु आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र यूपीसीडा को उपलब्ध कराएं।

इत्र पार्क में विकसित कुल 62 भूखंडों के सापेक्ष अब तक 46 आवंटित किए जा चुके हैं। शेष 16 बड़े भूखंडों को विभाजित कर इच्छुक उद्यमियों को आवंटित किया जाए। एचपीसीएल को औद्योगिक प्रयोजन हेतु निर्बाध गैस आपूर्ति के लिए समुचित योजना के साथ पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त उद्योग धनंजय सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं इत्र उद्यमी उपस्थित रहे।

- फरवरी से बनेगी बाउंड्री, अन्य व्यवस्थाएं भी पूरी करने के निर्देश
- जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में की बैठक

रांग साइड आते स्कूली वाहन को रोकते टीएसआई अरशद खान। अमृत विचार

उलटी साइड चलने वाले वाहनों पर हुई सख्ती

मानीमऊ। शहर व कस्बों में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात विभाग द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। रांग साइड चलने वाले वाहनों का चालान किया गया। गुरुवार को टीएसआई अरशद खान ने मानीमऊ में रांग साइड वाहन चलाने वालों पर सख्ती की। आधा दर्जन वाहनों के चालान किए और दो दर्जन से अधिक चालकों को यातायात नियम बता और चेतावनी देकर छोड़ दिया।

दहेज की मांग को लेकर शादी से इनकार

छिबरामऊ। शादी की तारीख तय होने के बाद दहेज को लेकर लड़के पक्ष ने शादी से इनकार कर दिया।

जनपद मैनपुरी क्षेत्र के थाना ओछा के ग्राम गुराई निवासी विनोद कुमार पुत्र अंतराम दुबे ने कोतवाली में दी शिकायत में बताया है कि उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह कोतवाली क्षेत्र के गांव अकबरपुर निवासी एक परिवार में तय किया था।

कुछ माह पूर्व सगाई होने के बाद सब कुछ तय हो गया था, लेकिन अचानक लड़के पक्ष ने अतिरिक्त दहेज में नगदी की मांग करते हुए शादी से इनकार कर दिया। अब ना तो शादी करने को तैयार हैं और न ही जो इंगेजमेंट में हुआ लेनदेन वापस करना चाह रहे हैं। मामले में कार्रवाई की जाए।

अब जेल में रह रहे बच्चों का सुरक्षित होगा बचपन

अमृत विचार EXCLUSIVE

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जेलों में महिला बंदियों के साथ आवासित 06 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के समग्र विकास व संरक्षण को लेकर सुरक्षित बचपन निगरानी समिति गठित हो गई है। समेकित योजना में कारागार में ही उनकी बेहतर ढंग से देखरेख होगी।

बताया गया है कि 03 से 05 साल तक की उम्र में बच्चों के मस्तिष्क का विकास होता है। यदि बच्चा पारिवारिक वातावरण में रहे तो यह मस्तिष्क के विकास में सहायक होगा। कारागारों में सीमित संसाधन हैं। कम स्टाफ की वजह से देखभाल, सुरक्षा, विकास के अवसर, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा आदि पारिवारिक माहौल दिया जाना चुनौतीपूर्ण है। कारागार में रहने के कारण बच्चों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों से भी बचाना जरूरी है।

शासन से आए पत्र में कहा गया है कि जिनकी माता नहीं हैं और पिता कारागार में निरुद्ध हैं या ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों कारागार में हैं वह अपने बच्चों को साथ में कारागार में न रखकर विस्तारिक परिवार या बाल गृहों में आवासित कराए जाने के इच्छुक हैं। सुरक्षित बचपन योजना की निगरानी के लिए संयुक्त निगरानी समिति का गठन किया गया है। इसमें डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की ओर से कमेटी का अध्यक्ष सीडीओ राम कृपाल चौधरी को बनाया गया। प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह सदस्य सचिव हैं। जेल अधीक्षक भीमसेन मुकुंद, सीएमओ से नामित वरिष्ठ बाल चिकित्सक, बीएसए संदीप कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा व बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अनीता सक्सेना को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। यह अधिकारी जेल में संयुक्त विजिट करेंगे।

कारागार में आया बच्चा तो 24 घंटे में देनी होगी सूचना

- एक पत्र के मुताबिक महिला बंदियों के कारागार में आने के 24 घंटे में किशोर न्याय अधिनियम के तहत आवासित बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जेल अधीक्षक की ओर से जिला बाल संरक्षण अधिकारी व जिला प्रोबेशन अधिकारी को इसकी सूचना दी जाएगी। महिला बंदियों को बच्चों के साथ ही रखा जाए जिससे अन्य बंदियों के संपर्क में बच्चे कम आ सकें। कारागार प्रशासन एवं सुधार, महिला एवं बाल विकास, गृह, न्याय, बेसिक शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के समन्वयक से बेहतर कार्य किया जाएगा। दूसरी ओर जरूरतमंदों को भारत सरकार की स्पांसरशिप व राज्य की मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना का लाभ दिलाने को भी कहा गया है।

- सुरक्षित बचपन योजना के लिए संयुक्त निगरानी समिति का हुआ गठन

प्रतियोगिता | ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं में एक से बढ़कर एक प्रदर्शन, जीते इनाम

सर्दी में भी खेलकूद में दिखा नौनिहालों का दम

संवाददाता गुरसहायगंज/ जलालाबाद

अमृत विचार। भीषण सर्दी के बीच हुई ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालय नौनिहालों ने विभिन्न स्पर्धाओं में दम दिखाया और इनाम भी जीते।

गुरुवार को जलालाबाद में हुई ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जावेद अहमद सिद्दीकी ने फीता काट कर किया। प्राथमिक स्तर की बालिका वर्ग में अलीनगर की छात्रा पलक ने 50, 100 व 200 मीटर दौड़ में प्रथम, बालक वर्ग 50 मीटर में अरमान, 200 मी. में सूरज व मोहित ने प्रथम स्थान पाया। बालिका वर्ग में उच्च प्रा. वि. जलालाबाद की शालिनी ने 200 मीटर में प्रथम, बालक वर्ग कबड्डी में कंपोजिट विद्यालय जलालाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बालिका वर्ग कबड्डी में उ.प्रा. वि. जलालाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान नोडल शिक्षण संकुल राकेश कुमार, अवध नरायन, हरिओम, आशीष कुमार, कैलाश कुमार, संजीव कुमार प्रजापति, मुकेश मिश्रा, रोहित द्विवेदी, मधुरिमा अग्रवाल, रेवती रमन, कंप्यूटर ऑपरेटर मोहत्सिम, साजिद, अखिलेश कुमार ब्रजेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे। ब्लाक गुगरापुर में मुख्य अतिथि बीएसए के प्रतिनिधि व एसआरजी संजीव कटियार व ब्लाक अध्यक्ष आलोक चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में मोहनपुर रतनपुर जूनियर वर्ग ने बॉलीबॉल बालक/ बालिका वर्ग, कबड्डी (बालिका) और खो खो (बालिका) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिव्यांश ने लम्बी व ऊंची कूद में प्रथम, 600 मीटर दौड़ में पल्लवी, 400 मीटर में प्रिया प्रथम रहीं, गोला-तवा फेंक में दिव्यांश और प्रिया प्रथम, ऊंची व लंबी कूद में प्रिया प्रथम स्थान पर रही। इस दौरान राम किशोर सिंह, अशोक सक्सेना, राकेन्द्र सक्सेना, आशीष मिश्रा, रवि त्रिपाठी, सौरभ सैनी, कैलाश चंद्र, अविनाश दोहरे रहे।

जलालाबाद में विजेता छात्रा को पुरस्कृत करते ब्लाक अध्यक्ष जावेद अहमद।

गाली देने से मना करने पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

सौरिख। गालीगलौज करने से रोकने पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया गया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना क्षेत्र के गांव गोरखपुर निवासी रामकुमार पुत्र मान सिंह ने थाने में तहरीर देते हुए बताया, 15 दिसंबर की शाम करीब 8:30 बजे वह अपने दरवाजे पर था। तभी गांव के अंशुल पुत्र हरिश्चंद्र शराब के नशे में गालीगलौज करने लगे। पुत्र अर्पित ने गाली देने से मना किया तो लाठी डंडों से उसे मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस पूरे मामले में गांव के सुधीर पुत्र सोनेलाल ने भी गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला पंजीकृत करते हुए जांच प्रारंभ कर दी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

छात्र-छात्राओं को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने को किया जागरूक

संवाददाता, गुरसहायगंज, कन्नौज

अमृत विचार। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन नगर के गोमती देवी आदर्श इंटर कॉलेज में किया गया। इसमें वरिष्ठ काउंसलर के द्वारा छात्राओं को मानसिक रुप से स्वस्थ्य रहने सहित इसके बचाव की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ काउंसलर सृष्टि नंदा व डॉ. अभिषेक कुमार ने छात्र-छात्राओं से कहा कि किसी भी मानसिक रोग से ग्रसित होने पर मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रधानाचार्य प्रबल प्रताप सिंह ने कहा, परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राएं तनाव न लें।

किसी भी तरह की समस्या होने पर तत्काल नंबर पर संपर्क कर समस्या का समाधान पा सकते हैं। मानसिक दक्षता प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राओं को शील्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सुरेंद्रनाथ मिश्र, राम प्रकाश, सतीश चंद्र, कमलेश कुमार, अतुल कुमार मिश्रा, श्रुति मिश्रा, गजेंद्र सिंह यादव, शिवकुमार वर्मा, रामू त्रिपाठी, मोहम्मद आरिफ, ध्रुव त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

प्रमाण पत्र व शील्ड के साथ मौजूद छात्र, छात्राएं। अमृत विचार

- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमृत विचार
कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गिहार जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग

फर्रुखाबाद। फतेहगढ़ डीएम कार्यालय पर राष्ट्रहित इंडियन पार्टी के अध्यक्ष आनंद गिहार ने अपने पदाधिकारियों के साथ सिटी मजिस्ट्रेट संजय बंसल को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन विभिन्न मांगों को लेकर दिया गया है। पार्टी ने ज्ञापन में बताया कि उत्तर प्रदेश में गिहार जाति की जनसंख्या लगभग 2 करोड़ है। उन्होंने मांग की है कि गिहार जाति को शासनादेश में सूचीबद्ध किया जाए और उनके जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके अतिरिक्त, ज्ञापन में जोगी, बंजारा और लोहार जैसी जातियों का भी उल्लेख किया गया है, जो वर्तमान में पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल हैं। पार्टी ने इन जातियों को भी अनुसूचित जाति/जनजाति का दर्जा देने की अपील की है। राष्ट्रहित इंडियन पार्टी ने उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार से यह भी निवेदन किया है कि उनके लिए अपमानजनक जातिसूचक शब्दों के प्रयोग पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही, उन्होंने सभी वंचित वर्गों को रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें देश की मुख्य धारा से जोड़ने की मांग की है।

शिविर में 17 बच्चों को लगा टीका

फर्रुखाबाद। ज्योना के आंगनवाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 17 बच्चों और एक गर्भवती महिला का टीकाकरण किया गया। एएनएम प्रांशी ने बताया कि यह अभियान 5 साल 7 बार छूटे न टीका एक भी बार के तहत चलाया गया। इसमें 0 से 16 साल तक के बच्चों का टीकाकरण किया गया। टीकाकरण के साथ-साथ, गर्भवती महिलाओं की एंटीनेटल केयर (एएनसी) जांच भी की गई। अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में लहन नष्ट कर अवैध शराब पकड़ी

छिबरामऊ। जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में प्रवर्तन अभियान के तहत गुरुवार को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बहबलपुर एवं ग्राम सराय प्रयाग में आबकारी निरीक्षक हरिश्चंद्र के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। इस दौरान 400 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया तथा 55 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। इस संबंध में तीन अलग-अलग अभियोग पंजीकृत किए गए।

तहसील स्तरीय प्रतियोगिताएं आज

कन्नौज। डीआईओएस पप्पू सरोज ने बताया कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को लेकर 19 दिसंबर को तहसील स्तरीय प्रतियोगिताएं होंगी। सुबह 10 बजे से छिबरामऊ क्षेत्र की निबंध व एकल काव्य पाठ प्रतियोगिताएं रमाबाई राजकीय बालिका विद्यालय छिबरामऊ, कन्नौज की सुशीला देवी बालिका इंटर कॉलेज और तिर्वा की इंद्रा देवी बालिका हायर सेकेंड्री स्कूल में होंगी। इसमें वही प्रतिभागी शामिल होंगे जो स्कूल स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आए। 22 दिसंबर को जिलास्तरीय कार्यक्रम राजकीय महिला महाविद्यालय बांगर में होगा।

ब्लॉक स्तरीय क्विज के विजेता सम्मानित

गुरसहायगंज। वैज्ञानिक मनोवृति एवं जिज्ञासा पर आधारित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत ब्लॉक स्तरीय क्विज का आयोजन किया गया। गुरुवार को ब्लॉक तालग्राम के बीआरसी परिसर में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय सराय प्रयाग में ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीईओ रमेश चंद्र चौधरी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कक्षा 6 से 8 में उत्कृष्ट छात्राओं के प्रारंभिक चरण के अंतर्गत लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 25 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। इसमें राष्ट्रीय आविष्कार अभियान विज्ञान प्रदर्शनी के लिए प्रांशु, शबनम, आयुष, जहान्वी, अर्पित, जबकि तन्वी, पावनी, गौरी, शबनम क्विज प्रतियोगिता में चयनित हुए। चयनित हुए छात्र-छात्राओं को बीईओ ने प्रमाण पत्र विज्ञान बुक, मोमेंटो, ज्यामिति बॉक्स, स्टेशनरी किट देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अनिल कुमार राजपूत, ऋषि कुमार अग्निहोत्री, मो अबरार, प्रशांत राजपूत, डॉ रजनीश द्विवेदी, दिलीप कुमार, आशुतोष दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

जेल में खुला आंगनबाड़ी केंद्र तीन दिन जाएंगी कार्यकत्री

वर्तमान में 03 महिलाओं के साथ हैं एक-एक बच्चे कारागार में बंद

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

शिशु सदन के पास मौजूद सीडीओ राम कृपाल चौधरी व अन्य अधिकारी।

अमृत विचार। अनौगी स्थित जिला कारागार में गुरुवार को सीडीओ राम कृपाल चौधरी की अध्यक्षता में सुरक्षित बचपन निगरानी समिति की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि महिला बंदियों के साथ वर्तमान में 03 बच्चे हैं जिसमें दो महिलाएं सजायाफ्ता हैं। तीनों बच्चों को समिति अध्यक्ष ने पोलियो ड्रॉप पिलाया। साथ ही चॉकलेट दिए। यहां आंगनबाड़ी केंद्र भी खोला।

जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा ने बच्चों के लिए खेलकूद की किट भी दी है। जेल के शिशु सदन के संचालन की जिम्मेदारी उम्मेदपुर्वा व ललईपुर्वा गांव की आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुनीता व वंदना को दी गई है। यह सप्ताह में 03 दिन जाएंगी। उन्होंने बताया कि किट में साइकिल, अक्षर व गिनती, चटाई, फुटबॉल, सफेद बोर्ड, वजन

- गर्भवती के प्रपत्र बनवा दिलाया जाएगा मातृ वंदना का लाभ

मशीन, प्राथमिक चिकित्सा किट, ऊंचाई चार्ट, बर्तन, बेबी कुर्सी व टेबल आदि शामिल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी का कहना है कि कारागार में गर्भवती महिला भी बंद है उसका आधार कार्ड व अन्य प्रपत्र बनवाकर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ दिलाया जाएगा। साथ ही टेक होम राशन की सुविधा भी मिलेगा। पहले दिन पोषाहार वितरण कराया गया है। केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ भी किया गया। इस मौके पर संरक्षण अधिकारी विजय राठौर, सीडीपीओ शेषमणि आदि उपस्थित रहे।।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में 54 बच्चों को मिला उपचार

कन्नौज। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य टीम ने विकासखंड कन्नौज के उच्च प्राथमिक विद्यालय में टीम ने भ्रमण किया। इस दौरान 54 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के डॉ. पवन श्रीवास्तव, डॉ. करतेंद्र सिंह, ओप्टोमेट्रीस्ट अलका एवं एएनएम नीलम यादव ने विद्यालय पहुंचकर बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं पोषण स्तर का मूल्यांकन किया। हीमोग्लोबिन मीटर से खून की जाँच की गयी। 04 बच्चे ऐनेमिक पाये गए। सर्दी, जुकाम, खांसी एवं बुखार से बीमार बच्चों को मौके पर दवा दीं गयी। इसी तरह शहर में केके इंटर कॉलेज में 15 बच्चों को निशुल्क चश्मे उपलब्ध कराये गए। टीम ने शिक्षकों एवं अभिभावकों को बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर बच्चों को स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित जानकारी भी दी गई।

पुलिस चौकी के पास चार दुकानों को तोड़कर चोरी

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- चोर नकदी व सामान लेकर फरार, पुलिस ने की छानबीन

इन दुकानों में हुई चोरी।

अमृत विचार। शहर में चोरों ने पुलिस चौकी के निकट चार लकड़ी की दुकानों को तोड कर नकदी व सामान की चोरी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की है।

सदर कोतवाली के मोहल्ला मकरंदनगर तिराहे के पास स्थानीय निवासी जावेद की सैलून की दुकान लकड़ी के खोखे में है। देर शाम वह दुकान बंद कर घर चला गया। रात में चोरों ने खोखे को पीछे से बेल्चा लगा कर तोड़ दिया। यहां रखी कुछ नकदी के अलावा क्रीम व अन्य सामान चोरी कर लिया। दुकान में कुछ दिन पहले भी चोरी हो चुकी है। इसकी शिकायत कोतवाली पुलिस से की गई थी।

उस समय चोरों ने दुकान में लगा इन्वर्टर व बैट्री चुरा ली थी। तब चोरी का भी पुलिस ने खुलासा नहीं किया। अब चोरों ने जावेद के अलावा शकील व मेहरोज की दुकानों को भी तोड कर नकदी सामान व सब्जी चोरी कर ली। सुबह जब दुकान मालिक अपनी दुकानों को खलने पहुंचे तो घटना का पता। इस पर डायल 112 पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मकरंदनगर चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दुकानदारों को दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की नसीहत दी। मकरंदनगर चौकी के निकट इस प्रमुख तिराहे पर हुई चोरी ने चौकी पुलिस की पोल खोल दी है। जिस तिराहे पर 24 घंटे पुलिस की ड्यूटी लगती थी अब वहां पर दिन के समय यातायात सिपाही व होमगार्ड जवान रहते हैं पर शाम होते ही तिराहा पूरी तरह से खाली हो जाता है।

एसआईआर में कट रहे वोट सपा या अन्य विपक्षी दलों के

कन्नौज। सपा जिला प्रवक्ता ने कहा कि एसआईआर में जो वोट कट रहे हैं वह सपा या अन्य विपक्षी दलों के हैं।

पूर्व भाजपा सांसद सुब्रत पाठक की ओर से दिये गये बयान को लेकर सपा के मुख्य जिला प्रवक्ता विजय द्विवेदी ने कहा कि क्या उनको पता है, जो वोट एसआईआर में कट रहे हैं वह सपा या अन्य विपक्षी दलों के हैं? इसका मतलब भाजपा आयोग से मिल कर सपा के वोटों को कटवाने का षडयंत्र कर रही है। यह मंशा पूरी होने वाली नहीं है। सपा 2027 का चुनाव राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व लड़कर सरकार बनायेगी। हर बूथ पर पार्टी के बीएलए लगे हुए हैं। उनके बयान से यह सिद्ध होता है कि 2022 में भाजपा के तीनों विधायक भी फर्जी वोट से चुने गये हैं। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि प्रत्येक बूथ पर बीएलओ द्वारा संयुक्त हस्ताक्षर कर पूरा विवरण हटे, कटे, मृतक व विस्थापित वोटो का कारण सहित देना चाहिये ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

उर्वरकों में ओवररेटिंग और टैगिंग की समस्या उठी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- मंडी में चबूतरों से आढ़तियों का कब्जा हटाने की मांग

अमृत विचार। कृषि भवन सभागार में गुरुवार को किसान दिवस मनाया गया। सौरिख के बिजनौरा निवासी कृषक अभिलाष सिंह यादव, सदर क्षेत्र के बगिया गांव निवासी राम सनेही राजपूत ने उर्वरकों की ओवररेटिंग एवं टैगिंग की समस्या उठाई। उप कृषि निदेशक संतोष यादव ने स्पष्ट किया कि जनपद में उर्वरकों पर्याप्त है। यदि कोई विक्रेता ओवररेटिंग या टैगिंग करता है तो उसकी शिकायत तत्काल मोबाइल अथवा लिखित रूप में दर्ज कराएं।

कृषि विज्ञान केंद्र अनौगी के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने आगामी आलू फसल में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग की तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने पिछेती झुलसा रोग व पाला से बचाव के लिए फसल में पर्याप्त नमी बनाए रखने पर जोर दिया। किसान यूनियन के सदस्य आरपी ठाकुर ने मंडी में फसलों की नियमित बोली लगाए जाने एवं मंडी परिसर में बने चबूतरों से आढ़तियों का कब्जा हटाने की मांग रखी, ताकि दूर-दराज से आने वाले किसानों को अपनी उपज रखने एवं बेचने में सुविधा मिल सके। जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी ने उद्यान विभाग में योजनाओं एवं अनुदान की जानकारी साझा की। डिप्टी सीवीओ डॉ. सारिका माल ने पशुओं के नियमित टीकाकरण पर जोर देते हुए खुरपका-मुंहपका एवं थनेला जैसी बीमारियों से बचाव की जानकारी दी। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय घेरने जा रहे कांग्रेसियों की पुलिस से झड़प

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

जीटी रोड स्टेट बैंक के सामने रोकने पर पुलिस से धक्कामुक्की करते कांग्रेसी।

अमृत विचार। भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले कांग्रेसियों को पुलिस ने जीटी रोड भारतीय स्टेट बैंक के सामने रोक लिया। इससे कांग्रेसियों की पुलिस से धक्कामुक्की हुई।

प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर भाजपा सरकार द्वारा फर्जी तरीके से ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए जिले के कांग्रेसी गुरुवार को जिला भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले। जानकारी पर सीओ तिर्वा कुलवीर सिंह के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह भारी पुलिस बल के साथ पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय के आवास के बाहर पहुंच गये। यहां पुलिस ने कांग्रेसियों को रोक लिया। एक घंटे तक रोके जाने के बाद कांग्रेसियों ने सीओ से जीटी रोड पर कुछ दूर तक जाने की मांग की।

इस पर सहमति दी गई। इसके बाद हाथ में बैनर लेकर कांग्रेसी भाजपा कार्यालय के लिये रवाना हुए। पुलिस ने कुछ दूर चलने के बाद उनको जबरन रोक लिया। इस पर पूर्व जिलाध्यक्ष विजय मिश्रा व विवेक नारायणमिश्रा के साथ धक्कामुक्की हुई। जिलाध्यक्ष शाकिर हुसैन के नेतृत्व में प्रस्तावित घेराव को लेकर विजय मिश्रा ने कहा कि कांग्रेसियों को भारी पुलिस लगाकर रोकने का कार्य सरकार के इशारे पर किया गया।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर जुटे कई धर्मों के लोग

कन्नौज। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं में गुरुवार को अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया गया।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि गुरसहायगंज स्थित डॉ. जाकिर हुसैन इंटर कॉलेज में उनकी अध्यक्षता में विचार-गोष्ठी हुई। इसमें अल्पसंख्यक समुदाय के बौद्ध धर्म से आए हुए भंते कमल बोधि, बौद्ध आचार्य फतेह चंद्र शाक्य, तीर्थराज बौद्ध, इसाई धर्म के संजय जॉनी पौल एवं निमिषा पौल, सिख धर्म से सूर्य प्रताप सिंह, जैन धर्म से विनय जैन तथा मुस्लिम धर्म से विभिन्न धर्म गुरुओं ने अपने विचार व्यक्त कर अल्पसंख्यकों के हितार्थ सुझाव दिए। प्रधानाचार्य हाजी मशरूर ने भी बात रखी। सुझाव व समस्याओं को लेकर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने उनका निराकरण कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर अनुपम मिश्रा, फैजुल हसन व तारिक बशीर मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस कार्यक्रम में मौजूद लोग। अमृत विचार

सांसद खेल महोत्सव में सीपी इंटरनेशनल स्कूल उपविजेता

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

सीपी इंटरनेशनल स्कूल के विजेता छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। सांसद खेल महोत्सव में सीपी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल एवं अनुशासन का परिचय देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

इस खेल महोत्सव में जनपद के अनेक विद्यालयों के साथ-साथ विभिन्न खेल क्लबों की टीमों ने सहभागिता की। कड़े मुकाबलों के बीच सीपी इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने समर्पण, टीम भावना एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। विद्यालय के प्रबंधक सत्य प्रकाश अग्रवाल ने खिलाडियों एवं खेल प्रशिक्षकों को बधाई दी। निदेशक डॉ. मिथलेश अग्रवाल ने इस सफलता को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का परिणाम बताया। उपनिदेशक

- जनपद के अनेक विद्यालयों की टीमों ने सहभागिता की

अंजू राजे एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ज्योत्सना अग्रवाल ने खिलाडियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य संजय बिष्ट ने कहा कि खेल गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। इस उपलब्धि में खेल प्रशिक्षक संजीव कुमार द्विवेदी एवं केके बाजपेई का सराहनीय योगदान रहा।

शहर में 21 दिसंबर को निकलेगी हिंदू राष्ट्र यात्रा

फर्रुखाबाद। शहर में 21 दिसंबर को हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर एक यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री द्वारा छेड़ी गई मुहिम के समर्थन में आयोजित की जा रही है। इस यात्रा के आयोजन को लेकर हिंदू संगठनों के पदाधिकारी गुरुवार को टाउन हॉल पर एकत्र हुए।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू बजरंग दल के जिला महामंत्री सनी गुप्ता ने बताया कि यात्रा की तैयारियां पहले से ही पूरी कर ली गई हैं। इन तैयारियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन और प्रशासन की व्यवस्था में कोई बाधा न आए। जानकारी दी कि यात्रा 21 दिसंबर को चौक से शुरू होकर लाल गेट पर स्थित सेल्फी प्वाइंट तक जाएगी। आयोजकों का अनुमान है कि इस यात्रा में लगभग 1000 लोग शामिल होंगे। सिकी तैयारियां की जा रही हैं।

नए मतदाताओं के पंजीकरण पर आयोजित हुई बैठक

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। कायमगंज में मतदाताओं के पंजीकरण को लेकर प्रशासन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। यह बैठक गुरुवार को तहसील परिसर स्थित उपजिलाधिकारी कक्ष में आयोजित की गई।

एसडीएम अतुल कुमार सिंह ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची से जुड़े बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 से 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग के नए मतदाताओं को जोडने की प्रक्रिया शुरू होगी। एसडीएम ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे। उन्होंने दल प्रतिनिधियों से अपील की कि जिन मतदाताओं की मैपिंग अब तक नहीं हो पाई है, उसे संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से शीघ्र पूरा कराया जाए। इसके अतिरिक्त, यदि मतदाता सूची में कहीं डुप्लीकेट या समान प्रविष्टियां दर्ज हैं, तो उन्हें भी समय रहते दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने कहा कि यदि किसी कारणवश कोई मतदाता सूची से छूट गया है, तो उसकी पहचान कर आवश्यक प्रक्रिया के तहत नाम दर्ज कराया जाए।

बैठक में तहसीलदार विक्रम सिंह चाहर ने भी मतदाता सूची के शुद्धीकरण और नए मतदाताओं को जोडने के संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं से चर्चा की और सहयोग का आग्रह किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी से शाहब खान, कांग्रेस से अनवर सादाब, बहुजन समाज पार्टी से धर्मेंद्र राणा सहित अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भीषण कोहरे से ट्रेनों व वाहनों की थमी रफ्तार

फर्रुखाबाद। जिले में लगातार चौथे दिन भी घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखे। वाहनों व ट्रेनों की रफ्तार काफ़ी धीमी रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में शहर की अपेक्षा दृश्यता काफ़ी कम दर्ज की गई। कोहरे के कारण इटावा-बरेली हाईवे, फर्रुखाबाद-दिल्ली मार्ग और फतेहगढ़-फर्रुखाबाद मार्ग पर वाहनों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। इससे यातायात पर असर पड़ा। बुधवार रात चली हवाओं के कारण ठंड में बढ़ोतरी हुई। रोडवेज बस स्टैंड पर रैन बसेरा के चौकीदार ने बताया कि लकड़ी कम डाली जा रही है। कोहरे के कारण सभी ट्रेनें देरी से चल रही हैं। कालिन्दी एक्सप्रेस 6 घंटा विलम्ब से फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पहुंची।

परेशानी

मरम्मत के कारण पुल पर वन-वे ट्रैफिक की है व्यवस्था

रामगंगा पुल पर लगा तीन किलोमीटर लंबा जाम

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

रामगंगा पुल पर जाम में फंसे वाहन। अमृत विचार

अमृत विचार। राजेपुर थाना क्षेत्र में रामगंगा पुल पर मरम्मत कार्य जारी है, जिसके चलते यातायात को सुचारू रखने के लिए पुलिस द्वारा वन-वे व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के कारण रामगंगा पुल से डबरी तक लगभग तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

जाम में फंसे वाहन चालकों को करीब तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा। वन-वे लागू होने के बाद से ही पुल पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिसकर्मी लगातार जाम खुलवाने और फंसे हुए वाहनों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है ताकि यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया जा सके। राजेपुर थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार ने बताया कि मरम्मत कार्य के कारण वन-वे चालू है, जिससे थोड़ी जाम की स्थिति बन रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिसकर्मी सक्रिय रूप से जाम को खुलवाने में लगे हुए हैं। पुल पर मरम्मत कार्य लगभग 20 दिनों तक चलेगा, और यह काम दिन-रात जारी है। इस अवधि के दौरान वन-वे व्यवस्था के कारण यातायात में व्यवधान और जाम की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

ट्रक की टक्कर से युवक घायल

फर्रुखाबाद। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार मोनिश (30) घायल हो गए। उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।

मोनिश शाहजहांपुर जिले के अल्लाहगंज कस्बे के निवासी हैं। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने बताया कि मोनिश को 108 एंबुलेंस की सहायता से लाया गया है। उनके पैर में फ्रैक्चर है और उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। घायल मोनिश के भाई राशिद ने बताया कि मोनिश फर्रुखाबाद आया हुआ था। वापस अल्लाहगंज लौटते समय अल्लाहगंज बाईपास पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रसूता ने फर्श पर जना बच्चा, शिशु की मौत

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल है। इसका ज्वलंत उदाहरण गुरुवार को राजेपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में देखने को मिला, जहां एक महिला ने फर्श पर शिशु को जन्म दिया। प्रसव के कुछ देर बाद ही शिशु की मौत हो गयी।

पीथनापुर गांव की निवासी सुमन वर्मा को गुरुवार को प्रसव के लिए राजेपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के स्टाफ नर्स ने उन्हें जांच के लिए लैब भेजा था। आरोप है कि इस दौरान सुमन के साथ कोई भी स्वास्थ्य कर्मी मौजूद नहीं था। लैब जाते समय सुमन को अचानक प्रसव पीड़ा बढ़ गई। असहनीय दर्द के कारण वह अस्पताल के फर्श पर ही लेट गईं और उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। तत्काल प्रसूता को बेड पर लाया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश कुछ ही देर बाद नवजात बच्ची की मौत हो गई।

सीएमओ अविनेद्र कुमार के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ. दीपक कटारिया ने राजेपुर सीएचसी का दौरा किया। डॉ. कटारिया ने इस दौरान स्टाफ नर्स के बयान भी दर्ज किए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आशा और दाई महिला को जांच के लिए लेकर गई थीं। डॉ. कटारिया ने बताया कि आशा और दाई महिला के साथ थीं और इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इटावा। थाना बढ़पुरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खेड़ा अजबसिंह में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। खेड़ा अजबसिंह निवासी सुधीर सिंह 36 वर्ष पुत्र युदनाथ सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर बढ़पुरा थाना पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदी पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। चौकी प्रभारी उदी रविंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मौत का कारण बीमारी प्रतीत हो रहा है।

घर से नाराज होकर गए किशोर को पुलिस ने बरामद किया

बकेवर। थाना क्षेत्र के ग्राम उझियानी से मोबाइल चलाने को लेकर मां की डांट से नाराज होकर घर से चले गए किशोर को पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाध्यक्ष बकेवर विपिन मलिक ने बताया कि बुधवार की शाम ग्राम उझियानी निवासी मेघसिंह का पुत्र नितिन उर्फ छोटू 13 वर्ष मोबाइल चला रहा था, जिस पर उसकी मां ने उसे डांट दिया। इसी बात से नाराज होकर नितिन घर से चला गया। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी बालक का कोई सुराग न मिलने पर बकेवर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज महेवा निर्मल कुमार सहित पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए रातभर होटल, ढाबों, पेट्रोल पंपों और आसपास के जंगलों में सघन तलाशी अभियान चलाया। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे हाईवे पर बालाजी ढाबा के पास फोटो दिखाकर बालक की पहचान की गई और उसे सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

बैठक 21 को

इटावा। महोत्सव एवं प्रदर्शनी में 28 दिसम्बर दिन रविवार को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मेलन को सफल एवं भव्यता पूर्वक आयोजित करने को लेकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों की बैठक 21 दिसम्बर दिन रविवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भवन पक्का तालाब चौराहा पर दोपहर 12 बजे होगी। कार्यक्रम संयोजक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित परिवार के प्रदेश महासचिव आकाशदीप जैन एवं सेनानी परिवार के जिलाध्यक्ष निर्मल चन्द्र गुप्ता ने बताया जनपद के सभी सेनानी परिजन जिलाधिकारी द्वारा निगर्त आश्रित प्रमाण पत्र अथवा जेल का सर्टिफिकेट आदि लेकर बैठक में उपस्थित होकर अपना नाम रजिस्टर में दर्ज करवा कर निमन्त्रण पत्र प्राप्त कर ले जिससे उन्हें सम्मेलन में आमंत्रित कर सम्मानित किया जा सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार घायल

जसवंतनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटखेड़ा गांव के पास दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग स्थित रेलवे फाटक के समीप बुधवार की देर शाम को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में आगरा जिले की बाह तहसील के गांव दनियापुर निवासी 18 वर्षीय सूरज पुत्र जगदीश और 21 वर्षीय फूलचंद पुत्र पदम सिंह घायल हुए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंत नगर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

कड़ाके की सर्दी से जनजीवन अस्त-व्यस्त

सूर्यदेव के नहीं हुए दर्शन, दिन में भी वाहनों की लाइट जलाकर निकले राहगीर, दिनभर आग तापते रहे लोग

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। दिसंबर का महीना आधा बीत रहा है और सर्दी ने भी सितम ने सितम ढाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को तो सर्दी के कारण सामान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। इसके चलते ज्यादातर लोग अपने घर या ऑफिस से बाहर ही नहीं निकले। जिन्हें जरूरी काम था, वही घर से बाहर निकले। पूरे दिन सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। ठंडी हवाएं दिन भर चलती रहीं। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा।

बुधवार की रात को घना कोहरा छा गया था। सुबह जब लोगों की आंख खुली तो चारों ओर धुंध छाई थी और कोहरा भी था। पहले यह लगा कि शायद 10 बजे तक धूप निकल आएगी, लेकिन पूरा दिन इंतजार करते रहे और सूर्य देव ने दर्शन नहीं दिए। रोशनी भी नही बढ़ी और ठंडी हवा चलती रही, जिससे सर्दी में और भी इजाफा हुआ। इसके चलते सड़क पर निकलने वाले लोग भी परेशान रहे, सिर से लेकर पैर तक शरीर को ढककर ही बाहर निकले। सड़क के किनारे कई स्थान पर दिन में भी लोग आग जलाकर बैठे रहे ताकि सर्दी से बचे रह सकें। कार्यालय में भी हीटर चलते रहे। अपने कामकाज से कचहरी आने वाले फरियादी भी कामकाज निपटाने के बाद वापस लौट गए क्योंकि सर्दी में कहीं बैठने की जगह नहीं थी।

इसी तरह सार्वजनिक स्थानों पर भी लोग सर्दी से परेशान रहे। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म पर बैठकर ट्रेनों का घंटों इंतजार करना पड़ा। यही स्थिति रोडवेज बस स्टैंड की रही। वहां भी बसों के इंतजार में सर्दी के बीच यात्री बैठे रहे। यहां शास्त्री चौराहे पर भी बसों को रोककर यात्रियों को बैठाते हैं इसके चलते चौराहे पर भी काफी संख्या में यात्री बसों का इंतजार करते देखे गए।

जबरदस्त कोहरे के बीच सुनसान पड़ी सड़क। अमृत विचार

सुबह से परेशान हुए छात्र-छात्राएं

■ **इटावा।** ज्यादातर स्कूलों के खुलने का समय सुबह 9 बजे है ऐसे में बच्चों को 8 बजे घर से निकलना पड़ता है। इसी कारण सुबह 8 बजे के आसपास कई स्थानों पर सड़क के किनारे खड़े होकर छात्र छात्राएं अपने स्कूल वाहन का इंतजार कर रहे थे। उस समय धुंध छाई थी और ठंडी हवा भी चल रही थी, लेकिन छात्रों को स्कूल पहुंचने के लिए इसी माहौल में सर्दी के बीच खडे होकर अपने स्कूल वाहन का इंतजार करना पड़ा।

स्कूल का समय बदलने की मांग

■ **इटावा।** अंतर्जनपदीय शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष संजीव यादव ने स्कूलों का समय बदले जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर इस भीषण ठंड में बच्चों को आना जाना पड़ेगा तो बच्चे बीमार हो सकते हैं।

जन चौपाल लगाकर होगा समस्याओं का निस्तारण

संवाददाता महेवा इटावा

- **सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन चला गांव की ओर 19 से 25 दिसंबर तक**

अमृत विचार। विकास खंड क्षेत्र महेवा की सभी 91 ग्राम पंचायतों में 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह प्रशासन चला गांव की ओर कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान सभी ग्राम पंचायतों में रोस्टर वार बैठकों की तिथियां घोषित कर दी गई है। आयोजित जन चौपालों में गांव की समस्याओं का गांव में ही समाधान किया जाएगा। ताकि ग्रामीणों को परेशान न होना पड़े और उन्हें गांव में ही सहायता मिल सके।

सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्र पाल सिंह भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को मिनी सचिवालयों पर शिकायतें सुनी जाएंगी तथा उनका निराकरण किया जाएगा। पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना एवं समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है। उक्त चौपालों में विशेष रूप से आयुष्मान भारत योजना, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना, शौचालय आदि सहित ग्राम विकास की योजनाओं पर भी चर्चा होगी।

एडीओ पंचायत श्री भदौरिया ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वह निर्धारित तिथियों में चौपाल में पहुंचकर समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। वहीं ग्राम सचिवों से अपने अपने गांव की निर्धारित तिथि के अनुसार प्रचार प्रसार कराने का निर्देश दिया है।

विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर दक्षता हासिल करें : निधि सिंह

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर शहर के शिक्षण संस्थान मदरसा अरबिया कुरानिया में क्राफ्ट, लैंग्वेज एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि सिंह ने फीता काटकर किया।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि सिंह ने कहा कि वर्तमान युग विज्ञान, तकनीक और भाषाओं का युग है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे विज्ञान तथा विभिन्न भाषाओं का ज्ञान प्राप्त कर दक्षता हासिल करें। जब विद्यार्थी अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाते हैं तभी वे अपने अधिकारों को सही अर्थों में प्राप्त कर पाते हैं। प्रदर्शनी में छात्रों ने विज्ञान से जुड़े विभिन्न मॉडल, हस्तकला की आकर्षक कलाकृतिया तथा अरबी, उर्दू, हिंदी और अंग्रेज़ी भाषाओं से संबंधित शैक्षिक चार्ट एवं प्रस्तुतियां प्रदर्शित की। विद्यार्थियों ने कुरान और विज्ञान के आपसी संबंध, पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक वैज्ञानिक सिद्धांतों और भाषाओं की उपयोगिता को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया। प्रधानाचार्य मौलाना तारिक शम्सी ने कहा कि मदरसा अरबिया कुरानिया का उद्देश्य केवल किताबी या पारंपरिक शिक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास और उनके व्यक्तित्व का निर्माण करना है। डॉक्टर मुफ्ती मेराज अहमद ने कहा कि कुरान और विज्ञान में कोई विरोध नहीं, बल्कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। ऐसी प्रदर्शनिया छात्रों को शोधपरक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। मौलाना मोहम्मद याह्या कासमी नदवी ने भी विचार रखे।

कार्यक्रम में उपस्थित अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि सिंह व अन्य।

- **मदरसा अरबिया कुरानिया में क्राफ्ट व विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन**

ट्रेन से कटकर महिला की मौत व ट्रेन से गिरकर यात्री घायल

इटावा। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत अलग अलग स्थानों पर एक महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई वहीं एक यात्री ट्रेन से गिरकर घायल हो गया। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत गांधी नगर निवासी राम जानकी 52 वर्ष पत्नी लल्ला सिंह की गांधी नगर के पास पटरी पार करते समय किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर थाना फ्रेंड्स कालोनी पुलिस मौके पर पहुंची और महिला का रेलवे ट्रैक से उठाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। थाना फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र के अंतर्गत सुंदरपुर के समीप किसी ट्रेन से गिरकर राजू पुत्र शिव कुमार निवासी झींझक थाना मंगलपुर कानपुर देहात गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर थाना फ्रेंड्स कालोनी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया।

राष्ट्रगीत गायन में इकरा व निबंध में शिवांगी विजेता

कार्यालय, संवाददाता इटावा

- **निबंध लेखन एवं राष्ट्रगीत गायन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन**

अमृत विचार। केके. महाविद्यालय इटावा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा एक दिवसीय निबंध लेखन एवं राष्ट्रगीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध का विषय "स्वतंत्रता का मंत्र : वंदे मातरम" रखा गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में एन.एस. एस. के लगभग 40 प्रतिभागियों ने तथा राष्ट्रगीत गायन प्रतियोगिता में लगभग 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) महेन्द्र सिंह ने सभी स्वयंसेवकों तथा स्वयं सेविकाओं को अपने आशीर्वचन प्रदान करते हुए एनएसएस. को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित युवाओं को तैयार करने की पौधशाला कहा। मुख्य नियंता प्रो. एसएस. यादव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. जीएस. गुप्ता ने एनएसएस. को राष्ट्र सेवा का आधार स्तम्भ बताया। प्रतियोगिता का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजीत कुमार दीक्षित ने किया जिसमें डॉ. नमिता पाण्डेय तथा डॉ. मिथलेश सिंह का सक्रिय सहयोग रहा।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवांशी यादव -बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय स्थान मौ. उबैस क़ादरी -बी.ए. पंचम सेमेस्टर तथा तृतीय स्थान ख़ुशी-बी.ए. तृतीय सेमेस्टर ने प्राप्त किया। राष्ट्रगीत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान इकरा बानो-बी.ए. तृतीय सेमेस्टर,द्वितीय स्थान मोनिका तिवारी-बी.ए. तृतीय सेमेस्टर तथा तृतीय स्थान कशमा बी.ए.-तृतीय सेमेस्टर ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों का सक्रिय सहयोग रहा।

अन्ना जानवर की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

बकेवर। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत हाईवे पर औरैया से तेरहवीं से निमंत्रण खाकर लखना मोटरसाइकिल से आते समय सुनवर्सा ओवरब्रिज के पास अन्ना जानवर की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे लखना में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार कराया गया, युवक की हालत में सुधार है। दुर्घटना के सम्बन्ध में लखना के इंदिरा कालोनी निवासी धर्मेन्द्र शर्मा उर्फ ललुआ पुत्र सत्यभान शर्मा ने बताया कि वह औरैया से तेरहवीं का निमंत्रण खाकर वापस मोटरसाइकिल से लखना आ रहा था कि तभी हाईवे पर सुनवर्सा ओवरब्रिज के निकट अचानक अन्ना जानवर के अचानक सड़क पर आने से उसकी बाइक भिड़ गई, जिससे उसके सिर में गम्भीर चोटें आई। सूचना पर लखना से पहुंचे लोगों नेउसका उपचार कराया।

किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में गई जान

संवाददाता इकदिल इटावा

- **थाना क्षेत्र के ग्राम नगला बर का मामला**
- **अस्पताल लेकर पहुंचने पर डॉक्टर ने मृत घोषित किया**

अमृत विचार। थाना क्षेत्र ग्राम नगला बर में बुधवार की देर शाम एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजन उपचार के लिए निजी अस्पताल मे ले गये, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के भाई द्वारा पुलिस को दी सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा भर उसे पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

सहदेव यादव की पुत्री खुशबु यादव (17) निवासी ग्राम जरोली खुर्द थाना टूंडला जनपद फिरोजाबाद से इकदिल थाना क्षेत्र नगला बर अपनी बड़ी बहन विनीता देवी पत्नी नरेंद्र कुमार के घर करीब आठ दिन से रह रही थी। मृतका के भाई सोनू द्वारा बताया कि दिन बुधवार की शाम करीब पांच बजे बहन का फोन आया की खुशबु को उल्टियां हो रही हैं और वह संदिग्ध परिस्थितियों में तड़प रही है। स्वजन की नजर पड़ी तो उपचार के लिए निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर द्वारा मृत घोषित किया गया। मृतका के भाई द्वारा पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही हल्का इंचार्ज एस आई नियाज अहमद घटना स्थल पर पहुँचे और शव का पंचनामा भर मौत कारण स्पष्ट करने के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेजा। थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिती साफ हो सकेगी।

महिला आयोग की सदस्य ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। राज्य महिला आयोग की सदस्य /दर्जा राज्य प्राप्त मंत्री पूनम द्विवेदी ने जनपद के दो दिवसीय भ्रमण के दौरान दूसरे दिन वन स्टॉप सेंटर एवं कस्तूरबा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया तथा उचित दिशा निर्देश दिए।

राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी लक्ष्मीकांत त्रिपाठी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार के साथ पहुंचकर गुरुवार की सुबह वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया जहां उचित रूप में साफ सफाई न मिलने पर नाराजगी व्यक्त की और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने बीएसए इटावा डॉ राजेश कुमार के साथ जाकर जिला

कस्तूरबा विद्यालय में निरीक्षण के बाद बीएसए व स्टाफ के साथ पूनम द्विवेदी।

- **वन स्टॉप सेंटर पर सफाई न मिलने पर जताई नाराजगी**

मुख्यालय स्थित कस्तूरबा विद्यालय का निरीक्षण किया तथा छात्राओं से वार्ता की उन्होंने पढ़ाई व्यवस्था, खान पान, रहने की व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी की तथा संतोष प्रकट किया। विद्यालय की वार्डन सहित अन्य स्टाफ को शिक्षा की गुणवत्ता, सुरक्षा आदि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला बाल कल्याण अधिकारी सोहन गुप्ता, अजीत दुबे, प्रभारी वंदना भदौरिया आदि मौजूद रहीं। पूनम द्विवेदी ने अधीनस्थों को आगामी माह के निरीक्षण तक सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिये।

व्यापारियों से साप्ताहिक बंदी के मांगे प्रस्ताव

कार्यालय, संवाददाता इटावा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ एके शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष ओम रतन कश्यप, जिला वरिष्ठ महामंत्री हरि गोपाल शुक्ला ने बैठक को संबोधित करते हुए शासन के निर्देशानुसार जिलाधिकारी द्वारा उ.प्र. दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम के अन्तर्गत जनपद स्थित नगर पालिका इटावा, भरथना, जसवंतनगर तथा टाउन एरिया इकदिल, लखना, बकेवर एवं नोटिफाइड एरिया बसरेहर, महेवा की समस्त दुकानों एवं वाणिज्य अधिष्ठानों हेतु साप्ताहिक बन्दी दिवस निर्धारित की जानी है।

उन्होंने जनपद के समस्त व्यापारिक संगठनों से अपील की है कि व्यापारी संगठन अपने अपने क्षेत्र की साप्ताहिक बन्दी के दिवस में परिवर्तन चाहते है तो अपना प्रत्यावेदन कार्यालय सहायक श्रमायुक्त में एक सप्ताह के अन्दर प्रस्तुत करें अन्यथा पूर्व की भांति साप्ताहिक बन्दी दिवस घोषित करने की कार्यवाही की जायेगी। उपरोक्त साप्ताहिक बंदी दिवस में किसी भी प्रकार का कोई सुझाव हो तो वह अभिलंब उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल को लिखित रूप से भेजें जिससे इस पर उचित कार्रवाई कराई जा सके। बैठक में युवा जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष राजीव पाल, जिला उपाध्यक्ष शरद बाजपेई, उद्योग मंच के जिला अध्यक्ष मेजर पांडे, जिला संगठन मंत्री अवधेश दुबे, नगर महामंत्री विवेक गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष हरेंद्र भदौरिया आदि रहे।

आक्रोश पुलिस ने सभी को कोतवाली में बैठाया, कांग्रेसियों ने की सरकार विरोधी नारेबाजी

भाजपा कार्यालय घेरने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने पार्टी कार्यालय के बाहर ही रोक लिया और कोतवाली में ले जाकर बैठा दिया। दोपहर बाद इन नेताओं को कोतवाली से जाने दिया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की और सरकार पर तानाशाही का आरोप भी लगाया।

कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार को ईडी के माध्यम से परेशान किए जाने का आरोप लगाया। अब कोर्ट से गांधी परिवार को मिली राहत के बाद कांग्रेस ने बुधवार को भाजपा कार्यालय के घेराव का ऐलान किया था। इसे लेकर पार्टी के नेता व कार्यकर्ता सुबह करीब 10 बजे से नगर पालिका की छत पर स्थित पार्टी कार्यालय पर पहुंचने लगे थे, लेकिन वहां पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। सारे कांग्रेसी नेता सरकार विरोधी नारे लगाते हुए भाजपा दफ्तर की ओर निकले तो पुलिस ने पालिका चौराहा पर ही सभी को रोक लिया और कोतवाली ले गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मलखान सिंह यादव, पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे, पीसीसी सदस्य कमल सिंह कुशवाहा, प्रवक्ता वाचस्पति द्विवेदी, प्रेरणा जुबेरी, अंबुज त्रिपाठी, अनूप परमार, सरवर अली, विष्णुकांत मिश्रा, नरेंद्र यादव, सचिन संखवार, सोहेल बारसी, गुलशन यादव और अंसार अहमद को पालिका चौराहे पर रोककर कोतवाली में ले जाकर बैठाया गया। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि वे सरकार की तानाशाही के विरोध में भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें नहीं जाने दिया।

जिलाध्यक्ष सहित कई नेता घरों पर ही रोके गए : कांग्रेस की ओर से बुधवार को ही गुरुवार को भाजपा कार्यालय के घेराव करने का ऐलान किया गया था। इसके बाद से ही पुलिस सक्रिय हो गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य प्रशांत तिवारी और शहर अध्यक्ष मोहम्मद राशिद के आवास पर पुलिस पहुंच गई और उन्हें उनके घरों पर ही रोक दिया। इसके चलते यह नेता कांग्रेस कार्यालय नहीं पहुंच सके। कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित को कस्बा महेवा स्थित उनके आवास पर ही रोक दिया गया। पीसीसी सदस्य प्रशांत तिवारी ने बताया कि पहले बुधवार की रात में पुलिस उनके आवास पर गई थी और फिर गुरुवार को सुबह भी पुलिस पहुंच गई और उन्हें कांग्रेस कार्यालय नहीं जाने दिया गया। पुलिस लगातार उनके आवास पर बनी रही जिसके कारण वे अपने आवास से बाहर नहीं निकल पाए।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते कांग्रेसी व मौजूद पुलिसबल।

इंश्योरेंस इम्पलाइज एसोसिएशन ने एलआईसी पर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। भारतीय जीवन बीमा निगम के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन आल इंडिया इंश्योरेंस इम्पलाइज एसोसिएशन के आवाह्न पर आगरा डिवीज़न इंश्योरेंस इम्पलाइज एसोसिएशन की इटावा इकाई द्वारा विरोध प्रदर्शन कर जमकर नारे बाजी की गई।

केंद्र सरकार की बीमा, बैंक एवं सभी सार्वजानिक उपक्रम विरोधी नीतियों, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई तथा भारत के बीमा धारकों की मेहनत से कमाई गयी संपत्ति को विदेशी कंपनियों को सौंपने के कुटिल प्रयासों के विरोध में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन को बीमा व बैंकिंग क्षेत्र के नौ कर्मचारी एवं अधिकारी संगठनों ने संयुक्त भागीदारी के साथ अपना पूर्ण समर्थन दिया तथा केंद्र सरकार के द्वारा बीमा क्षेत्र को विदेशी हाथों में सौंपने के प्रयासों की भरपूर निंदा की।

प्रदर्शन में वरिष्ठ कर्मचारी नेता का. हरिसेवक सिंह चौहान, शाखा सचिव का. मनोज निगम, शाखा अध्यक्ष का.शिव प्रताप, का.अमित मिश्रा, का.मनोज यादव, अतुल दुबे, प्रवेश त्रिपाठी, का. अनिल दीक्षित, इंदु भदौरिया, किरण कुमारी, मनीषा तिवारी, आरती अग्रवाल, मानसी कुमारी, संजना सिंह, नम्रता शर्मा, अंकित कुमार, अवनीश कुमार, आशुतोष पाण्डेय, रामवीर, अरविन्द, रोहित वर्मा आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शन करते इंश्योरेंस इम्पलाइज एसोसिएशन के लोग। अमृत विचार

- **बीमा क्षेत्र को विदेशी हाथों में सौंपने का कर रहे विरोध**

न्यूज ब्रीफ

ट्रेनों के ठहराव को भाकियू ने दिया ज्ञापन

अछल्दा (औरैया)। भारतीय किसान मजदूर यूनियन अराजनैतिक भारत के पदाधिकारियों ने दिल्ली स्थित रेलवे बोर्ड में केंद्रीय रेलमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। मांग की गई कि कोरोना काल के दौरान बंद की गई ट्रेनों का ठहराव स्टेशन पर पुन: बहाल किया जाए। मांग में विशेष रूप से सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस, कानपुर-अलीगढ़ सुपरफास्ट मेमू और संगम एक्सप्रेस का ठहराव बहाल करने की बात कही गई। ज्ञापन में कहा गया कि एक्सप्रेस ट्रेनों के अभाव में छात्रों, मरीजों, व्यापारियों और नौकरी पेशा दैनिक लोगों को आवागमन बंद होने से आमजन को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है। पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सूरज भान बाथम, बलवंत सिंह जिलाध्यक्ष, सुनीता शर्मा महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष, गुड्डू शाक्य, बीरेंद्र शर्मा तहसील अध्यक्ष आदि ने रेलवे बोर्ड दिल्ली पहुंचकर ज्ञापन दिया।

विजेता खिलाड़ियों को दिया गया प्रमाण पत्र

औरैया। शासन के निर्देशानुसार जिलाधिकारी डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशन में युवा कल्याण विभाग औरैया द्वारा दो दिवसीय माननीय विधायक खेल स्पर्धा का समापन दिनांक 18 दिसम्बर को जिला खेल स्टेडियम बढ़ीन में किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन कुस्ती की प्रतियोगिता हुई जिसमें बालक वर्ग में मयंक, अनुज 48 किलो, अंशुल 51 किलो में गुलशन, अवनीश और बालिका वर्ग में आयुषी अनन्या, प्रिया, रागिनी विजेता रहीं। विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार आदि प्रदान किया गया एवं निर्णायकों को मानदेय स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका धन्यवाद किया गया।

फफूंद में बंदर पकड़ो अभियान शुरू

फफूंद (औरैया)। कस्बे में बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान नागरिकों को राहत देने के लिए नगर पंचायत ने बंदर पकड़ो अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन थाना परिसर व आसपास के इलाकों से 55 बंदरों को पकड़ा गया। कस्बे में छह माह के अंदर बंदरों के हमलों में 20 से अधिक लोग घायल हो चुके थे, जिससे लोगों में दहशत का माहौल था। रात में बंदर सड़कों पर डेरा जमाए रहते थे जिससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। कस्बे के मुख्य बाजार, पक्का तालाब, थाना परिसर व अन्य व्यस्त क्षेत्रों में बंदरों के झुंड का जमावड़ा रहता था। गुरुवार को मथुरा से आई टीम ने बंदरों को पकड़ने का अभियान शुरू किया। टीम ने 55 बंदरों को पकड़ा।

दबंगों ने घर जा रहे युवक को घेरकर मारी गोली, हालत गंभीर

पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया है, पूछताछ की जा रही है

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव बैसौली में बुधवार देर रात 10 बजे एक युवक को गोली मार दी गई। युवक अपने परिचित के घर सब्जी देकर लौट रहा था। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे रेफर कर दिया। पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

जांच पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

पुलिस के अनुसार, दुहल्ला निवासी अवधेश चौहान का पुत्र शिवम उर्फ मनु चौहान बैसौली में अपने परिचित के घर से सब्जी देकर लौट रहा था। रात करीब साढ़े नौ बजे गांव के अंदर रास्ते में चार युवकों ने उसकी बाइक रोक ली। आरोप है कि युवकों ने शिवम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। जब शिवम वहां से भागने लगा, तो आरोपियों ने उस पर पीछे से गोली चला दी। गोली शिवम की बांह में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर अछल्दा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शिवम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

थाना प्रभारी पंकज मिश्रा ने बताया कि घायल की स्थिति की विस्तृत पुष्टि चिकित्सकीय जांच के बाद ही हो सकेगी कि उसे गोली लगी है या कोई अन्य चोट है। वहीं, सीओ बिधूना मनोज कुमार गंगवार ने पुष्टि की कि युवक को गोली लगी है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीओ बिधूना मनोज कुमार गंगवार ने मौके पर पहुंचकर जानकारी कर घायल युवक से पूछताछ की। थानाध्यक्ष पंकज मिश्रा ने चार आरोपियों में सौरभ, हर्षित, अमन, विकास को हिरासत में लिया, उनसे पूछताछ की जा रही है।

प्रधानमंत्री ग्राम योजना में चयनित कार्य योजना को करें प्रस्तुत

कार्यालय संवाददाता, औरैया

बैठक के दौरान निर्देश देते डीएम डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

अमृत विचार। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत जनपद के चयनित लगभग डेढ़ सैकड़ा राजस्व ग्रामों की कार्य योजना के संबंध में कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में बैठक आयोजित की गई। कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम योजना में चयनित कार्य योजना को प्रस्तुत करें।

जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने संबंधित ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर राजस्व ग्रामों में पेयजल अपशिष्ट प्रबंधन, आंगनबाड़ी व स्कूलों की मरम्मत के साथ-साथ निर्माण आदि को समाहित करते हुए कार्य योजना को बनाया जाए। कार्य योजना बनाते समय यह भी ध्यान रखा जाए कि संबंधित राजस्व ग्राम की प्रमुख समस्या व मूलभूत सुविधाओं को वरीयता दी जाए और यदि कहीं आवश्यकता है तो सोलर लाइट आदि को भी सम्मिलित किया जाए। उन्होंने यह निर्देश दिए कि उक्त कार्य योजना का अनुमोदन ग्राम स्तरीय समिति के अनुमोदन के पश्चात एक सप्ताह के अंदर जिला पंचायत राज कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाए।

जिलाधिकारी ने जनपद के ग्राम स्तर पर कराए गए विकास कार्यों में व्यय धनराशि की उपयोगिता निर्धारण के संबंध में जिला स्तरीय सोशल ऑडिट समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तरों के संबंध में निर्देश दिए कि जिन ग्रामों के प्रस्तरो में असंतोष जनक/ ऑब्जेक्शन ऑडिट टीम द्वारा लगाए गए उन टिप्पणियों के आधार पर आवश्यक प्रपत्र कल तक उपलब्ध कराते हुए प्रस्तरों का ऑडिट पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी ग्राम सचिवों को निर्देश दिए कि 5वें व 15वें वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि का ग्राम स्तर पर संचालित विकास कार्यों के प्रगति के सापेक्ष व्यय करना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, जिला विकास अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी औरैया मौजूद रहे।

शीत लहर के चलते नगर पंचायत ने जलवाये अलाव

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। कस्बे में बढ़ती शीत लहर और घने कोहरे के मद्देनजर नगर पंचायत फफूंद ने अमृत विचार की खबर को संज्ञान में लेकर ठंड से बचाव के व्यापक इंतजाम किए। नगर पंचायत अध्यक्ष अनवर कुरेशी के निर्देश पर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों और चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है।

अध्यक्ष ने बताया कि नगर क्षेत्र के बस स्टैंड, मुख्य बाजार, अछल्दा चौराहा, ख्याली दास आश्रम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, भराव मोहल्ला, चमनगंज पर अलाव जलाए गए। इन व्यवस्थाओं का मुख्य उद्देश्य राहगीरों, मजदूरों, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों को कड़ाके की ठंड से बचाना है। मौसम विभाग द्वारा जारी शीत लहर और कोहरे की चेतावनी को देखते हुए नगर पंचायत पूरी तरह सतर्क है। आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना के मद्देनजर नगर के सभी वार्डों में भी चरणबद्ध तरीके से अलाव की व्यवस्था लागू की जाएगी। नगर पंचायत की इस पहल से स्थानीय नागरिकों ने संतुष्टि व्यक्त की है। ये इंतजाम ठंड से बचाव में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

नगर पंचायत प्रशासन की ओर से जलवाए गए अलाव। अमृत विचार

निचली गंग नहर पर बनेगा नया पुल, सर्वे व नाप-जोख शुरू

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। कस्बे में निचली गंग नहर पर अंग्रेजों के जमाने का बना पुराना पुल अब पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच चुका है। पुल की खराब स्थिति को देखते हुए पूर्व में जिलाधिकारी के आदेश पर लोक निर्माण विभाग ने इस पर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया था। सुरक्षा के मद्देनज़र पुल पर हाइट गेट लगाकर प्रतिबंध भी लागू किया गया था।

गुरुवार को निचली गंग नहर पुल पर नए पुल के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। लोक निर्माण विभाग की टीम ने अछल्दा–बिधूना मार्ग एवं नहर मार्ग पर मशीनों की मदद से लेबल चेक करते हुए सर्वे का कार्य शुरू किया। इस दौरान पुल के प्रस्तावित स्थल पर नाप-जोख की गई और तकनीकी बिंदुओं का परीक्षण किया गया। पीडब्ल्यूडी के जेई प्रमोद प्रकाश ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन से नए पुल के निर्माण की मंजूरी मिल चुकी है। लगभग 3 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से यह नया पुल बनाया जाएगा। प्रस्तावित पुल पुराने पुल के बगल में पूर्व दिशा की ओर निर्मित किया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। उन्होंने बताया कि फिलहाल मैप के आधार पर विस्तृत नाप-जोख और सर्वे का कार्य किया जा रहा है। निचली गंग नहर में अप्रैल–मई माह के दौरान पानी सूखने के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। सर्वे पूरा होते ही तकनीकी रिपोर्ट तैयार कर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि नया पुल बनने से अछल्दा–बिधूना मार्ग पर आवागमन आसान होगा और जर्जर पुल से होने वाले हादसों का खतरा भी खत्म होगा।

पुल का सर्वे करते अधिकारी। अमृत विचार

युवक को बंधक बनाकर पीटा, जूतों की माला पहनाई

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

- एक्स पर शिकायत हुई, वीडियो वायरल
- नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज, पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में एक युवक को बंधक बनाकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट करने, गाली-गलौज करने और जूतों की माला पहनाने का वीडियो एक्स पर ट्वीट होने के साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

जानकारी के अनुसार हरिश्चंद्र पुत्र स्व. उजियारे लाल, निवासी ग्राम तैयापुर, थाना भरथना, जिला इटावा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पुत्र उपेन्द्र सिंह उर्फ राजा का प्रेम विवाह 29 नवंबर 2025 को कल्पना पुत्री रामबाबू निवासी बोझा सरावा, थाना भरथना, जिला इटावा के साथ हुआ था। विवाह के बाद कल्पना अपने ननिहाल ग्राम रामपुर कुंवर, थाना फफूंद, जिला औरैया में अपने नाना के यहां गई हुई थी।

आरोप है कि इसी दौरान उपेन्द्र सिंह को बहू के ननिहाल पक्ष के लोगों ने बुलाया और ग्राम तैयापुर के कुछ लोगों के साथ मिलकर एकराय होकर उसे बंधक बना लिया। पीड़ित ने राजाराम और आलोक बाबू को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर के मुताबिक 5 दिसंबर 2025 को दोपहर 2 से 4 बजे के बीच आरोपियों ने उपेन्द्र सिंह के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। उसे पेड़ से बांध दिया और जूते-चप्पल की माला पहनाकर वीडियो बनाया। बाद में उक्त वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर युवक की सामाजिक छवि धूमिल करने का आरोप है। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित युवक मानसिक तनाव में आ गया। आरोपियों द्वारा रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देने की बात भी तहरीर में कही गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतों को गंभीरता से लें अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- जिलाधिकारी ने जूम मीटिंग के माध्यम से कार्यों की समीक्षा की और कई निर्देश दिए

अमृत विचार। जिलाधिकारी ने जूम मीटिंग के माध्यम से कार्यों की समीक्षा करते हुए जनपद व तहसील स्तर पर तैनात अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिसका आईजीआरएस व सीएम हेल्पलाइन के संदर्भों के निस्तारण में संतुष्टि प्रतिशत 70 से कम है वह अपने-अपने कार्य की स्वयं समीक्षा कर 22 दिसम्बर तक 70 प्रतिशत तक पहुंचाना करें।

उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए संबंधित पक्षों को संतुष्ट करें जिससे उनको समस्याओं से निजात मिले और वह अपनी समस्या के लिए बार-बार परेशान न हो। जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अल्पसंख्यक वर्ग के अवशेष विद्यार्थियों का विवरण विद्यालयों से प्राप्त नहीं हुआ है। उनका विवरण विभागीय अधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक से समन्वय बनाकर विद्यालयों में संपर्क कर विवरण प्राप्त करें और यदि किसी विद्यालय द्वारा विवरण उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है तो जांच आदि करते हुए संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड योजना अंतर्गत बनाए जाने वाले कार्डों के कार्य की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि कार्डों के संबंध में पात्रों के चयन/ विवरण प्राप्त करने के साथ-साथ पंजीकरण आदि की कार्यवाही किए जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत सहायकों व बीसी सखी का सहयोग प्राप्त करते हुए आयुष्मान कार्ड से वंचित पात्रों का विवरण प्राप्त करते हुए उन्हें योजना से आच्छादित करें। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने एआर कोऑपरेटिव को निर्देशित किया कि कृषकों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए साथ ही ऐसी सहकारी समितियों की सूची उपलब्ध कराएं जहां वितरण हेतु 25 एमटी से कम अथवा उर्वरक की उपलब्धता शून्य है। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं को निर्धारित मात्रा के अनुरूप उर्वरक प्राप्त हो इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायें।

भूमि विवाद व कब्जों को निस्तारित कराएं

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने मिशन समाधान के तहत सरकारी भूमि, चकरोड तथा तालाब, आवासीय पट्टों सहित अन्य सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा एवं आपसी विवादों को निस्तारित कराने के लिए टीम गठित की।

तहसीलवार गठित राजस्व व पुलिस की टीमों द्वारा लगातार की जा रही कार्यवाहियों के तहत ग्राम पंचायत सबलपुर के मजरा पुर्वा समई में पहुंचकर संबंधितों को निर्देशित किया कि कब्जा मुक्ति व आपसी मामलों के निस्तारण को नियमानुसार एवं निष्पक्षता के साथ करते हुए स्थाई समाधान सुनिश्चित करें, जिससे पुनः अवैध कब्जा/ विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के संबंध में की जाने वाली कार्यवाही की फोटो या वीडियोग्राफी भी कराएं। यदि निस्तारण के उपरांत किसी के द्वारा कोई विवाद पैदा किया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित करें।

अवैध कब्जा को हटवाती टीम।

महिला कानून के बारे में किया गया जागरूक

औरैया। 'मिशन शक्ति 5.0'' 90 दिवसीय विशेष कार्यक्रम के अनुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में सदर तहसील सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लालता प्रसाद, ग्रुप लीडर सेवा प्राधिकरण द्वारा महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में बताया गया, रवि कुमार द्वारा पॉक्सो एक्ट के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

राम किशोर स्मारक
जदुवंशपुर MV अजीतमल औरैया उ0प्र0

आवश्यकता है

रामकिशोर स्मारक जदुवंशपुर अजीतमल औरैया AU 60 में पठन पाठन वर्ष हेतु सहायक आचार्य पद हेतु इतिहास, भूगोल, हिन्दी, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, अंग्रेजी साहित्य व रसायनिक विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, विषयों में यूजीसी (मानकनुसार) में इच्छुक अभ्यर्थी 20.12.2025 तक कालेज कार्यालय में आकर आवेदन कर सकते हैं।

प्रबंधक - गौरव सिंह परिहार
राम किशोर स्मारक
जदुवंशपुर MV अजीतमल औरैया उ0प्र0
मो0: 6068190812,7017530766

आयोजन | जिलाधिकारी ने श्री सुंदर सिंह इंटर कॉलेज रामगढ़ में 2 दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

खेलकूद से होता है शारीरिक और मानसिक विकास : डीएम

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। खेलकूद व्यक्ति को मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए विद्यालयों में शिक्षा के अतिरिक्त अन्य गतिविधियां यथा खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि आयोजित किए जाते हैं।

जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने श्री सुंदर सिंह इंटर कॉलेज रामगढ़ में आयोजित 2 दिवसीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल प्रतियोगिता एक प्रतिस्पर्धा है जिसमें एक प्रतिभागी शीर्षस्थ स्थान प्राप्त करता है तथा अन्य उसके पीछे होते हैं। इसका यह अभिप्राय नहीं है कि शीर्षस्थ प्रतिभागी के अतिरिक्त अन्य प्रतिभागी योग्य नहीं है बल्कि सभी प्रतिभागी जो प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करते हैं वह सभी योग्य होते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो प्रतिभागी प्रथम स्थान पर आता है उसके लिए प्रथम स्थान पर बने रहने की चुनौती होती है और अन्य प्रतिभागियों के पास अवसर होता है कि वह अपनी प्रतिभा में कुशलता लाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा में किसी भी प्रकार की द्वेषभावना का कोई भी स्थान नहीं होता है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न योग मुद्राओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि योग से न केवल हमारा शरीर स्वस्थ होता है बल्कि स्वस्थ शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य व एकाग्रता भी प्राप्त करता है। जिलाधिकारी ने श्री सुंदर सिंह इंटर कॉलेज रामगढ़ में आयोजित 2 दिवसीय 28वीं बाल क्रीडा प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया। जिलाधिकारी द्वारा छात्र-छात्राओं की मार्चिंग परेड की सलामी लेने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न योग मुद्राएं यथा- अर्धचक्रासन, मक्रासन आदि योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया गया साथ ही दौड़ आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार, प्रधानाचार्य, वि सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभाग करते खिलाड़ी। अमृत विचार

कार्यालय नगर पंचायत, कमालगंज जनपद–फर्रूखाबाद।

संख्या: 414/न0पं0क0/2025–26/अ0सं0ह0/कमालगंज दि0 17.12.2025

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकों ने कर निर्धारण पंजिका में नामान्तरण के सम्बन्ध में आवेदन किया है। नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत सभी सम्बन्धित को नोटिस निर्गत किये जा चुके है। नामान्तरण पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के 30 दिन के अन्दर प्रमाणित साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में उक्त नामान्तरण कार्यवाही पूर्ण कर दी जायेगी। वाद मियाद किसी को भी आपत्ति दर्ज कराने का हक न होगा।

क्र0 सं0	भ0दु0प्लाट संख्या/ मोहल्ले का नाम	वर्तमान में अंकित नाम/ विक्रेता का नाम	नाम दर्ज होने वाले आवेदक का नाम	प्रस्तुत साक्ष्य
1	प्लाट–नवीन/मो0 शास्त्री नगर–द्वितीय, कमालगंज।	श्रीमती तनवीर पत्नी श्री इजहार अहमद	श्रीमती सलमा पत्नी श्री मुफीद अहमद	रजिस्टर्ड बैनामा
2	गृह सं0–150/मो0 किदवई नगर, कमालगंज।	श्री पन्नालाल पुत्र श्री भजनलाल	श्री संदीप पुत्र श्री वीरेन्द्र	वसीयतनामा
3	दुकान सं0–137, म0सं0 138/1/3 मो0 अशोक नगर कमालगंज।	श्रीमती रामबेटी पत्नी स्व0 रामकृष्ण व रोहिताश कुमार वर्मा व स्वराजवीर व उदयराजवीर पुत्रगण स्व0 रामकृष्ण	श्रीमती नीलम पत्नी मुकेश कुमार व मुकेश कुमार पुत्र श्री महेश चन्द्र एव केशव गुप्ता पुत्र श्री मुकेश कुमार	रजिस्टर्ड बैनामा
4	गृह सं0–282/मो0 गाँधी नगर, कमालगंज।	श्री बाबूराम वर्मा उर्फ बाबूराम पुत्र मंगली प्रसाद	श्री रामवीर पुत्र रामविलास व दीपू नाबा0, व नितेश नाबा0 पुत्रगण संरक्षक हकीकी पिता रामविलास पुत्र बाबूराम वर्मा उर्फ बाबूराम	रजिस्टर्ड बैनामा
5	प्लाट नवीन/मो0 शास्त्री नगर–द्वितीय, कमालगंज।	श्री निवेन्द्रवान पुत्र श्री रामस्वरूप	श्रीमती रामबेटी पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद	रजिस्टर्ड बैनामा

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, कमालगंज,
जनपद–फर्रूखाबाद।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू विवाद में महिला के साथ की मारपीट

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के पठानपुरा इलाके में घरेलू विवाद के चलते एक दबंग युवक ने अपने परिवार की महिला के साथ मारपीट की। राठ कोतवाली में तहरीर दी गई। कस्बे के पठानपुरा निवासी प्रीति पत्नी अतुल की ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि घरेलू विवाद के चलते उसके परिवार के ही एक युवक ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उसके साथ मारपीट की।

पुलिस ने मूर्ति बरामद कर मंदिर में रखवाई

बिवांर(हमीरपुर)। न्यूरिया गांव में मंदबुद्धि व्यक्ति के द्वारा गायब की गई मूर्ति उसकी पत्नी की सूचना पर बरामद कर ली गई है। ग्रामीणों ने मूर्ति को मंदिर में रखवा दिया है। दो माह बाद पुन: स्थापित की जाएगी। थानाक्षेत्र के न्यूरिया गांव के बाहर तालाब के किनारे हनुमानजी का मंदिर स्थापित है। मंगलवार की रात गांव के मंदबुद्धि राम बहादुर पुत्र स्वामीदीन ने मंदिर से मूर्ति को गायब कर दिया। सुबह पुजारी बिल्लू मंदिर की सफाई के लिए गया, जब जानकारी दी गई। ग्राम प्रधान कन्हैया दीक्षित, थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति व सीओ राजकुमार पाण्डेय मौके पर पहुंच कर जानकारी की। मामले में गांव के एक मंदबुद्धि युवक से पूछताछ करने पर वह पुलिस को दो घंटे तक बरगलाता रहा। गुरुवार को थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने उसके घर जाकर उसकी पत्नी की निशानदेही पर मूर्ति को उसके घर से बरामद कर ग्रामीणों की मदद से मंदिर में रख दिया है। प्रधान ने बताया कि दो माह बाद ग्रामवासियों के सहयोग से मूर्ति की पुनर्स्थापना करवाई जाएगी।

चार लोगों पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज

बिवांर (हमीरपुर)। क्षेत्र के भरखरी गांव के युवक पर गांव के चार लोगों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली गलौज कर मारपीट करने आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाक्षेत्र के भरखरी गांव निवासी रमाकांत पुत्र रामकिशन वर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि एक पुराने मुकदमा को लेकर गांव के शिशुपाल, रॉबिन पुत्रगण राकेश सिंह, राकेश पुत्र टिरिया यादव व आसाराम पुत्र सुखदेव ने जातिसूचक शब्दों को प्रयोग कर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। चारों युवक जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। युवक की तहरीर पर पुलिस ने एससी एसटी एक्ट सहित मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अदालत के आदेश पर प्रधान व भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बिवांर। थानाक्षेत्र के कल्ला गांव में महिला के साथ मारपीट करने के मामले में अदालत के आदेश पर पुलिस ने प्रधान व उसके भाई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कल्ला गांव निवासी सावित्री पत्नी राजबहादुर के साथ गांव के प्रधान पप्पू पुत्र कांशीराम ने अपने भाई बबलू सिंह के मुकदमा को लेकर अश्लील हरकत कर अभद्रता की थी। विरोध करने पर दोनों भाइयों ने महिला की थप्पड़ लात घूंसों से जमकर मारपीट की थी। महिला ने थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर महिला ने अदालत की शरण ली। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने प्रधान व उसके भाई के खिलाफ मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि भाइयों के खिलाफ अदालत के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

ठंड के चलते दिन में अलाव तापते लोग। अमृत विचार

कोहरे के बीच निकलते राहगीर व लाइट जला कर चलते वाहन। अमृत विचार

कोहरा और शीतलहर ने बढ़ाई सर्दी, दिनभर ठिठुरते रहे लोग

दिन में नहीं जलते दिखे नगर पालिका के अलाव, कोहरे के चलते दिनभर रेंगते रहे वाहन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- मौदहा में भी सर्दी के चलते अस्त व्यस्त रहा जनजीवन

अमृत विचार। गुरुवार को शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया साथ में घना कोहरा होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नगर पालिका के अलाव दिन में गायब रहने से लोगों को शीतलहर से बचने के लिए खुद के अलाव का सहारा लेना पड़ा। दिन भर लोग जगह-जगह अलाव तापते नजर आए। दिनभर सूर्य देव के दर्शन नहीं होने से पशु पक्षी बेहाल रहे।

बुधवार को सुबह से चटख धूप खिलने के बाद गुरुवार को मौसम ने अचानक पलटी मारी और मौसम बिगड़ गया। भीषण कोहरे के साथ शीतलहर चलने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। वहीं बादल छाए रहने से दिनभर सूर्य देव के दर्शन नहीं हो सके। तापमान लुढ़कने से लोग दिनभर ठंड से ठिठुरते नजर आए। नगर पंचायत के अलाव प्रमुख स्थानों से दिन में गायब रहे। लोगों को खुद के अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने को मजबूर होना पड़ा।

मौदहा संवाददाता के अनुसार इस समय क्षेत्र में सर्दी का सितम चरम पर है और पूरा क्षेत्र कोहरे की चादर में ढक गया है। जिसके चलते आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लेकिन इतनी भीषण सर्दी में कस्बे के मुख्य चौक चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव नहीं जलना चर्चा का विषय रहा।

बुधवार शाम से कस्बे सहित क्षेत्र में अचानक ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए और जैसे जैसे रात होती गई कोहरे की चादर भी गहराती गई। आधी रात तक पूरा क्षेत्र घने कोहरे की चपेट में आ गया और दृश्यता दस मीटर तक सिमट कर रह गई जो सुबह तक वैसे ही रहा। हालांकि गुरुवार सारे दिन इंद्रदेव कोहरे के बीच छिपे रहे। जबकि तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। दिन का तापमान 11 डिग्री के आसपास रहा। जबकि रात का तापमान 20 डिग्री के करीब रहा। दैनिक तापांतर में कोई बड़ा अंतर नहीं देखने को मिला। वहीं घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण वाहन दिन में भी लाइट जला कर कम रफ्तार में चलते नजर आए। जबकि रात में भारी वाहनों के पहिए थम से गए और सड़कों में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं मौजूदा मौसमी दशाओं को देखते हुए अभी सर्दी और कोहरा अधिक होकर 23 दिसंबर तक रहने की संभावना है।

गौशाला के टीनशेड तिरपाल से ढकें, अलाव का प्रबंध करें

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

- बीडीओ ने निरीक्षण कर परखीं आधा दर्जन गौशालाओं की व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

अमृत विचार। खंड विकास अधिकारी ने आधा दर्जन गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। जिसमें पशुओं को ठंड से बचाव की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने की निर्देश दिए।

मंगलवार को खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार ने क्षेत्र की बिलगांव, पुरैनी, बंगरा, कटेहरी, ममना व चंडौत गांवों की गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। बीडीओ ने बताया इन गौशालाओं में भूसे का पर्याप्त भंडारण मिला है। मौके पर चरवाहे व चौकीदारों की व्यवस्था भी चुस्त मिली है। संबंधितों को पशुओं को हरा चारा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बताया कि पशुओं को ठंड से बचाव के लिए शेड के चारों तरफ पॉलीथिन या तिरपाल लगाने तथा गौशाला में अलाव की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं। पशुओं के बीमार होने पर तुरंत पशु चिकित्सा विभाग को सूचना देने के निर्देश दिये हैं।

उधर पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों को भी सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर जाकर इलाज मुहैया कराने को कहा गया है। बीडीओ ने कहा कि गौशाला के संचालन में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस मौके पर एडीओ (पंचायत) राजवीर सिंह, ग्राम प्रधान व संबंधित सचिव मौजूद रहे।

बिलगांव की गौशाला का निरीक्षण करते बीडीओ विपिन कुमार। अमृत विचार

कल से 12 कोच की चलेगी कानपुर खजुराहो मेमू पैसेंजर

सुमेरपुर। आगामी 20 दिसंबर से कानपुर से खजुराहो के मध्य चलने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन में 8 के बजाय 12 कोच चलेंगे। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

उत्तर मध्य रेलवे झांसी के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जनप्रतिनिधियों एवं आम जनमानस की मांग पर रेलवे ने कानपुर एवं खजुराहो तथा खजुराहो कानपुर के मध्य सुबह शाम चलने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन में कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। आगामी 20 दिसंबर को कानपुर से शाम 4: 20 बजे चलने वाली मेमू में 8 के स्थान पर 12 कोच चलाए जाएंगे। इसी तरह 21 दिसंबर को तड़के खजुराहो से चलकर कानपुर जाने वाली पैसेंजर में 12 कोच होंगे और यह अब यह कोच नियमित रूप से चलाए जाएंगे। रेलवे के इस निर्णय का व्यापार मंडल ने स्वागत किया। व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू ने बताया कि कानपुर खजुराहो पैसेंजर में कोच बढ़ाने का सीधा फायदा व्यापारियों को होगा और कानपुर जाने में बड़ी राहत मिलेगी अभी तक कोच कम होने पर भीड़ बढ़ने पर तमाम मुसीबतों का सामना करना पड़ता था।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते मुख्य अतिथि व मौजूद अन्य लोग। अमृत विचार

प्राकृतिक खेती का दिया प्रशिक्षण

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के नजरपुर सौंखर रोड में सहकार भारती, स्वदेशी जागरण मंच, कृषि एवं ग्राम विकास विभाग तथा ब्रह्मकुमारीज द्वारा आयोजित व्यवहारिक बहुस्तरीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण में किसानों को नई तकनीकी की जानकारियां दी गई।

मुख्य अतिथि अध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश श्याम बिहारी गुप्ता कि उपस्थिति में किसानों को खानपान से होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाव करने के लिए क्षेत्र में कृषि की उपज पर की जाने वाली विभिन्न प्रकार की जहरीली उर्वरकों को दोषी बताते हुए बचाव के तरीके बताए गए। कृषि आविष्कारक आकाश चौरसिया ने बताया कि अगर हम देशी ढंग से गाय के गोबर द्वारा तैयार की गई खाद का प्रयोग करें तो हमारी पैदावारी भी अच्छी होगी और हमारी खेती की लाइफ भी आगे तक जाएगी। इस मौके पर दुष्यंत सिंह परिहार, अरविंद श्रीवास्तव, मनोज सिंह, ज्ञानवेंद्र सिंह, रोहित सिंह रहे।

जिला जज के साथ डीएम और एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। जिला जज के साथ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कैदियों की स्थिति और जेल के प्रशासनिक कार्यों का आकलन के साथ आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गुरुवार को जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय, जिलाधिकारी घनश्याम मीना व पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा ने जिला कारागार का निरीक्षण करने पहुंचे। जहां उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, सुरक्षाकर्मियों की संख्या, उनके उपकरण और सुरक्षा उपायों की जांच की। इसके साथ ही कैदियों की संख्या, उनकी स्वास्थ्य स्थिति, रहने की व्यवस्था देखने के साथ उनकी शिकायतों को सुना। वहीं जेल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता, दवाइयों की उपलब्धता, सफाई व्यवस्था, कैदियों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और मात्रा को परखा। इसके अलावा जेल के प्रशासनिक कार्यों, रिकॉर्ड कीपिंग और कैदियों के अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा, कौशल विकास, और पुनर्वास कार्यक्रमों की रूप रेखा को के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जेल के अंदर सभी व्यवस्थाओं एवं कैदियों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार किये जाने के लिए संबंधित को निर्देश दिए गए।

जिला कारागार का निरीक्षण कर बाहर आते अधिकारी। अमृत विचार

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की बैठक कर की गई समीक्षा

हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद की उपस्थिति में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान अभियान की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई और आगे की कार्यवाही एवं आगामी लक्ष्यों पर चर्चा भी की गई।

जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने कहा कि इस अभियान को महत्वपूर्ण समझते हुए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ईमानदारी से मेहनत के साथ कार्य करें। ताकि कोई ऐसा व्यक्ति न हो जो की धोखे से भी गलत जुड़ जाए और उसके जुड़ने से हम सभी को आगे समस्या खड़ी हो जाए। ऐसा भी व्यक्ति न रह जाए जो की यहां का रहने वाला हो और उसकी छोटी सी भी अज्ञानता के कारण जुड़ने से वंचित हो जाए। इसलिए बूथ से लेकर मंडल एवं जनपद स्तर तक लगाए गए जिम्मेदार लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि इस कार्य को महत्वपूर्ण कार्य समझते हुए कार्यरत बीएलओ के साथ तालमेल बैठाकर गलत लोगों के नाम हटाकर सही लोगों के नाम जोड़ने का कार्य किया जाए। बैठक में सरस्वती शरण द्विवेदी, कुरारा ब्लाक प्रमुख आशीष पालीवाल, राठ चेयरमैन श्रीनिवास बुधौलिया, उपाध्यक्ष लक्ष्मी रतन साहू, मौदहा ब्लॉक प्रमुख लालाराम निषाद, किशन व्यास, अरविंद श्रीवास्तव, नीलम बाजपेई, साधना सिंह, उत्तम सिंह आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में बैठक लेतीं जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद।

नवनियुक्त बसपा जिलाध्यक्ष का कस्बे में किया गया स्वागत

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत करते पार्टी के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बसपा धरातल में अपने संगठन को मजबूत बनाने में जुटी है। इसी के तहत बसपा ने जिले की कमान अब छोटेलाल वर्मा को सौंपी है। कस्बे में आने पर बसपा जिलाध्यक्ष का बसपाइयों ने जोरदार स्वागत किया।

बसपा सुप्रीमो के आदेश पर जिले की कमान अब राघवेंद्र अहिरवार की जगह छोटेलाल वर्मा को दी गयी है। प्रथम बार कस्बे में आने पर बसपाइयों ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को बसपा सुप्रीमो मायावती का चित्र भेंट कर फूल माला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत करने वालों में बिहारी लाल वर्मा, डॉ. जितेन्द्र सागर, रामबाबू वर्मा, बाबूराम, श्री राम प्रजापति, दीपू वर्मा, राकेश श्रीवास, आशा दीन वर्मा, भूरा श्रीवास, राकेश कुमार आदि रहे।

खेत बेचने के बाद भी कब्जा नहीं छोड़ने का आरोप

मौदहा (हमीरपुर)। अमानत में खयानत करते हुए जमीन बेचने के बाद भी कब्जा न छोड़ने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर खेत पर शीघ्र कब्जा दिलाये जाने की मांग की है।

विकासखंड के मकरांव गांव निवासी रामप्यारी पत्नी जयप्रकाश ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि तीन वर्ष पूर्व उन्होंने डेढ़ बीघा खेत अछरेला निवासी जयप्रकाश से खरीदा था। खेत खरीदने के बाद उन्होंने उक्त भूमि को चंद्रशेखर को लगान पर दे दिया था।

क्रिकेट स्पर्धा के उद्घाटन मैच में छानी ने उमरी को 26 रनों से हराया

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

क्रिकेट मैच खेलते छानी व उमरी के खिलाड़ी। अमृत विचार

अमृत विचार। निवादा गांव में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में छानी ने उमरी को 26 रनों से पराजित किया।

मुस्करा विकासखंड के ग्राम निवादा में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य दुष्यंत सिंह परिहार ने फीता काटकर किया है। टूर्नामेंट का पहला मैच उमरी और छानी के बीच खेला गया है। जिसमें छानी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में 63 रन का स्कोर खड़ा किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उमरी की छह ओवर में छह विकेट पर 37 रन ही बना पाई और छानी ने 26 रनों से मैच जीत लिया। मैच में कमेंटेटर आलोक सिंह व छोटू सिंह रहे।

साधन सहकारी समितियों में यूरिया खाद न होने से किसान परेशान

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

- किसान पड़ोसी जनपदों से महंगे दामों में खरीद रहे खाद

किसान फतेह सिंह।

अरविंद कुशवाहा।

अमृत विचार। क्षेत्र में डीएपी खाद के बाद यूरिया खाद की किल्लत होने से किसान परेशान हैं। वह थक हार कर पड़ोसी जनपद से महंगे दामों में खाद खरीद कर अपनी फसलों में डाल रहे हैं।

क्षेत्र में संचालित आधा दर्जन साधन सहकारी समितियों में यूरिया खाद आने पर खातेदार किसानों को ही खाद वितरित की जाती है। जिससे छोटे किसानों को खाद नहीं मिल पाती है। वहीं परेशान होकर प्राइवेट डीलरों के यहां से खाद लेने के लिए परिक्रमा लगाते हैं। भैंसा पाली गांव के किसान फतेह सिंह ने बताया कि साधन सहकारी समिति कुरारा में यूरिया खाद आने की सूचना मिलते ही खाद लेने पहुंचा तो वहां केवल खाता धारकों को ही खाद वितरित की जा रही थी। जबकि कस्बा में संचालित प्राइवेट दुकानों में खाद नदारत होने से जनपद जालौन के कस्बा कदौरा व बागी, उदनपुर गांव से खाद लेकर अपनी गेहूं की फसल में छिड़काव करेंगे। पाली गांव के किसान अरविंद कुशवाहा ने बताया कि पीसीएफ का नकद बिक्री केंद्र में खाद न आने से कस्बे के प्राइवेट डीलरों के यहां से खाद लेने गया तो खाद नहीं मिली। जिससे मजबूरन पड़ोसी जनपद के बागी गांव से पांच बोरी यूरिया खाद लानी पड़ी। ज्यादातर किसान मूसानगर व जनपद जालौन के कदौरा, उदनपुर, बागी गांव से खाद लाकर अपने खेतों की फसलों में डाल रहे हैं। जब इस बारे में पीसीएफ केंद्र प्रभारी जितेंद्र कुशवाहा से बात की उन्होंने बताया कि डिमांड लगा दी गई है खाद आने पर किसानों को वितरित की जाएगी।

भागवत के अंतिम दिन सुनाई गई भक्त प्रहलाद की कथा

पौथिया (हमीरपुर)। पौथिया गांव स्थित झाड़ू बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन गुरुकुल हरिद्वार से आईं कथा वाचक नीतम ज्योति शास्त्री ने ध्रुव चरित्र व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाई।

कहा कि जिस प्रकार भक्त ध्रुव आज भी आकाश में अटल है। उसी प्रकार हमें भी अपने आदर्शों पर अटल रहना चाहिए। आज भी भौतिकता की प्रधानता के कारण हम अपने विचारों पर स्थिर नहीं रह पाते, जिस कारण बुराइयों को दूर करने के लिए हमारे ग्रंथों की शिक्षाओं का अपनाना पड़ेगा। अपने पिता के विरुद्ध जाकर भगवान विष्णु की भक्ति की। राक्षस कुल में उत्पन्न होने पर भी भगवान का परम भक्त बने।

दिखाया दम | चंडौत गांव में हर वर्ष की भांति भव्य दंगल का आयोजन

दिल्ली की अंजू ने हरियाणा की कोमल को पछाड़ा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

दंगल में महिला पहलवानों से हाथ मिलवाते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। चंडौत गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्द हवाओं के बीच भव्य दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें पहले दिन अतिथि राम सहोदर नेता, कामता राजपूत, देवेंद्र राजपूत, ज्ञान सिंह ने पहलवानों का हाथ मिलवा कर कुश्ती का शुभारंभ कराया।

गांव में दो दिवसीय दंगल के पहले दिन दो दर्जन से अधिक कुश्तियां हुईं। दंगल में मसगांव के लेखराज ने कानपुर के भीमकांत को कड़ी मशक्कत के बाद चित किया। शोभित गोरखपुर ने कैलाश रायबरेली को आखाड़े की धूल चटाई, लींगा के प्रीतम ने इंचौली के राकेश को हराया। मथुरा के वीरबहादुर और आगरा के बिच्छू बीच मुकाबला हुआ। जिसमें बिच्छू ने विजय हासिल किया। कानपुर के राहुल ने मैनपुरी के जय को मात दी, चंडौत के सुनील ने राणा के दिलीप को चित किया वही महिला पहलवान अंजू दिल्ली ने कोमल हरियाणा को कड़े संघर्ष में हराया। बिनय बलरामपुर और अमर सिंह धौहल एवं मंगल सिंह रहटिया और उदल धौहल के बीच कुश्ती बराबरी पर रही। दंगल को देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक पहुंचे। दर्शकों ने अपने-अपने पहलवानों का तालियां बजाकर हौसला बढ़ाया। दंगल में रेफरी की भूमिका महिपाल, गुलाब ने निभाई व संचालन शीलू महाराज परासन ने किया। वही निर्णायक मंडली में शिव सिंह, अर्जुन, राधाचरण निगम, धर्मेश राजपूत रहे। इस अवसर पर राजकुमार, कुलदीप पाठक, अरविंद, राघवेंद्र, नौतम, रोहित, जनक अन्य कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बैठक में गोवंशों को ठंड से बचाए जाने पर दिया जोर

महोबा। विकासखंड चरखारी सभागार में ग्राम पंचायत सचिवों की मासिक समीक्षा बैठक विकास खंड अधिकारी विपिन कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से गौशालाओं में संरक्षित गोवंशों को ठंड कोहरा और शीतलहर से बचाव के अलावा विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। साथ ही मनरेगा के तहत होने वाले कार्यों की योजना तैयार करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में ने ग्राम प्रधानों और सचिवों को गोवंशों को ठंडी हवाओं से बचाने के लिए गौशालाओं को चारों तरफ से पॉलीथिन लगाकर ढकने, अलाव जलाने की समुचित व्यवस्था करने तथा गोवंश के लिए भूसा, पानी, चारा, चोकर, गुड़ और अजवायन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की बात कही। बैठक में एडीओ पंचायत ओंकार नाथ ने पिछले महीने पंचायतों के किए गए आवास और शौचालय निर्माण कार्यों की समीक्षा की। इस मासिक समीक्षा बैठक में एसडीओ आईएसबी चेतराम बर्मा सहित कई ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे। एपीओ मनरेगा नीरेंद्र सिंह सेंगर ने ग्राम पंचायतों को मनरेगा से संबंधित कार्य योजनाएं तैयार करने को कहा। बैठक में हरबंश, राहुल पाठक, सतीश कुमार वर्मा, हिमांशु अग्रवाल, शुएब नसीम दुर्रानी, सुहेल नसीम दुर्रानी, शिवांक यादव, शादाब रजा खान, आदित्य सिंह, जितेंद्र कुमार, रोहित गुप्ता और स्वाति रिछारिया शामिल थे।

पंचायतों की आय बढ़ाने के बताए गए तरीके

पनवाड़ी। ग्राम पंचायतों की आय के स्रोत सुदृढ़ करने के उद्देश्य विकासखंड पनवाड़ी सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मास्टर ट्रेनर रामअवतार नामदेव ने ग्राम प्रधान, पंचायत सहायकों को ओएसआर के महत्व और पंचायत की आय बढ़ाने के लिए ताकत, कमजोरी, अवसर व चुनौती (एसडब्ल्यूओटी) रणनीति की विस्तृत जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर ने पंचायत भवनों में कॉमन सर्विस सेंटर और आधार केंद्र के माध्यम उपलब्ध 243 जन उपयोगी सेवाओं से पंचायत की आय बढ़ाने के तरीकों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक पूजा ने स्वयं की आय स्रोत से संबंधित पोर्टल और एप्लीकेशन के संचालन का प्रशिक्षण दिया साथ ही पंचायती प्रतिपूर्ति वृत्त और शाहीन योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने पंचायत राज अधिनियम 1947 के तहत ग्राम पंचायतों को कर, उपकर व शुल्क वसूली से संबन्धित अधिकारों को भी प्रशिक्षण दौरान बताया। इस मौके पर रामऔतार, रोशनी, शोभा कुमारी, रक्षा पाठक, परवीन खातून, कृष्णकांत, नरेंद्र आदि रहे।

कोहरा-सर्दी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, रेंगे वाहन

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। जिले में गुरुवार को तड़के सुबह से कोहरा छाने से आवागमन प्रभावित रहा। कोहरे ने ट्रेनों और बसों की रफ्तार में ब्रेक लगा दिया, जिससे वाहन धीमी गति से रेंगते दिखाई दिए। दिन में भी लोग कोहरे के चलते वाहनों की लाइटें जलाते हुए चलते नजर आए। चारों तरफ कोहरा छाने से 50 कदम दूर का वाहन भी नहीं दिखाई दे रहा था, जिससे चालक धीरे-धीरे वाहन चलाते दिखाई दिए। कोहरा छाने के साथ ही ठंड ने भी जोर पकड़ लिया है, सारा दिन लोग अलाव तापते नजर आए।

आधा दिसम्बर माह गुजर जाने के बाद भी लोगों को ठंड का अधिक अहसास नहीं हो रहा था, लेकिन गुरुवार को तड़के सुबह से आसमान में कोहरा छा जाने के बाद मौसम ने एकाएक बदलाव आ गया। कोहरे के साथ सर्दी बढ़ गई है, जिसके चलते सुबह से लोग सर्दी से बचाव के लिए एकतरफ अलाव जलाते दिखाई दिए, वहीं दूसरी तरफ लोग कोर्ट पैंट, जैकेट व टोपी लगाकर सड़कों पर चलते दिखाई दिए। ठंड बढ़ने के बाद सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों में सुबह साढ़े दस बजे तक सन्नाटा दिखाई दिए। तमाम अधिकारी भी समय से कार्यालय नहीं पहुंच सके। कोहरे छा जाने के बाद गंतव्य स्थानों के लिए आने जाने वाहन भी समय से नहीं निकल सके, जिससे यात्री भी गंतव्य स्थानों पर एक से दो घंटे देरी से पहुंचे। बसें भी धीमी गति से चलती दिखाई दी। कोहरे ने ट्रेनों की रफ्तार भी थाम दी, जिसके चलते ट्रेनें भी एक से तीन घंटे देरी से स्टेशनों पर आईं, जिससे यात्रियों को कड़ाके की ठंड में रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का इंतजार करना पड़ा।

घने कोहरे के बीच लाइट जलाकर चलते वाहन। अमृत विचार

सर्दी बढ़ी पर पालिका प्रशासन ने नहीं ली अलाव जलाने की सुधि

- कड़ाके की ठंड बढ़ जाने के बाद भी अभी तक पालिका प्रशासन ने शहर के मुख्य चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की है, जिससे रिक्शा, आटो चालक और राहगीर रात में सर्दी से बचाव के लिए इधर-उधर अलाव की तलाश करते दिखाई दिए। आधा दिसम्बर माह गुजर जाने के बाद भी नगर पालिका ने अभी तक अलाव जलाने की सुध नहीं ली, जिससे गरीबों और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। हर साल 15 दिसम्बर तक आल्हा चौक, तहसील चौराहा, हवेली दरवाजा, रोडवेज, अस्पताल परिसर, पीपीएन चौराहा सहित मुख्य चौराहों पर अलाव की व्यवस्था कर दी जाती थी, लेकिन इस साल अभी तक पालिका प्रशासन ने अलाव जलाने की सुध नहीं ली।

एडीएम ने कहा, स्वेटर टोपी पहनकर निकलें

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- शीतलहर के चलते प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी कुंवर पंकज ने शीतलहर, ठंड से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि कोयले की अंगीठी, मिट्टी तेल का चूल्हा, हीटर, ब्लोवर आदि का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें तथा कमरे में हवा का आवागमन, वायु संचार बनायें रखें ताकि कमरे में जहरीला धुआं एकत्र न हो सके। शरीर को सूखा रखें, गीले कपडे. तुरन्त बदल लें, ये आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकते है। घर में अलाव का सामान न हो तो ज्यादा ठंड के दिनों में सामुदायिक केन्द्रों, आश्रय स्थलों पर जायें, जहां प्रशासन ने अलाव का प्रबंध किया हो। कई स्तरों वाले गर्म कपड़े जैसे ऊनी कपडे, स्वेटर, टोपी, मफलर इत्यादि का प्रयोग करें। ऊनी कपड़ों के कमी की दशा में दो तीन कपड़े एक के ऊपर एक पहनकर ठंड के प्रभाव को कम किया जा सकता है। एडीएम ने बताया कि रेडियो सुने, टीवी देखें, स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान के लिए समाचार पत्र पढ़ें ताकि यह पता चल सके कि क्या शीत लहर होने वाली है। पर्याप्त सर्दियों के कपड़े पहनें। कपड़ों की कई परतें शरीर को गर्म रखने में अधिक सहायक होती है। कहा ज्यादा सर्दी व कोहरा पड़ने पर छोटे बच्चों को जितना हो सके उतना घर के अंदर रखें।

महिलाओं, बच्चों से जुड़े लंबित मामलों को प्राथमिकता पर लें

जिलाधिकारी ने बैठक कर योजनाओं की समीक्षा कर मातहतों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जिलाधिकारी ने चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित अधिकारियों की कार्यालय में बैठक लेते हुए उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना, मिशन वात्सल्य योजना, वन स्टॉप सेन्टर, चाइल्ड हेल्पलाइन योजना की समीक्षा की। बैठक में डीएम ने योजना प्रकरणों की जानकारी हासिल करते हुए प्राथमिकता के साथ जल्द से जल्द कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना के अन्तर्गत जिला स्तर पर लंबित 150 प्रकरणों के सापेक्ष 79 प्रकरणों पर समीक्षा की गयी है, जिसमें लैंगिक हमले की पुष्टि होने पर पर 61 प्रकरणों को स्वीकृत और 07 प्रकरण अनुसूचित जाति एवं जनजाति के भुगतान के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिये गये। अवशेष प्रकरणों में पुनः मेडिकल जांच करने के बाद रिपोर्ट प्राप्त कर आगामी बैठक में प्रस्तुत किये जाने के लिए भी निर्देश दिये गये। बैठक में जिलाधिकारी ने महिलाओं व बच्चों से जुड़े गंभीर लंबित मामलों को प्राथमिकता से निस्तारण कर, प्रभावी कार्रवाई करने के लिए संबंधित को निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक दौरान जिलाधिकारी ने किशोर न्याय बोर्ड में लंबित प्रकरणों को नियमानुसार निस्तारित किये जाने के लिए जोर दिया। वन स्टॉप सेन्टर में घरेलू हिंसा से प्राप्त प्रकरणों में यथोचित कार्रवाई करते हुए निस्तारित किये जाने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये। उक्त बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आशाराम, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, नोडल चिकित्साधिकारी, अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, सदस्य, किशोर न्याय बोर्ड, संरक्षण अधिकारी, केंद्र प्रबंधक, वन स्टॉप सेन्टर, जिला मिशन कोआर्डिनेटर के साथ-साथ अन्य समिति के सदस्य व कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद अधिकारी व समिति के सदस्य। अमृत विचार

40 स्कूलों में बनेंगी अंतरिक्ष विज्ञान प्रयोगशाला, प्रस्ताव पर समिति सहमत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- प्रस्ताव पर समिति ने जताई सहमति, जिलाधिकारी ने बैठक लेकर दिए निर्देश
- जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को ग्राम सचिवों से समन्वय बनाकर रखने को कहा

अमृत विचार। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के 40 विद्यालयों में अध्ययनरत गरीब बच्चों को आधुनिक तकनीकी से शिक्षा उन्नयन के लिए 40 इसरो से संबद्ध अंतरिक्ष विज्ञान और नवाचार प्रयोगशालाओं के प्रस्ताव पर समिति के सदस्यों ने सर्व सम्मति से सहमति व्यक्त की।

जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित करते हुए कहा कि सचिव से समन्वय बनाकर जो स्कूल में छोटी-छोटी कमियां है उन कमियां को दूर किया जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अवगत कराया कि यह जिले के लिये एक अनोखी पहल है, इससे ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत बच्चों को आधुनिक तकनीकी से शिक्षा उन्नयन के लिए इसरो से संबद्ध अंतरिक्ष विज्ञान और नवाचार प्रयोगशालाओं के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जायेगी। अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी ने विद्यालयवार उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किये। जिलाधिकारी ने सभी सचिवों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करवाया जाए।

जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को निर्देश देते हुए कहा कि सभी सफाई कर्मचारियों का रोस्टर जारी किया जाए और स्कूलों की रोस्टर के अनुसार सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों, ग्राम पंचायत सचिव व विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

बैठक में निर्देश देतीं जिलाधिकारी गजल भारद्वाज। अमृत विचार

मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में की तोड़फोड़, लोगों में आक्रोश

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

अमृत विचार। ऐतिहासिक रघुनाथ मंदिर मेला मैदान जैतपुर में बीती रात अराजकतत्वों ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ तोड़फोड़ की, इससे मंदिर समिति के लोगों में खासा आक्रोश है। घटना को लेकर मंदिर प्रबंधक ने पुलिस चौकी इंचार्ज को लिखित सूचना देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बीती रात अराजकतत्वों ने मंदिर परिसर के बाहर की ओर लगे तीन सीसीटीवी कैमरों पर पत्थरबाजी की। इस दौरान एक कैमरा पूरी तरह से टूटकर नीचे गिर गया, जबकि अन्य कैमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए। मंदिर प्रबंधक पं. सुशील अरजरिया ने बताया कि जून माह से लगातार नवंबर माह तक मंदिर की यज्ञशाला एवं समाधि स्थलों को क्षतिग्रस्त करने, फर्जी इकरारनामा कराने और उनकी जान को खतरा होने संबंधी शिकायतें उच्च अधिकारियों एवं जिला प्रशासन को दी जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इन शिकायतों के बावजूद भूमाफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसके चलते उनके हौसले और बढ़ गए हैं। मंदिर प्रबंधक का आरोप है कि जिन तत्वों ने यह तोड़फोड़ की है, वे मंदिर की यज्ञशाला और समाधि स्थलों को नष्ट करने पर आमादा हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। घटना के बाद मंदिर प्रबंधक ने शासन और प्रशासन से मंदिर परिसर, यज्ञशाला, समाधि स्थलों तथा स्वयं की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

रघुनाथ मंदिर के बाहर लगे कैमरे तोड़े गए। अमृत विचार

दंपतियों के बीच करवाई सुलह

महोबा। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अन्तर्गत जिला पुलिस द्वारा संचालित परिवार परामर्श केन्द्र के प्रभावी प्रयासों से कई बिखरते परिवारों को टूटने से बचाया गया है। संवाद, समझ और संवेदनशील परामर्श के माध्यम से पारिवारिक विवादों का समाधान कर परिवारों में पुनः खुशियों की वापसी कराई गई।

पुलिस लाइन स्थित सभाकक्ष में परिवार परामर्श केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पति-पत्नी के 15 ऐसे जोड़ों, जिनके मध्य पारस्परिक पारिवारिक विवाद चल रहा था की काउंसिलिंग की गई। प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुना गया तथा दोनों पक्षों की समस्याओं के समाधान के लिए संयमित, सकारात्मक एवं संवेदनशील परामर्श प्रदान किया गया। काउंसिलिंग के परिणामस्वरूप कई पति-पत्नी पुनः आपसी सहमति से साथ रहने के लिए राजी हुए।

गोदाम में प्रतिबंधित पॉलीथिन पाए जाने पर जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- शहर में पुलिस व राजस्व विभाग ने संयुक्त रूप से चलाया चेकिंग अभियान

अमृत विचार। जिले में प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग किए जाने को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश पर समय समय पर चेकिंग अभियान चलाकर व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शहर में चेकिंग अभियान चलाते हुए एक व्यापारी के गोदाम में छापामारी करते हुए हजारों रुपये की प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद की।

टीम ने व्यापारी पर कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। टीम की इस कार्रवाई से व्यापारियों में खासा हड़कंप मचा हुआ है। सदर उपजिलाधिकारी शिवध्यान पांडे ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने मोहल्ला बड़ीहाट में मुन्नालाल पाटकर के गोदाम पर छापामारी करते हुए वहां से भारी मात्रा में पॉलीथिन और प्लास्टिक प्लेट, गिलास बरामद किए। साथ ही दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि भविष्य प्रतिबंधित पॉलीथिन पाई जाती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।एसडीएम ने स्पष्ट किया कि जिले में पॉलीथिन के उपयोग और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। इस अचानक कार्रवाई पर व्यापारियों ने रोष के साथ साथ हड़कंप मचा हुआ है। व्यापार संगठन के नेता भागीरथ नगायच ने आरोप लगाया कि प्रशासन व्यापारियों के साथ उत्पीड़न कर रहा है। अधिकारी स्वयं पॉलीथिन और गिलास का उपयोग करते हैं, जबकि कार्रवाई फैक्ट्रियों या उत्पादन स्थलों पर होनी चाहिए न कि व्यापारियों पर। बताया कि यह मुद्दा पहले भी उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव के सामने उठाया गया था। अब व्यापार संगठन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर इस कार्रवाई को रोकने की मांग करेगा। वहीं, प्रशासन का कहना है कि प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ यह कार्रवाई कानून और शासन व्यवस्था के तहत की जा रही है और भविष्य में भी इसे जारी रखा जाएगा।

महोबा में डीएम गजल भारद्वाज के निर्देश पर प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। बुधवार को शहर के बड़ी हाट मोहल्ले में मुन्नालाल पाटकर के गोदाम पर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारा। इस दौरान हजारों रुपये मूल्य की प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद की गई और व्यापारी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जब्त सामान की कीमत का आकलन किया जा रहा है।

चेकिंग के दौरान गोदाम में लगी भीड़। अमृत विचार

कार्यक्रम

वार्षिकोत्सव पर छात्राओं ने गीत-संगीत की दी शानदार प्रस्तुति

विद्यालय ज्ञान का मंदिर और भविष्य का आधार : जितेंद्र सिंह

संवाददाता, पनवाड़ी (महोबा)

अमृत विचार। नेहरू इंटर कॉलेज पनवाड़ी में गुरुवार को वार्षिकोत्सव और पुरातन छात्र सम्मान समारोह का धूमधाम से आयोजन किया गया। छात्राओं ने स्वागत गीत के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर व विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष जय प्रकाश अनुरागी रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ एमएलसी व जिला पंचायत अध्यक्ष ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया, इसके बाद छात्राओं ने स्वागत गीत सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यालय ज्ञान का मंदिर एवं भविष्य का आधार है, इसी ज्ञान के मंदिर से शिक्षा प्राप्त करने के बाद लोग अधिकारियों के अलावा मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक बनते हैं। इसलिए बच्चों को लक्ष्य बनाकर शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। कहा कि सभी विद्यार्थी अनुशासन में रहते हुए मन लगाकर पढ़ाई करें और विद्यालय सहित अपने मां बाप का नाम रोशन करें।

जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी ने कहा कि मन के हारे हार है और मन के जीते जीत यह पंक्ति जीवन में संघर्ष और सफलता का मूल मंत्र है। डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, बिरला समूह एवं अंबानी परिवार जैसे महान व्यक्तित्वों के संघर्ष और कठिन परिश्रम का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि इन सभी ने कभी हार नहीं मानी, अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहकर सफलता प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शोभित पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र तिवारी, प्रबंधक डॉ. सतीश गुप्ता, प्रधानाचार्य मोतीलाल अहिरवार, शिक्षक ओमप्रकाश द्विवेदी, हीरालाल वर्मा, गीता अग्निहोत्री, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि इं. श्रीप्रकाश वर्मा, समाजसेवी राजू नगाइच, राजनारायण मिश्रा, बबलू रावत, संतोष अग्निहोत्री, संतोष विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

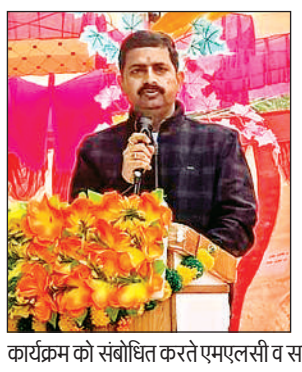

कार्यक्रम को संबोधित करते एमएलसी व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। अमृत विचार

एमएलसी ने किया नवीन कक्षाओं का लोकार्पण

- वार्षिक उत्सव के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने विद्यालय की नवीन कक्षाओं का लोकार्पण किया। विद्यालय प्रबंधन समिति की मांग पर एमएलसी सेंगर ने आश्वासन दिया कि विद्यालय में प्रार्थना स्थल मैदान पर इंटरलॉकिंग का कार्य शीघ्र ही अपनी निधि से कराएंगे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को विकास कार्य के लिए मिलने वाली निधि वास्तव में जनता की ही निधि होती है, जिसका सदुपयोग करना जन प्रतिनिधियों का दायित्व है। वह क्षेत्र की जनता से लगातार सुझाव लेते रहते हैं, जिससे विकास कार्यों को सही दिशा में आगे बढ़ाया जा सके।

एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंटः अनमोल क्लब व जेआरपीएस क्लब जीते

संवाददाता, बेलाताल

अमृत विचार। अजरन गांव के कुरेले मैदान में चल रहे एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के दसवें दिन दो मैचों का दर्शकों ने आनंद लिया।

पहला मैच जेआरपीएस क्लब और वन विभाग क्लब के बीच हुआ, जिसमें जेआरपीएस क्लब ने 20 रनों से मैच जीतकर दो अंक प्राप्त कर जीत का सिलसिला जारी रखा। दूसरा मैच ब्रह्मानंद क्लब और अनमोल क्लब के बीच खेला गया, जिसमें दोनों ही टीम अंक तालिका में ऊपर चल रही हैं। इस मैच में अनमोल क्लब ने विरोधी टीम को 10 रनों से हराया। विकासखंड जैतपुर के ग्रामीण अचंलों का सबसे लोकप्रिय टूर्नामेट में हो रहे क्रिकेट मैच को देखने के लिए दर्शकों की मैदान के चारों तरफ खासी भीड़ जुट रही है साथ ही खिलाड़ियों की हूटिंग के साथ साथ उनका मनोबल भी बढ़ा रहे हैं।

पहले मैच का आम्पायर ने जेआरपीएस क्लब और वन विभाग क्लब टीमों के कप्तानों के बीच कराया, जिसमें वन विभाग ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का निर्णय लिया। जेआरपीएस क्लब कि टीम के बल्लेबाजों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवरों का तीन विकेट खोकर 120 रन का लक्ष्य वन विभाग टीम के समक्ष रखा और लक्ष्य का पीछा करते हुए वन विभाग के बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन ज्यादा रन होने के कारण टीम 12 ओवर तक संघर्ष करती रही और सात विकेट पर 100 ही बना सकी।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन में पकड़े गये छह वाहन

चित्रकूट। खान निरीक्षक मंटू सिंह ने गुरुवार को राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के सहयोग से अवैध खनन, परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने तीन ट्रक और तीन ट्रैक्टरों को पकड़ा। संबंधित स्टोन क्रशर संचालकों के विरुद्ध थाना सरधुआ, पहाड़ी व कोतवाली कर्वी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

करियर मेले में युवाओं को दी गई जानकारी

मानिकपुर (चित्रकूट)। राजकीय हाईस्कूल ददरी माफी में गुरुवार को करियर मेले का आयोजन किया गया। इसमें उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम ने युवाओं को मन लागकर पढ़ाई करने और मनचाहा पेशा अपनाने को प्रेरित किया। इस मौके पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. शशिकांत त्रिपाठी, प्रधानाचार्य रामेश्वर पांडेय, डा. सनत कुमार द्विवेदी, प्रधानाचार्य भैरो प्रसाद, जिला पुस्तकालय प्रभारी डा. प्रदीप नारायण शुक्ला, सिंचाई विभाग के अभिषेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

चोरों ने कपड़े की गुमटी से किया हाथ साफ

चित्रकूट। बुधवार की रात नई बाजार रेलवे फाटक के पास चोरों ने एक दुकान में हाथ साफ कर दिया। दुकानदार शिवबाबू केशरवानी ने बताया कि वह रोज की तरह बुधवार की रात गुमटीनुमा दुकान बंद करके चले गए। सुबह दुकान पहुंचे तो देखा तो पीछे से गुमटी खुली थी। चोर लगभग पचास हजार के कपड़े और पांच हजार रुपये ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया।

सूटकेस चोरों का पता नहीं लगा पाई पुलिस

चित्रकूट। मानिकपुर निवासी एक महिला का सूटकेस ट्रेन से चोरों ने पार कर दिया। पुलिस अभी तक उसका पता नहीं लगा सकी। जानकारी के मुताबिक महिला संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से चंडीगढ़ से मानिकपुर जा रही थी। कर्वी रेलवे स्टेशन में उसका सूटकेस चोरी हो गया। महिला यात्री ने जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एक सप्ताह बाद भी पुलिस चोरों का सुराग नहीं लगा पाई। पीड़िता के मुताबिक, सूटकेस में लगभग छह लाख के जेवर और आठ हजार रुपये थे। पीड़िता के मुताबिक, पुलिस इस मामले में हीलाहवाली कर रही है।

शोरूम के उद्घाटन में मची अफरातफरी

चित्रकूट। शहर के लक्ष्मणपुरी इलाके में गुरुवार को एक शोरूम के उद्घाटन के दौरान कुछ देर को अफरातफरी मच गई। शोरूम संचालक ने बताया कि मंशा केवल ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता के कपड़े किफायती दामों पर उपलब्ध कराने की थी। इसकी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी गई थी। बताया कि उम्मीद से कहीं ज्यादा संख्या में लोग पहुंचने से सड़क पर भीड़ बढ़ गई, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। स्थिति की जानकारी मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। एहतियातन पुलिस के निर्देश पर शोरूम को अस्थायी रूप से बंद किया गया। शोरूम संचालक ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार का फर्जी या भ्रामक प्रचार नहीं किया गया था और वह प्रशासन के हर निर्देश का पालन करने को तैयार है।

तुलसीतीर्थ में गरजा बुलडोजर, कब्जे ढहाए

नोटिस के बाद भी ध्यान नहीं दिया गया : उपजिलाधिकारी

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। तुलसीतीर्थ में गुरुवार को उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव की देखरेख में अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया गया। एसडीएम ने कहाकि अतिक्रमणकारियों को 15 दिन पहले नोटिस दी गई थी पर इन्होंने कब्जे नहीं हटाए। दुकानदारों को चेतावनी दी गई है कि अब सड़क अथवा नाली पटरी पर अतिक्रमण किया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह भी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। एसडीएम की अगुवाई में मानस मंदिर रोड तथा यमुना रोड में अवैध कब्जे ढहाए गए। उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकारियों को 15 दिन पहले नोटिस दी गई थी। इसके बाद भी इन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया तो तुलसी चौक, तुलसी इंटर कालेज रोड, यमुना रोड, तुलसी स्मारक रोड पर बुलडोजर से अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया गया। बताया कि जब तक अतिक्रमण पूरी तरह से नहीं हटेगा, तब तक यह अभियान चलता रहेगा। अभियान से मानस मंदिर रोड, यमुना रोड के सब्जी विक्रेताओं तथा ठेले लगाने वाले लोगों में अफरातफरी मच गई। तमाम लोग अपना सामान लेकर भागते नजर आए। एसडीएम ने बताया कि तुलसीतीर्थ में दर्शनार्थियों का आवागमन बना रहता है लेकिन अतिक्रमण से इनको परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने नगरवासियों व व्यापारियों से अतिक्रमण हटाओ अभियान में सहयोग करने की अपील की है। इस अभियान में किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत के विस्तारित क्षेत्र में भी अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया जाएगा।

अतिक्रमणरोधी अभियान के दौरान निर्देश देते उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव।

नगर पंचायत की मंडी में लगाएं दुकानें

- एसडीएम ने बताया कि दुकानदारों को चेतावनी दी गई थी कि नगर पंचायत की दुकानों में सब्जी की दुकानें लगाएं। कई दुकानदारों को स्थानांतरित किया गया था लेकिन कुछ दुकानदार अभी भी रोड की पटरी पर दुकानें लगा रहे हैं। इनको चेतावनी दी गई है कि रोड और पटरी खाली रखें। एसडीएम ने दुकानदारों से कहा कि छह दिन के अंदर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत से संपर्क कर दुकानों का आवंटन करा लें। 23 दिसंबर को नीलामी भी कराई जाएगी। ऐसा न करने वाले दुकानदारों का सामान जब्त कर लिया जाएगा।

गायत्री परिवार के यज्ञ में साहित्यिक आहुति

सीतापुर। अखिल भारतीय गायत्री परिवार के 151 कुंडीय महायज्ञ के पहले दिन की शाम में कवि सम्मेलन में साहित्यिक आहुतियां दीं। गीतकार श्रीनारायण तिवारी ने मां सरस्वती वंदना की। उन्नाव के कवि सूर्यकांत मौर्य 'अंगारा', हरिमोहन राय, राजेंद्र पांडेय, संदीप श्रीवास्तव आदि ने भी अपनी कविताएं सुनाईं। संचालन युवा गीतकार दिनेश दीक्षित 'संघर्षी' ने किया।

कानूनगो का रुपये लेते वीडियो वायरल

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। तहसील में तैनात एक कानूनगो का रुपये लेने का वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया। उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव ने बताया कि वीडियो प्रथमदृष्टया सही पाया गया है।

वीडियो में कानूनगो राजेंद्र सिंह छीबों गांव के एक किसान से जमीन नापने के नाम पर 900 रुपये लेते हुए दिखाई दे रहे हैं (हालांकि 'अमृत विचार' इसकी पुष्टि नहीं करता है)। वीडियो सामने आने के बाद तहसील में हड़कंप मच गया। वीडियो में राजस्व निरीक्षक छीबों निवासी किसान गेंदे लाल के पुत्र महेश कुमार जमीन नाप कराने को लेकर कानूनगो को रुपये देते हुए नजर आ रहे हैं। बीते दिनों किसान जिलाधिकारी कार्यालय जाकर जमीन की पैमाइश कराने की मांग भी कर चुका है। आरोप है कि इसके बाद किसान राजापुर तहसील पहुंचा और इसी दौरान कानूनगो ने उससे नकद धनराशि ली। सबसे गंभीर बात यह है कि पैसे लेने के बाद भी किसान की जमीन की पैमाइश नहीं की। किसानों का आरोप है कि हदबंदी, खतौनी, नामांतरण जैसे भूमि संबंधी कार्यों में अवैध वसूली आम बात हो गई है। एसडीएम फूलचंद्र यादव का कहना है कि जांच में वीडियो प्रथमदृष्टया सही पाया गया। इस संबंध में राजस्व निरीक्षक के खिलाफ जांच रिपोर्ट डीएम को भेज दी गई है।

खड़ंजा अधबना, दिन में एक बार ही होती जलापूर्ति

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल यादव ने गुरुवार को जल जीवन मिशन के तहत चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना का निरीक्षण किया। सिकरीसानी के प्रधान गीताराम सेन ने बताया कि गांव में खड़ंजा अभी अधबना है और दिन में एक बार जलापूर्ति होती है।

एडीएम ने मुआयने के दौरान ग्रामीणों से जलापूर्ति और पाइप लाइन डालने के दौरान खुदी सड़कों के पुनर्निर्माण की जानकारी ली। मुआयने के दौरान जल निगम ग्रामीण के जेई अभिजीत यादव, टीपीआई के इंजीनियर अमर पांडेय, एलएंडटी के साइट इंजीनियर राजीव रंजन आदि मौजूद रहे। अभियंताओं ने बताया कि सिकरी सानी में 102 कनेक्शन हैं और इनमें पेयजलापूर्ति हो रही है। पाइप लाइन बिछाने के दौरान 950 मीटर क्षतिग्रस्त रोड के सापेक्ष 750 मीटर की मरम्मत करा दी गई है। हर्रा गांव में अभियंताओं ने बताया कि यहां 98 कनेक्शन हैं और 60 में जलापूर्ति हो रही है। पाइपलाइन बिछाने के दौरान 550 मीटर क्षतिग्रस्त रोड के सापेक्ष 480 मीटर की मरम्मत कराई जा चुकी है। एडीएम ने कार्यदायी संस्थाओं एल एंड टी, टीपीआई एवं जल निगम के जूनियर इंजीनियरों को निर्देशित किया कि दोनों गांवों के सभी घरों में कनेक्शन एवं क्षतिग्रस्त रोड मरम्मत 15 दिन में पूरी कराएं।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, कानपुर नगर।

पत्रांक: C-264/जि0का0अ0/25–26 दिनांक: 18/12/2025

सूचना/विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद के शहरी क्षेत्र में बाल विकास परियोजना शहर प्रथम के कार्यालय हेतु किराये के भवन की आवश्यकता है, जिसका कारपेट ऐरिया 1190 वर्ग फिट होना आवश्यक है, जिसमें 2 कमरे, पोषाहार रखने हेतु 1 गोदाम, बिजली, स्वच्छ पेयजल, बाथरूम की व्यवस्था हो। भवन का कवर्ड ऐरिया का किराया सरकारी दर के अनुसार किया जायेगा। प्रस्ताव जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक 28.12.2025 होगी। विस्तृत जानकारी बाल विकास परियोजना कार्यालय शहर प्रथम 127/620/15 तुलसी विहार केशव नगर कानपुर नगर से प्राप्त कर वही पर आवेदन पत्र जमा किये जा सकते है।

(प्रीति सिन्हा)
जिला कार्यक्रम अधिकारी,
कानपुर नगर।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

गैरहाजिर दो कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोका

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने गुरुवार को विकास खंड कर्वी की बहुद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति का मौका मुआयना किया। डीएम ने किसानों से बात की और खाद वितरण में किसी तरह की दिक्कत न होने का आश्वासन दिया। उधर, आनलाइन उपस्थिति में गैरहाजिर होने पर डीएम ने दो कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

डीएम के निरीक्षण के समय समिति खुली मिली। सचिव मनीलाल भी मौजूद मिले। सचिव ने बताया कि समिति से 12.600 मीट्रिक टन यूरिया तथा एपीएस 12.450 मीट्रिक टन उपलब्ध है। 60 किसानों को 131 बोरी यूरिया तथा एक बोरी एपीएस बांटी गई। जिलाधिकारी ने किसानों शारदा प्रसाद निवासी सोनेपुर, रामनरेश निवासी ग्राम कोलगदहिया से खाद वितरण की जानकारी ली। समिति पर किसी अन्य उर्वरक उत्पाद नैनो यूरिया, नैनो डीएपी तथा सल्फर की टैगिंग नहीं पाई गई। इस मौके पर राजेंद्र कुमार सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, राजपति शुक्ला जिला कृषि अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने किसानों की मांग एवं जोत के आधार पर उर्वरकों का वितरण किए जाने तथा समिति पर बैठने के लिए बेंच आदि की व्यवस्था के साथ समिति प्रातः नौ बजे से खोले जाने के लिए निर्देशित किया। गौरतलब है कि बीते दिन किसान दिवस की बैठक में डीएम ने निर्देश दिए थे कि सहकारी समिति में तैनात सचिवों की प्रातः नौ बजे आनलाइन उपस्थिति ली जाए। इसी क्रम में गुरुवार को अनिल कुमार पांडेय कैडर सचिव बी पैक्स सरधुआ व सुभाष सिंह आंकिक /प्रभारी बी पैक्स परसौंजा अनुपस्थित पाए गए। डीएम ने दोनों कर्मचारियों का 18 दिसंबर का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता को दिए। सभी सचिवों, उर्वरक बिक्री केंद्र प्रभारियों को निर्धारित समयावधि प्रातः नौ बजे तक केंद्रों पर मौजूद होकर नियमानुसार उर्वरकों की बिक्री किए जाने के लिए निर्देशित किया।

खाद वितरण केंद्र में किसानों से बात करते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग। अमृत विचार

आंवला व नींबू के बाग लगाएं और अनुदान लें किसान

- **चित्रकूट।** जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला औद्यानिक मिशन समिति की बैठक हुई। इस मौके पर किसानों को अनुदान की जानकारी देते हुए आंवला और नींबू के बाग लगाने पर जोर दिया गया। जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय ने योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बताया कि बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्र औद्यानिक विकास योजना के अंतर्गत किसानों को आंवला एवं नींबू के बाग लगाने पर विभाग द्वारा 3000 रुपये प्रति माह की दर से प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उप कृषि निदेशक ने किसानों को नींबू एवं आंवला के ज्यादा से ज्यादा बाग लगाने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विभागीय योजनाओं का जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक कृषकों को औद्यानिक योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। बैठक में डीएन पांडेय मुख्य विकास अधिकारी, अनुराग शर्मा प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक, डा. पुष्पेंद्र सिंह दीक्षित वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां, रमेश सिंह वरिष्ठ कोषाधिकारी, ओमप्रकाश मिश्रा उपायुक्त एनआरएलएम, सत्यराम यादव परियोजना निदेशक/जिला विकास अधिकारी, प्रगतिशील कृषक लव सिंह, फूलचंद्र, बबलू तिवारी आदि मौजूद रहे।

बार चुनाव : घोषणा से बढ़ी सरगर्मी

कार्यालय, संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चहल-पहल तेज हो गई। शुक्रवार को सदस्यता शुल्क जमा करने का दिन था। उधर, अधिवक्ताओं ने बैठक की और संभावित प्रत्याशियों की दावेदारी और प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने पर चर्चा की।

गौरतलब है कि अगले साल पांच जनवरी को अधिवक्ता संघ के नए जिलाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के लिए चुनाव होगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही संभावित प्रत्याशी मतदाताओं के बीच पैठ बनाने में जुट गए हैं। इसी क्रम में अधिवक्ताओं की बैठक हुई। इसमें संभावना जताई गई कि अध्यक्ष पद के लिए संभवतः पांच प्रत्याशी सामने आ सकते हैं। इसी प्रकार महासचिव और कोषाध्यक्ष पद पर चार-चार प्रत्याशियों के मैदान में आने की बात कही जा रही है। जिला प्रभारी एडवोकेट कौंसिल ऑफ़ इंडिया रामप्रकाश पांडेय ने बताया कि इस बार सदस्यता शुल्क जमा करने के साथ शपथ पत्र और सीओपी कार्ड की अनिवार्यता की गई है। अधिवक्ताओं की बैठक में प्रमुख रूप से वर्तमान जिला कार्यकारिणी के साथ एल्डर कमेटी के चेयरमैन बुआराम शुक्ला, रामप्रसाद सिंह, सुशील त्रिपाठी,चंद्रपाल पाल, पंकज त्रिपाठी, आनंद मिश्रा, नरेंद्र सिंह लल्ला, रोहित सिंह, लक्ष्मण त्रिपाठी, पूर्व महामंत्री विजय त्रिपाठी, सुशील मिश्रा मौजूद रहे।

नाबालिग से दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

पहाड़ी। पुलिस ने नाबालिग से दुराचार के आरोपी को गिरफ्तार किया। 15 दिसंबर को एक ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि लोटन पुत्र राजाभइया उसकी 17 वर्षीया पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया। गुरुवार को एसआई श्याम देव सिंह ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी लोटन को चौरा मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, विवेचना के क्रम में न्यायालय के समक्ष पीड़िता के बयान व पीड़िता की उम्र 18 वर्ष से कम होने के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।

माइनर ओवरफ्लो होने से 50 बीघा फसल जलमग्न

सिरसा कलार जालौन। विकासखंड कुठौंद क्षेत्र के हरसिंहपुर माइनर की सफाई न होने से माइनर ओवरफ्लो हो गया। इसके चलते किसानों की पचास बीघा गेहूं की फसल जलमग्न हो गई है। इससे फसल सड़ने का खतर बढ़ रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि माइनर की सफाई सिर्फ और सिर्फ कागजों पर हुई है। हरसिंहपुर माइनर ओवरफ्लो होने से खोडन और सिरसा कलार के किसान अवनीश, मुन्ना, सुरेश, सत्यम, भारत ,तुलाराम व राजेंद्र का कहना है कि विभागीय लापरवाही का नतीजा किसान भुगत रहे हैं। वहीं किसानों का कहना है कि खेतों में माइनर का पानी भर गया है। इसके चलते गेहूं की फसल जलमग्न हो गई है।

मिली राहत न्यू लोक कल्याण समिति की ओर से किया गया नेक कार्य

गरीबों को कंबल और बच्चों को बांटे स्वेटर

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। गरीब, असहाय और निर्धन लोगों को इस भीषण सर्दी से राहत देने के लिये न्यू लोक कल्याण समिति की ओर से 120 लोगों को कंबल तथा 35 स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किये गये। साथ ही एक दर्जन से अधिक महिलाओं को शाल भेंट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश चन्द्र वर्मा व संचालन आशुतोष मिश्रा द्वारा किया गया। वहीं वहां पर मौजूद लोगों ने समिति के इस नेक कार्य की जमकर सराहना की।

गुरुवार को खादी ग्राम उद्योग प्रशिक्षण केन्द्र कालपी में न्यू लोक कल्याण समिति की ओर से गरीब व निर्धन लोगों को कंबल और स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किये गये। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी ने नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा सेवा समिति स्कूल के 10 बच्चों, ठक्कर बापा इण्टर कालेज के 5 बच्चों, नगर पालिका बालिका इण्टर कालेज की 5 बच्चियों व एमएसवी इण्टर कालेज के बच्चों सहित 35 स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित किये गये। इसके अलावा निर्धन और गरीब वर्ग की रामश्री, रन्नो, कुसमा, पार्वती, कलावती, उदनीया, देवीदयाल, फूलन देवी समेत 120 लोगों को कम्बल वितरित किये गये तथा 1 दर्जन से अधिक महिलाओं को साल भेंट किये गये। इसी के साथ लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को भी समिति की ओर से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आशीष चतुर्वेदी ने कहाकि संस्था का यह कार्य सराहनीय है। इस तरह के कार्य करना हर किसी के बस की बात नहीं है। वहीं संस्था के अध्यक्ष सुरेश चन्द्र वर्मा ने कहाकि जब से स्काउट टीचर से सेवानिवृत्त हुआ हूं तब से उनका संगठन हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम करते हुये गरीब बच्चों को कापी किताबें व बस्ता कंबल,स्वेटर,साल वितरण व बाढ़ पीड़ितों को भोजन व्यवस्था तथा हिन्दू मुस्लिम त्योहारों में कैम्प लगाकर जनसेवा करना उनका उद्देश्य है । साथ ही उन्होंने कहा कि इस संस्था की मजबूत कड़ी संगठन के महामंत्री आसिफ कुरैशी हैं । इस दौरान शिव बालक सिंह यादव, प्रदीप गांधी, रियाजुल हक सभासद, धर्मेन्द्र पाल सभासद प्रतिनिधि, कपिल शुक्ला सभासद, लल्लू सभासद प्रतिनिधि, अमर सिंह चन्देल, आनन्द गुप्ता, इमरान , अर्जुन आदि समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

असहाय लोगों को कंबल वितरित करते आयोजक। अमृत विचार

पांच जून तक अपलोड करें वक्फ संपत्तियां

संवाददाता कालपी जालौन

- 6 माह का समय बढ़ने से मुस्लिम समाज ने ली राहत की सांस

अमृत विचार। उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्ति दर्ज कराने मे नाकाम रहे हो तो परेशान न हो वक़्फ़ बोर्ड ने इसकी तारीख 5 दिसम्बर से बढ़ाकर 5 जून 2026 कर दी है। इसके चलते मुस्लिम समाज ने राहत की सांस ली है।

उत्तर प्रदेश सेंट्रल वक्फ़ बोर्ड ने उम्मीद पोर्टल पर वक्फ़ की संपत्तियों को दर्ज करने की तारीख 6 दिसंबर 2025 तक निधार्रित की थी जिसे 6 दिसंबर को ही बंद कर दिया गया था, लेकिन उसमें बहुत सारी जायदादें दर्ज होने से रह गई थीं जिसके कारण उसकी तारीख को बढ़ाकर 5 जून 2026 तक कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सेंट्रल वक्फ बोर्ड के नामित कोऑर्डिनेटर अल्हाज हाफिज इरशाद अशरफी ने बैठक करके लोगों को बताया कि जब इस पोर्टल को बंद कर दिया गया था और इसमें काफी लोगों की जायदादें दर्ज होने से रह गई थीं तब हर जगह से लोगों ने इसकी तारीख को आगे बढ़ाने की मांग रखी थी। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश वक्फ ट्रिब्यूनल लखनऊ ने लोगों की मांगों को ध्यान में रखते हुए इसे 5 जून 2026 तक बढ़ा दिया है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुफ्ती तारिक बरकती ने लोगों से अपील की कि आप लोग मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान, इमामबाड़े, दरगाह वगैरह को जो पहले रह गई हो उसे अब इस तारीख से पहले जरूर चढ़वा लें। इस मौके पर कारी जरीफ खान, हाफिज वसीम, हाफिज रहे।

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का अंकपत्र अनुक्रमांक 2500875 कही गायब हो गया है काफी तलाश के बाद भी नहीं मिला अगर किसी को मिले तो हमारे पते पर भेजने की कृपा करे । **बलराम मौर्या परशा शाह आलम भीमापार सिद्धार्थनगर मो नं0 – 9540107973**

सूचना
मैने अपना नाम LALA MOHAMMAD से बदलकर LAL MOHAMMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-PIR MOHAMMAD ADD-RANI KATRA, VTC:RANIKATRA, PO: RANIKATRA, DIST-BARABANKI-225415 (U.P.)

सूचना
आधार कार्ड और सरकारी गैर सरकारी अभिलेखों में मेरा नाम धर्मराज दर्ज है, त्रुटिवश बैंक खाते में मेरा उपनाम धर्मदास दर्ज हो गया है। धर्मराज और धर्मदास यह दोनों मेरा ही नाम है। भविष्य में मुझें धर्मराज के नाम से जाना पहचाना जाय। **धर्मराज पुत्र बच्चाराम ग्राम मधईपुर कुर्मी, खेमा पुरवा, ब्लाक व थाना–परसपुर, तहसील करनैलगंज, जिला गोण्डा।**

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD HAMEED से बदलकर MO HAMEED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RASOOL BAKS R-0-AZAD NAGAR, MOHAN DIST-UNNAO-229881(U.P.)

सूचना
मैने अपने (माइनर) पुत्री का नाम ARHAMA से बदलकर ARHAMA KHAN रख लिया है। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। D/0-ADIL ADD-152/77 RASSI BATAN MOLVI GANJ, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम NASREEN FATMA से बदलकर NASREEN BEGUM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SHAKEEL AHMAD ADD-A-340/4, KARELI, POST-GBT NAGAR DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211016 (U.P.)

सूचना
मैने अपने (माइनर) पुत्र ARHAM का नाम बदलकर MOHAMMAD ARHAM KHAN रख लिया है। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ADIL ADD-152/77 RASSI BATAN MOLVI GANJ, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम SOAIB AHMED ANSARI से बदलकर SHAKEEL AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-JAMEEL AHMAD ADD-A-340/4, KARELI, POST-GTB NAGAR DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211016 (U.P.)

सूचना
पहले मेरा नाम HABEEBA KHANAM था अब मैंने बदलकर अपना नाम HABIBA BEGUM रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O: IQBAL HASAN R/O: 8B/3C/1C, Karamat Ki Chauki, Kareli, PRAYAGRAJ - 211016 (U.P.)

सूचना
मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम विधा राम गलत अंकित हो गया है। जबकि सही नाम विद्याराम है। विद्याराम नाम से ही अंकित किया जाए। **विद्याराम पुत्र नत्था ग्राम सिंगरी,पोस्ट हमीरपुर उमर्दा कन्नौज।**

सूचना
मैने अपना नाम TUFAIL AHAMAD से बदलकर TUFEL AHAMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO AFJAL ADD-VILL AND POST-ACHHAICHHA DIST-BARABANKI-225208 (U.P.)

सूचना
पहले मेरा नाम Mo Afzal Ansari था अब मैने बदलकर अपना नाम Mohd Afzal Ansari रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O Jinnat Ali , vill pure ramdev post shivpur dist pratapgarh 230401

सूचना
पहले मेरा नाम NISHAR AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम NISAR AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-ABDUL KHALIQ R/O- SALEEM MUNSI KE PAAS SHEKH 1, DEWAN, POST DEWA SHARIF BARABANKI-225301

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुखबीर सिंह पुत्र स्व रतन सिंह मकान नं0 301 फिरोज गांधी नगर, जिला रायबरेली का रहने वाला हूं। मेरे मकान संबंधी आवंटन और कब्जा के दस्तावेज फोटोस्टेट कराते समय वास्तव में कहीं खो गया है। जो कि किसी बैंक व वित्तीय संस्थान में बंधक नहीं हैं।

सूचना
सूचित हो कि मैंने अपनी पुत्री के पुराने नाम से पूर्वी मिश्रा का बर्थ सर्टिफिकेट व पोस्ट आफिस में सुकन्या बचत खाता (पुराना नं0–70071093 व नया नं0–7171858289) खुलवाया था। जबकि स्कूल में मेरी पुत्री का नया नाम आरना मिश्रा है जो कि उसके आधार कार्ड सं0–997925901514 में दर्ज है। अतः मेरी पुत्री के उपरोक्त सुकन्या बचत खाते में उसके पुराने नाम पूर्वी मिश्रा के स्थान पर नया नाम आरना मिश्रा अंकित किया जाये साथ ही बर्थ सर्टिफिकेट में भी साथ ही अन्य सरकारी दस्तावेजों में भी संशोधित किया जाए। **आदित्य नाथ मिश्रा निवासी–85/011, (85/004), विश्वकर्मा मन्दिर लेन, कटरा मकबूलगंज, लखनऊ, उ0प्र0–226018**

सूचना
मैं **नरेन्द्र कुमार सुत स्व.गया प्रसाद व लक्ष्मी कुमारी पत्नी नरेन्द्र कुमार नि. ग्राम – इटौरा, पो. – बाबागंज,तहसील – कुंडा, जनपद – प्रतापगढ़,** अपने पुत्र सुनीत कुमार उर्फ सोनू व पुत्र वधू माया देवी पत्नी सुनीत कुमार उर्फ सोनू से आजिज आ गया हूँ। मैं दोनों को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। इनके द्वारा किए गए कोई कार्य,धर्म अधर्म, कर्ज, सामाजिक,आर्थिक अथवा किसी भी प्रकार के विवाद से हमारा कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।

अमृत विचार

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

संघर्ष से मुझमें आत्मविश्वास पैदा हुआ, जो पहले मुझमें नहीं था।

–सुभाष चंद्र बोस

सुधार का विस्तार हो

दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा पर न्यायालय की सक्रियता और उसके निर्देशों का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण हर साल दोहराई जाने वाली समस्या बन चुकी है। इसे काबू करने के लिए तत्काल जरूरी उपायों के अलावा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दीर्घकालिक उपायों की रणनीति की समीक्षा कर उसे अभी से मजबूत करे, ताकि अगले वर्ष ऐसी स्थिति न आए। सवाल यह नहीं कि अदालती आदेश के बाद दिल्ली की हवा सुधरेगी या नहीं; बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह सुधार टिकाऊ होगा और क्या इसका दायरा दिल्ली से आगे बढ़ेगा? क्योंकि महज दिल्ली ही देश नहीं है। देश के दर्जनों शहर- कानपुर, लखनऊ, पटना, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद की हवा दिल्ली से कम विषैली नहीं। इन शहरों के लिए अदालत कब विचार करेगी और सरकारें कब चेतेंगी?

हवा को शुद्ध करने से पहले उसकी अशुद्धि मापना अनिवार्य है। देश के लगभग 50 प्रतिशत शहरों में पीएम 2.5 का मापन ही नहीं होता। 64 प्रतिशत जिले मॉनिटरिंग नेटवर्क से बाहर हैं। महानगरों में भी 22 से 55 प्रतिशत शहरी इलाके कवरेज से बाहर हैं और मात्र 2 प्रतिशत आबादी ही किसी मॉनिटरिंग स्टेशन के दो किलोमीटर के दायरे में रहती है। जब देश का दो प्रतिशत से भी कम हिस्सा सीधे मॉनिटरिंग कवरेज में हो और 10 किलोमीटर त्रिज्या जोड़ने पर भी यह हिस्सा दस प्रतिशत तक पहुंचे तो इतने कम सैंपल से राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता का आकलन कैसे विश्वसनीय होगा? 289 शहरों के मैनुअल मॉनिटरिंग स्टेशन सप्ताह में केवल दो बार एयर सैंपल लेते हैं। यह तकनीकी अक्षमता नीतिगत अंधेपन को जन्म देती है। मैनुअल स्टेशनों को स्वचालित, रियल-टाइम सेंसर में बदले बिना और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना न चेतावनी समय पर जा सकती है, न उपचार सटीक होगा। आज स्थिति यह है कि देश की केवल 15 प्रतिशत आबादी ही रियल-टाइम मॉनिटरिंग के 10 किलोमीटर दायरे में है। इस कवरेज को 50 प्रतिशत तक ले जाने के लिए हजारों नए स्टेशन चाहिए और इसके लिए स्पष्ट टाइमलाइन, बजट और जवाबदेही तय करनी होगी। इस अक्षमता के चलते 85 प्रतिशत शहर समय पर एयर-क्वालिटी अलर्ट जारी करने में अक्षम हैं। इसके लिए डेटा इंटीग्रेशन, नगर-स्तरीय कंट्रोल रूम, स्कूलों-अस्पतालों के लिए प्रोटोकॉल और मोबाइल-आधारित चेतावनी प्रणालियां जरूरी हैं। उतना ही जरूरी है मॉनिटरिंग स्टेशनों का नियमित ऑडिट। क्या वे तय मानक प्रोटोकॉल पर काम कर रहे हैं, सेंसर कैलिब्रेट हैं या नहीं, यह पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किया जाए।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी महज पर्यावरण मंत्रालय पर छोड़ कर वाणिज्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य, उद्योग, रेलवे, शिक्षा और शहरी विकास मंत्रालयों की भी स्पष्ट भूमिकाएं तय होनी चाहिए। प्रदूषण कोई स्थानीय आपदा नहीं, यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल है। इसे केवल न्यायालयों के भरोसे छोड़ना शासन की विफलता मानी जाएगी। अतीत गवाह है, सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालयों की फटकार से कुछ तात्कालिक कदम उठते हैं, पर जड़ में जाकर समस्या सुलझाने की राजनीतिक-प्रशासनिक इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है।

अब मनरेगा पर मचा सियासी घमासान

विवेक सक्सेना

अयोध्या

मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। इससे संसद में बवाल मच गया है। मनरेगा का नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है। शुरुआत में इस योजना का नाम नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (नरेगा) था। वर्ष 2009 में यूपीए सरकार ने इसमें बदलाव किया और महात्मा गांधी का नाम जोड़ा।

इसके बाद यह महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) कहलाने लगी। दोनों एक ही योजना हैं और नाम बदलने का उद्देश्य गांधीजी के ग्राम स्वराज के विचारों से इसे जोड़ना था। आजकल लोग इसे आमतौर पर मनरेगा ही कहते हैं। यह योजना साल 2005 में यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अगुवाई में शुरू हुई। उस समय गांवों में काम की कमी के कारण लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे थे।

इस योजना का उद्देश्य गांवों में गरीबी कम करना, बेरोजगारी दूर करना और लोगों को गांव में ही सम्मानजनक काम और कमाई देना था। पहले की कई योजनाओं, जैसे- जवाहर रोजगार योजना और संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना को मिलाकर इसे नया और मजबूत रूप दिया गया था। गांवों में रहने वाले जरूरतमंद और मेहनतकश परिवारों के लिए मनरेगा एक ऐसी सरकारी योजना है, जो जीवन का सहारा बन चुकी है। यह योजना ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी और गरीबी से लड़ने का सबसे मजबूत हथियार है।

दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना के रूप में जानी जाने वाली मनरेगा लाखों लोगों को साल भर में काम और कमाई का भरोसा देती है। यह न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि गांवों का विकास भी करती है। अब केंद्र सरकार इस योजना का नाम बदलने जा रही है। अब इसको शॉर्ट में जी राम जी कहा जा रहा है, जिसको लेकर बवाल मचा है। सरकार का तर्क है कि इससे खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों को संतुलित तरीके से मजबूती मिलेगी। रोजगार गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने का भी प्रावधान है। ग्रामीण परिवारों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा, लेकिन राज्यों को खर्च का 10-40% वहन करना होगा। फसल के मौसम में काम नहीं मिलेगा, जिससे कृषि कार्यों में मजदूरों की कमी न हो।

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को नए सांचे में ढालने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार का दावा है कि यह बिल 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मजबूत करेगा। नए बिल में यह भी प्रस्ताव है कि बुवाई और कटाई के मौसम के करीब 60 दिनों में इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा, ताकि कृषि कार्यों के दौरान मजदूरों की कमी न हो। वहीं इस बदलाव पर सियासी बहस तेज हो गई है।

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि 'राम' शब्द पर विपक्ष का विरोध उनकी सोच दर्शाता है। योजना में सुधार जैसे ग्राम पंचायत योजनाओं को पीएम गति शक्ति से जोड़ना, जल संरक्षण पर जोर, बुआई-कटाई में काम रोकना और बायोमेट्रिक सत्यापन से फर्जीवाड़ा रुकना ग्रामीण आय व इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और मजदूरों को अधिक रोजगार उपलब्ध होगा।

विपक्ष ने इस बिल को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि इससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और गरीबों का नुकसान होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह कानून मनरेगा को केंद्र के नियंत्रण का औजार बना देगा। बजट और नियम केंद्र तय करेगा, जबकि राज्यों पर अतिरिक्त बोझ डाला जाएगा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को यह योजना हमेशा खटकती रही और 10 सालों से इसे कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। आज वो मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सरकार पर योजनाओं के नाम बदलने की 'सनक' का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी, बल्कि राज्यों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होगा। बिहार में भी इस बिल को लेकर सियासत गर्म है। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि केंद्र सरकार का कोई नया विजन नहीं है और वह यूपीए काल की योजनाओं का नाम बदलकर अपनी उपलब्धि बता रही है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि महात्मा गांधी केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रेरणा हैं। बापू रामराज की स्थापना की बात कहते थे। पता नहीं 'विकसित भारत- जी राम जी' के नाम पर विपक्ष क्यों भड़क गया। उनका संकल्प था कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण हो। उन्होंने दावा किया कि यह बिल गरीबों के सम्मान और गांधीजी के सपनों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

यह भी उल्लेखनीय है कि मजदूरी के दिवस बढ़ाने के साथ राज्यों को वर्ष में 60 दिन काम रोकने का अधिकार दिया गया है। इसकी मांग भी होती थी। सरकार इस अधिनियम में बदलाव के जरिए ग्रामीण विकास को एक ऐसी दिशा देना चाहती है, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उचित यह होगा कि संसद में इस विधेयक के गुण-दोष के आधार पर व्यापक बहस हो, जिससे कि इस अधिनियम को कहीं प्रभावी रूप दिया जा सके। सुधार की पहल के अतिरंजित विरोध से बचा जाना चाहिए।

मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है।

आमने

अधिकारियों का काम था कि फोटो से सत्यापित करके लाते। उन (नीतीश कुमार) के दिमाग में रहा होगा कि वही हैं या कोई अलग हैं, इसलिए हिजाब हटा दिया होगा। इसे अलग तरह से नहीं लेना चाहिए। नकाब पर आप लोग इतना कह रहे हैं। कहीं चेहरा-वेहरा छू लेते तब क्या करते आप लोग?

–संजय निषाद
मंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

ये इनकी महिला विरोधी सोच को दिखाता है। एक गलत काम को सही साबित करने के लिए एक महिला की इज्जत को, उसके सम्मान को दरकिनार किया जा रहा है। चाहे वो बीजेपी हो या बीजेपी के सहयोगी दल। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, ये सब महिला विरोधी मानसिकता वाले लोग हैं।

–प्रियंका चतुर्वेदी
नेता, शिवसेना (यूबीटी)

2025 के तीन बड़े आर्थिक सुधार और उम्मीदें

प्रो. एचसी पुरोहित

दून विश्वविद्यालय

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, क्योंकि इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलेगी। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा देश की श्रम शक्ति को समर्पित लंबे अंतराल के बाद श्रम कानून में सुधार की तीन श्रम संहिताएं प्रमुख हैं। इन सुधारों का असर दिखना शुरू हो गया है। आज विश्व में तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख टेक कंपनियां भारत में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। हाल के वर्षों में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़न जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में कई अरब डॉलर निवेश की परियोजनाएं प्रारंभ करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह निवेश तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने, विनिर्माण को गतिशील बनाने के साथ ही रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगा।

निवेशकों का यह उत्साह वैश्विक स्तर पर भारत की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता तथा अन्य देशों की तुलना में अधिक विश्वसनीयता को समझा जा सकता है। तकनीकी क्षेत्र की इन तीन कंपनियों द्वारा भारत में तेजी से उभरते डिजिटल बाजार में निवेश की योजना, भारत की विकासोन्मुखी और निवेश-अनुकूल नीति को भी प्रदर्शित करती है। तकनीकी परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार सृजन के साथ-साथ एआई, क्लाउड, मशीन लर्निंग, डेटा प्रोसेसिंग-प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तकनीकी कौशल प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे, जो औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के सुचारु संचालन में सहायक होंगे। देश में डिजिटल केंद्रों के विस्तार से नागरिक सेवाओं का विस्तार और उनका सुचारु संचालन संभव होगा। विशेष तौर पर कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, स्वास्थ्य, ट्रैफिक, बैंकिंग, शिक्षा, बीमा इत्यादि सेवाओं के संचालन को एआई की मदद से गति मिलेगी, जिससे आर्थिक अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ना तय है।

भारत के उपभोक्ता वैश्विक आशावाद में सबसे आगे हैं, जैसा कि बीसीजी ग्लोबल कंज्यूमर रडार की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि ऑटोमोबाइल और मोबाइल जैसी वस्तुओं के क्रय में उनका खर्च करने का इरादा है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट है कि 62% भारतीय उपभोक्ता दैनिक जीवन की खरीदारी के लिए जेनरेटिव एआई (Generative AI) टूल का उपयोग कर रहे हैं, इस कारण भारत उपभोग के लिए एआई अपनाने में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश बन गया है।

भारत के उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति विश्वास और खर्च करने का इरादा भारत के घरेलू उपभोग चक्र में महत्वपूर्ण वृद्धि ला रहा है। इससे ऑटोमोबाइल, मोबाइल उपकरण और खुदरा क्षेत्रों को लाभ होने की संभावना है। उपभोक्ताओं की इस प्रवृत्ति का लाभ उठाने में वे ब्रांड या कंपनियां सर्वोत्तम स्थिति में होंगे, जो तकनीकी मदद से वस्तुओं का क्रय-विक्रय कर रहे हैं। भारतीय उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति यह लचीलापन देश का एक मजबूत आर्थिक आधार एवं पारदर्शी तंत्र का संदेश देता है।

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। एडीबी की रिपोर्ट से पूर्व फिच और आरबीआई ने भी भारत की विकास को तेज गति से बढ़ने का पूर्वानुमान किया है। इसका प्रमुख कारण भारत की दीर्घकालीन सुधारवादी नीतियां हैं, जिनके कारण विनिर्माण क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन भी निरंतर सुधर रहा है, जो अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को गतिशील बनाए रखने में सहायक हो रहा है।

इस वर्ष हुए तीन बड़े सुधारों का आर्थिक मोर्चे पर प्रभाव आने वाले समय में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के जारी रहने से घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को लगातार गति मिल रही है और इस योजना का असर पिछले कुछ वर्षों के निर्यात में भी दिखा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ दर बढ़ने के बावजूद भी भारत का निर्यात 19.3 फीसदी बढ़कर छह माह के उच्चतम स्तर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंचा है और व्यापार घाटा पांच माह के निचले स्तर पर 24.53 अरब डॉलर पर पहुंचा है, जबकि आयात 1.88 फीसदी घटकर 62.66 अरब डॉलर रह गया है। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और आर्थिक सुधारों से बेरोजगारी दर अप्रैल माह के बाद घटकर नवंबर में 4.7 फीसदी रह गई है, जैसा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वे इंगित कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था कि यह वृद्धि सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, इसका ग्रामीण इलाकों में भी व्यापक प्रभाव दिख रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की भी क्रय शक्ति में खासा इजाफा हो रहा है, जैसा कि नाबार्ड के आठवें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) इशारा कर रहे हैं कि पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं। नाबार्ड के अध्ययन से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष खपत की रफ्तार तेज रही है और इसके और बढ़ने की उम्मीद है।

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा श्रम कानून में सुधार प्रमुख हैं। इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

प्रसंगवश

'रख दे कोई जरा सी खाके वतन कफन में'

19 दिसंबर 1927 को आज के ही दिन काकोरी कांड के अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां एवं ठाकुर रोशन सिंह हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। उनकी इस शहादत ने नौजवानों के दिलों में आजादी की ज्वाला को भड़का दिया। अंग्रेज सरकार के खिलाफ पूरे देश में गहरा आक्रोश फैल गया। नौजवान सिर पर कफन बांधकर जंगे आजादी में कूद पड़े।

देश की पराधीनता के दिन थे। भारत माता परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ी हुईं थीं। अंग्रेज शासकों के देश की जनता पर दमन एवं अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। पूरे देश में लोगों के दिलों में आजादी की आग सुलग रही थी। देश की आजादी के लिए नौजवानों ने सशक्त क्रांति का मार्ग अपनाया। सशस्त्र क्रांति के लिए हथियारों की जरूरत थी। हथियार खरीदने के लिए धन कहां से जुटाया जाए? यह समस्या क्रांतिकारियों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। काफी विचार-विमर्श के बाद क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाने को लूटने का निर्णय लिया।

सुरेश बाबू मिश्रा

लेखक

प्रखर, क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में इस खजाने को लूटने की योजना बनाई गई। अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र लाहिड़ी इस योजना में शामिल थे। योजना के अनुसार सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में कुछ नौजवान क्रांतिकारी यात्रियों के रूप में सवार हुए। जैसे ही ट्रेन काकोरी स्टेशन से आगे बढ़ी क्रांतिकारियों ने चैन पुलिंग कर ट्रेन को रोक लिया। उस स्थान पर कुछ सशस्त्र क्रांतिकारी नौजवान पहले से ही खड़े थे। यह घटना नौ अगस्त 1925 में काकोरी स्टेशन के पास घटी, इसलिए इतिहास में इसे काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है।

क्रांतिकारियों की इस दुःसाहसिक वारदात को देखकर अंग्रेज दंग रह गए। अंग्रेज शासकों का दमन चक्र तेज हो गया। देशभर में क्रांतिकारियों की धर पकड़ तेज हो गई। रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी सहित 22 नौजवान क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इन्हें अलग-अलग जेलों में कैद कर उनके खिलाफ सरकारी खजाने की लूट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा चलाया गया। 18 महीने तक चले मुकदमे के बाद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई गई। शेष क्रांतिकारियों को आजन्म कारावास की सजा मिली।

19 दिसंबर सन 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दी गई। फांसी के तख्ते पर खड़े होकर उन्होंने एक शेर पढ़ा, "अब न अहले वलवले हैं और न अरमानों की भीड़, एक मिट जाने की हसरत अब दिले बिस्मिल में है।" अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद जिले में फांसी पर लटकाया गया। फांसी का फंदा चूमने से पहले उन्होंने यह शेर कहा, "कुछ आरजू नहीं है, है आरजू तो यह है, रख दे कोई जरा-सी, खाके-वतन कफन में।" फिर भारत माता की जय का नारा लगाते हुए वे फांसी के तख्ते पर झूल गए। ठाकुर रोशन सिंह को इलाहाबाद जेल में 19 दिसंबर को फांसी दी गई। जैसे ही जेलर का बुलावा आया, वे हाथ में गीता पकड़े मुस्कराते हुए चल दिए। फांसी के तख्ते पर चढ़ते ही उन्होंने 'वंदे मातरम्' का उद्घोष किया और शहीद हो गए। चौथे नौजवान क्रांतिकारी राजेंद्र लाहिड़ी को तेजी से बढ़ रहे जनाक्रोश से भयभीत अंग्रेज अफसरों ने गोंडा जेल में घोषित तिथि से दो दिन पहले ही फांसी दे दी। फांसी को फंदे को चूमने से पूर्व उन्होंने वंदे मातरम् का जयघोष किया। फिर उन्होंने मुस्कराते हुए फांसी का फंदा गले में डाल लिया।

सोशल फोरम

कला के दो दिग्गज भाई बलराज और भीष्म

रंजन शर्मा

रिटायर ऑफिसर

बलराज साहनी और भीष्म साहनी : दो भाई, दो दिग्गज। कुछ रिश्ते सिर्फ खून के नहीं होते, वो इतिहास रचते हैं। बलराज साहनी और भीष्म साहनी ऐसे ही दो नाम हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा और साहित्य को एक नई दिशा दी। बलराज साहनी, भारतीय सिनेमा के सबसे सशक्त और सहज अभिनेताओं में से एक थे। 'दो बीघा जमीन' का संघर्षशील किसान हो या 'काबुलीवाला' की इंसानियत, या 'वक्त' का ज़िम्मेदार पिता- उन्होंने हर किरदार को जीवन से भर दिया। उनकी आखिरी फिल्म 'गर्म हवा' आज भी विभाजन की त्रासदी को सबसे मार्मिक ढंग से दिखाती है। वे केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक चिंतक, लेखक और समाज के लिए आवाज़ उठाने वाले इंसान थे।

भीष्म साहनी, छोटे भाई, लेकिन साहित्य की दुनिया के विशाल स्तंभ। उपन्यास 'तमस' ने जैसे भारत के बंटवारे की पीड़ा को शब्दों में उकेर दिया। उन्होंने आम आदमी की कहानियों को गहराई और सच्चाई के साथ कहा। सिर्फ लेखक नहीं, मंच और फ़िल्मों के भी उम्दा कलाकार थे। 'मोहन जोशी हाज़िर हों!' और 'मिस्टर एंड मिसेज अय्यर' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय भी यादगार रहा।

एक ने परदे पर कहानियां जीवंत कीं, तो दूसरे ने काग़ज़ पर, लेकिन दोनों के दिलों में एक ही आग थी- सच्चाई को सामने लाने की, समाज को जगाने की। इन दो महान आत्माओं की विरासत हमें आज भी प्रेरणा देती है। यही सच्ची कला की ताक़त है।

सामयिकी

युद्ध में आम इंसानों को निशाना बनाने पर चिंता

मौजूदा दौर में समूची दुनिया में लगातार गहराती हिंसा, युद्ध, जातीय संघर्ष और धार्मिक उन्माद चिंता का विषय बने हुए हैं। कई देशों में आम नागरिक सीधे निशाने पर हैं, कहीं घर उजड़ रहे हैं और कहीं सत्ता के संघर्ष में निर्दोष लोग बलि चढ़ रहे हैं। इस वैश्विक चिंता के दौर में हाल ही में जनसंहार की रोकथाम का जिम्मा संभालने के लिए संयुक्त राष्ट्र में नव नियुक्त सलाहकार चलोका बेयानी ने पूरी दुनिया को आगाह करते हुए कहा कि अनेक देशों में टकरावों और युद्धों के दौरान आम लोगों को जानबूझ कर निशाना बनाए जाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे अत्याचार और गंभीर मानवाधिकार अपराधों का जोखिम तीव्र गति से बढ़ा है। उन्होंने नौ दिसंबर को जनसंहार के भुक्तभोगियों की समृति व गरिमा और इस अपराध की रोकथाम के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर इस बात पर भी चिंता जताई है कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट एक बेहद खतरनाक संकेत है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

बेयानी की यह चेतावनी एक ओर जहां समस्या की गंभीरता को दर्शाने वाली है, वहीं पूरी मानवता के सामने संकट को व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। इसी के साथ यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत को लेकर विश्व के किसी भी मंच पर इस प्रकार की कोई आशंका व्यक्त नहीं की गई है। इस बात पर हर देशवासी को गर्व होना चाहिए कि समूचा विश्व आज भी भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखता है, जहां विविध संस्कृतियों, भाषाओं, खान-पान, जाति-धर्मों के बावजूद परस्पर सहयोग, शांति, समन्वय और लोकतांत्रिक संतुलन कायम है।

दुनिया में हमारा देश ही ऐसा है, जहां सैकड़ों भाषाएं, अनेक धर्म, दर्जनों जातियां और अनगिनत सांस्कृतिक धाराएं एक साथ बहती चली आ रही हैं। अनेक विविधताओं के बावजूद हमारा समाज आज भी सहअस्तित्व, भाईचारे और सहयोग की भावना को अपने में समेटे हुए है। हमारे गांवों से लेकर शहरों तक, सबका अलग पहनावा है। अलग बोली है। अपने-अपने त्योहार हैं। अलग खान-पान है, फिर भी सब एकजुटता से परिवार, समाज और देश को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। इसी मजबूत आधार पर देश खड़ा है और यह संदेश देता प्रतीत होता है कि अगर दृढ़ इच्छा हो तो विविधता को भी सबसे बड़ी ताकत बनाया जा सकता है।

इस बात को स्वीकारना होगा कि बीते कुछ सालों में देश के कुछ हिस्सों से हिंसा और सामाजिक तनाव की चंद घटनाएं सामने आई हैं। कहीं भीड़ के हाथों किसी की जान गई है। कहीं धार्मिक पहचान को लेकर आंशिक टकराव की स्थिति बनी है। कहीं उत्तेजक बयान देने वालों ने सामाजिक एकता में विष घोलने का प्रयास किया है, मगर ऐसी घटनाओं की संख्या, उनका प्रभाव और उनके फैलाव को हम भारत की विशाल जनसंख्या और व्यापक सामाजिक ढांचे के संदर्भ में देखें तो यह कोई बड़ी बात नजर नहीं आती। हमारा संविधान इस मामले में देश की ढाल बना हुआ है, जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, समान सुरक्षा और समान अवसर की गारंटी देता है।

संयुक्त राष्ट्र सलाहकार बेयानी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब किसी क्षेत्र में इन जोखिमों का स्वरूप लगातार हिंसक होने लगता है, तब उनका कार्यालय चेतावनियां जारी करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित किया जाता है। इस प्रक्रिया में संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठनों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रणालियों से भी निकट संपर्क रखा जाता है। वह कहते हैं कि जब एक बार खतरे की घंटी बज जाती है, तो इसका अर्थ यह होता है कि संकट अपनी सीमा लांघने के बेहद करीब पहुंच चुका है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

सूर्य चिकित्सा

खरी है आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर

आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में धूप स्नान या सूर्य की किरणों से उपचार की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है, जिसे आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा पाया गया है। युवा वैज्ञानिक और शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय ने इस विषय पर गहराई से अध्ययन किया तो सुखद व आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए हैं। प्रकाश चिकित्सा विज्ञान (मेडिकल साइंस) में क्रांतिकारी हथियार के रूप में उभर रहा है। इसे फोटोमेडिसिन या प्रकाश चिकित्सा कहा गया है, जिससे प्रकाश की किरणें बीमारियों से लड़ने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। यह न केवल त्वचा की समस्याओं का इलाज करती है, बल्कि मांसपेशियों को मजबूत करने, आंतों के सूक्ष्म जीवों को संतुलित करने और यहां तक कि कैंसर जैसी जटिल बीमारियों पर नियंत्रण पाने में सहायक सिद्ध हो रही है। शोधार्थी डॉ. उपाध्याय के शोध ने आंतों के सूक्ष्म जीवों और मांसपेशियों के बीच के रहस्य को उजागर किया है। साथ ही प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति से जुड़ाव और भारत में इसके उपयोगी अनुप्रयोगों पर विस्तार से बताया है। हाल ही में प्रकाशित शोध 'प्रकाश संवर्धन द्वारा आंतों के सूक्ष्म जीवों के माध्यम से मांसपेशियों को मजबूत करना' ने फोटो मेडिसिन को एक नई दिशा दी है। यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। *–मार्कण्डेय पाण्डेय*

शोध में निकले नतीजे

- गैर-आक्रामक फोटो बायोमॉडुलेशन थेरेपी मांसपेशी सहनशक्ति बढ़ाती है।
- पेट पर प्रकाश लागू करने से आंत मांसपेशी अक्ष पुनर्गठित होता है।
- यह उपचार तीव्र व्यायाम से बिगड़े आंत माइक्रोबायोटा को संतुलित करता है।
- शॉर्टचेन फैटी एसिड उत्पादक बैक्टीरिया को बढ़ाता है।
- रोगजनक जीवाणुओं को घटाता है और जैव-विविधता में वृद्धि करता है।
- इससे मांसपेशियों की थकान घटती है और माइटोकॉन्ड्रिया की ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- पहली बार सिद्ध हुआ है कि बाहरी प्रकाश बिना किसी औषधि या शल्य-प्रक्रिया के आंतों के सूक्ष्मजीवों को प्रभावित कर सकता है। यह खोज आयुर्वेद की "सूर्य चिकित्सा" की आधुनिक पुनर्व्याख्या के समान है।

आधुनिक फोटो मेडिसिन का प्रारंभ

भारत में हजारों वर्ष से सूर्य चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियां प्रचलित हैं, लेकिन आधुनिक दौर में 1970 के दशक में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में लेजर तकनीक सामने आई। यहां पर स्थित वेलमैन सेंटर ने इसे चिकित्सा क्षेत्र में इसका प्रयोग शुरू किया। अब यह सेंटर विश्व का सबसे बड़ा शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र है, जो प्रकाश के जीवविज्ञान और चिकित्सा पर प्रभावों की जांच करता है। यहां प्रकाशिकी, फोटॉनिकी, अभियंत्रण, रसायन विज्ञान, भौतिकी और उन्नत जैविक तकनीकों पर शोध चल रहे हैं। इस केंद्र के अनुसंधान से विकसित 26 से अधिक चिकित्सीय नवाचार वर्तमान में उपयोग में हैं। इनमें लगभग 20 प्रमुख प्लेटफॉर्म तकनीकें शामिल हैं, जिनके अनेक अनुप्रयोग हैं और 40 से अधिक स्टार्टअप कंपनियां इन पर आधारित हैं। उदाहरण के तौर पर लेजर द्वारा बाल हटाने, टैटू मिटाने, ऊतक मरम्मत (झुर्रियां, निशान और त्वचा की रंगत सुधारने) जैसी तकनीकें अब सामान्य चिकित्सा का हिस्सा बन चुकी हैं।

प्राचीन ज्ञान व आधुनिक विज्ञान का संगम

भारत में प्रकाश चिकित्सा का इतिहास प्राचीन है। आयुर्वेद में सूर्य चिकित्सा या सूर्योपासना का उल्लेख मिलता है, जिसमें सूर्य की किरणों से शरीर के दोषों– वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की विधियां बताई गई हैं। 'त्राटक' जैसी विधियां, जहां दीपक की लौ पर दृष्टि केंद्रित की जाती है। यह सभी विधियां आधुनिक फोटोथेरेपी के सिद्धांतों से मेल खाती हैं। हाल के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सूर्य प्रकाश शरीर के चक्रों को सक्रिय कर ऊर्जा संतुलन स्थापित करता है, जो फोटो बायोमॉडुलेशन के सिद्धांतों के समान है।

भारत में सस्ता, सुरक्षित चिकित्सा विकल्प

भारत में जहां लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है, फोटो मेडिसिन विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। प्रकाश आधारित उपचार गैर आक्रामक हैं, इनमें न दर्द है न दवा का दुष्प्रभाव। उपकरण भी किफायती हैं। साधारण एलईडी युक्त चिकित्सा उपकरण 5 हजार से 10 हजार रुपये तक में उपलब्ध हैं। यह चिकित्सा विधि वृद्धावस्था में मांसपेशी कमजोरी, आंत–संबंधी विकार, थकान, मधुमेह और संक्रमण जैसी स्थितियों में सहायक सिद्ध हो सकती है। व्यायाम के साथ इनका प्रयोग मांसपेशियों की पुन :स्थापना की गति को लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह घाव भरने और संक्रमण नियंत्रण के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है। डॉ. प्रभात उपाध्याय जैसे शोधकर्ता इस क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टि से योगदान के साथ आयुर्वेदिक परंपराओं को आधुनिक प्रमाणों से जोड़ रहे हैं। भारत में प्रकाश चिकित्सा करोड़ों लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और सुरक्षित स्वास्थ्य प्रणाली का रूप ले सकती है। वास्तव में प्रकाश ही भविष्य है, भारत उसका उज्ज्वल अध्याय लिखने की दहलीज पर है।

लेजर कृत्रिम प्रकाश पर आधारित है आधुनिक विज्ञान

आधुनिक विज्ञान लेजर और कृत्रिम प्रकाश पर केंद्रित है, वहीं आयुर्वेद प्राकृतिक प्रकाश को उपचार का साधन मानता है। त्रिफला जैसी औषधियों के साथ प्रकाश चिकित्सा का संयोजन भविष्य की समग्र (होलिस्टिक) चिकित्सा प्रणाली का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

जंगल की दुनिया

सिवेट पाम: भारत का रहस्यमयी निशाचर जीव

भारत की समृद्ध जैव-विविधता में सिवेट पाम एक ऐसा स्तनधारी है, जिसके बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी है। यह भारत में पाई जाने वाली सबसे व्यापक सिवेट प्रजातियों में से एक है। अत्यधिक शुष्क पश्चिमी क्षेत्रों को छोड़कर यह लगभग पूरे देश में पाई जाती है। जंगलों के साथ-साथ ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी गई है। अपने निशाचर स्वभाव के कारण यह दिन में छिपी रहती है और रात के समय सक्रिय होकर भोजन की तलाश में निकलती है।

सिवेट पाम को ताड़ के फलों के प्रति विशेष लगाव होता है, इसी वजह से इसका नाम सिवेट पाम पड़ा। हालांकि इसे आम बोलचाल में सिवेट कैट या टॉडी कैट कहा जाता है, लेकिन यह बिल्ली परिवार का सदस्य नहीं है। इसका शरीर लंबा और पतला होता है, चेहरे पर नुकीली बनावट और लंबी, घनी पूंछ इसकी पहचान है। इसकी चाल-ढाल और फुर्ती इसे अन्य छोटे मांसाहारी जीवों से अलग बनाती है। इस प्रजाति की एक खास बात यह है कि यह मानव बस्तियों के आसपास भी आसानी से रह लेती है। पारंपरिक घरों की छप्पर वाली छतें, पुराने गोदाम, सूखी नालियां, बाहरी शौचालय और सुनसान कोने इसके पसंदीदा आश्रय स्थल होते हैं। दिन के समय यह इन्हीं स्थानों में छिपकर आराम करती है और रात ढलते ही भोजन की खोज में निकल पड़ती है। इसका भोजन मुख्य रूप से फल, कीड़े-मकोड़े और छोटे जीव होते हैं। निशाचर और अत्यंत सतर्क स्वभाव के कारण सिवेट पाम को प्रत्यक्ष रूप से देख पाना मुश्किल होता है। यही वजह है कि वन्यजीव विशेषज्ञ इसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप और दूरस्थ निगरानी उपकरणों का सहारा लेते हैं। इन अध्ययनों से पता चलता है कि यह जीव पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फलों को खाने के बाद बीजों को अलग-अलग स्थानों पर छोड़कर यह प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों के प्रसार में योगदान देता है।

आज बदलते पर्यावरण, आवासों के नष्ट होने और मानवीय गतिविधियों के कारण सिवेट पाम के प्राकृतिक ठिकानों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद यह जीव मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक अनोखा उदाहरण है। सिवेट पाम का संरक्षण न केवल इस प्रजाति के लिए, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

पृथ्वी की है एक चुंबकीय पूंछ

सुनकर अजीब लगता है कि पृथ्वी की एक पूंछ भी है और यह बहुत लंबी है। यह चुंबकीय पूंछ अंतरिक्ष में 20 लाख किलोमीटर लंबाई में फैली हुई है। यह पूंछ नंगी आंखों से दिखाई नहीं देती, लेकिन अंतरिक्ष में घूमने वाले हमारे उपग्रह और दूरबीन इसे देख सकते हैं। सौर मंडल में हमारी पृथ्वी ब्रह्मांडीय वातावरण की ताकतों के साथ कैसे अपना अस्तित्व कायम रखती है , यह पूंछ के बारे में वैज्ञानिक जानकारी जुटाने से मालूम होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र या मैग्नेटोस्फीयर एक कुदरती फिनॉमिना है, जो हमारे लिए एक अदृश्य ढाल है, जो हमें कॉस्मिक और गामा किरणों के अलावा एक्स–रेज के प्रभाव और सौर–तूफानों से बचाता है। इस चुंबकीय क्षेत्र के परिणामस्वरूप पृथ्वी के उत्तरी अक्षांशों में नीली–पीली रौशनी अर्थात ऑरोरा दिखने की शानदार ब्रह्मंडलीय घटनाएं होती हैं।

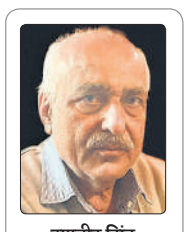

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

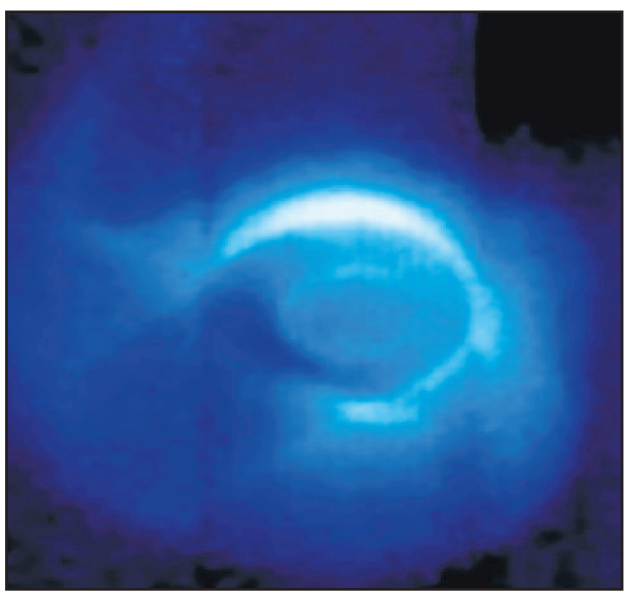

पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर

मैग्नेटोस्फीयर पृथ्वी के बाहरी कोर के अंदर पिघली हुई धातुओं की गति अर्थात डायनामिक्स ऑफ अर्थ्स मैटेलिक कोर के कारण बनता है। यह चुंबकीय क्षेत्र सूर्य की सतह के नीचे मौजूद प्लाज्मा से बाहर की तरफ तेज आंधी के तरह निकलने वाले आवेशित ऊर्जा कणों सोलर कोरोनल मॉस इजेक्शन को फंसाता और निर्देशित करता है। पृथ्वी का अपना एक चुंबकीय क्षेत्र है, यह अच्छी तरह से ज्ञात है, लेकिन इस बाबत पूरे तौर से मालूम नहीं कि हमारे ग्रह और चुंबकीय क्षेत्र का रिश्ता कितना गहरा है और यह पूंछ की शक्ल में क्यों दिखाई देता है? इसकी वास्तविकता अब उन्नत अंतरिक्ष अन्वेषी उपकरणों द्वारा इसे देखे और दर्ज किए जाने के बाद ही मालूम हुई। अब यह अनेक खगोल विज्ञानियों का ध्यान आकर्षित कर रही है ताकि इसकी प्रकृति और भूमिका के बारे में अधिक तथ्य जुटाए जा सकें।

धूमकेतु या अन्य खगोलीय पिंडों पर देखी जाने वाली पूंछों के विपरीत, पृथ्वी की पूंछ अदृश्य और बहुत कम स्पष्ट है। यह पूंछ प्लाज्मा से बनी है, जो चार्ज कणों से बनी एक गैस है और जिसे मैग्नेटोस्फीयर पकड़ लेता है। जैसे ही सौर विकिरण या पवन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराता है वे इस पृथ्वी के पिघले हुए मैटेलिक कोर प्लाज्मा को पीछे धकेलती हैं। इसी के प्रभाव से एक पूंछ बनती है, जो लाखों किलोमीटर तक खिंच जाती है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सौर हवा के बीच इंटरैक्शन का के परिणाम को हम एक बूंद की उपमा से समझ सकते हैं। सौर हवा पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर को एक आंसू के आकार में बदल देती है, जिसकी पूंछ पीछे की ओर फैली होती है। इससे अंतरिक्ष में एक जटिल और गतिशील संरचना बनती है, जोकि बहुत सुंदर दिखती है। इस विशाल संरचना को औपचारिक रूप से मैग्नेटोटेल नाम दिया गया है। यह पूंछ पृथ्वी ग्रह के वायुमंडल से बहुत दूर तक फैला हुआ है। यह स्थिर भी नहीं है और सौर-पवन की तीव्रता और दिशा परिवर्तन की वजह से लहराता भी है। अर्थात सौर हवाओं की ताकत के आधार पर यह पूंछ अपना आकार बदलती है। सौर हवा सूर्य से निकलने वाले चार्ज्ड कणों का एक निरंतर प्रवाह है, जोकि कभी तेज, कभी बहुत तेज और कभी अत्यंत प्रबल हो जाता है। जब ये कण पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के साथ इंटरैक्ट करते हैं, तो वे उतार-चढ़ाव पैदा करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप मैग्नेटोटेल खिंचता और सिकुड़ता है। जब सौर गतिविधि विशेष रूप से तीव्र होती है, जैसे कि सौर ज्वालाओं या कोरोनल मास इंजेक्शन के दौरान, तो मैग्नेटोटेल में काफी बदलाव हो सकता है। दशकों के अंतरिक्ष अन्वेषण के बावजूद, मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति हमारे ग्रह की अंतरिक्ष के साथ सक्रिय होने के अनजान और रहस्यमय पहलुओं में से एक है।

अनजान और रहस्यमय मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति

जब सोलर एक्टिविटी ज्यादा होती है, जैसे कि सोलर फ्लेयर्स के समय, तो पूंछ में बहुत ज्यादा बदलाव आ सकता है और इससे सैटेलाइट ऑपरेशन, कम्युनिकेशन और यहां तक कि पृथ्वी पर पावर ग्रिड भी प्रभावित हो सकते हैं। मैग्नेटोटेल और सोलर हवा के इंटरैक्शन की डायनामिक्स को समझना स्पेस वेदर का अनुमान लगाने और आधुनिक टेक्नोलॉजिकल सिस्टम को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। पूंछ में प्लाज्मा पृथ्वी के रात वाले हिस्से से एक वापसी पैटर्न में सूर्या की तरफ बहता है, जिससे यह अंतरिक्ष में कणों की बहती नदी जैसा दिखता है। प्लाज्मा का सूर्य की ओर वापस प्रवाह एक जटिल प्रणाली का सिर्फ एक हिस्सा है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पृथ्वी और सूर्य की शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है। हालांकि मैग्नेटोटेल सीधे पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन यह हमारे ग्रह के आसपास के व्यापक अंतरिक्ष परिवेश पर गहरा प्रभाव डालता है। असल में पृथ्वी की मैग्नेटो–शील्ड ही पृथ्वी को नुकसानदायक सौर और कॉस्मिक रेडिएशन से बचाकर धरती पर जीवन को फलने–फूलने देती है। स्पेस वेदर में मैग्नेटोटेल की एक महत्वपूर्ण भूमिका होने का अनुमान है। अभी जोर इस बात पर है कि पृथ्वी की मैग्नेटोटेल की मैपिंग की जाए। इस पूरी स्थिति को लेबोरेटरी में दोहराया गया है। इस तरीके को सिमुलेशन कहते हैं, जिसके नतीजे हमें यह समझने में मदद करते हैं कि मैग्नेटोटेल इन सौर हवा के बदलावों पर कैसे और कितनी तेजी से प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका में गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के कम्युनिटी कोऑर्डिनेटेड मॉडलिंग सेंटर में सौर हवा और पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के इंटरैक्शन के लिए मिशिगन विश्वविद्यालय के बीएटीएस–आर–यूएस ग्लोबल मैग्नेटो–हाइड्रोडायनामिक मॉडल को उपर्युक्त सिमुलेशन स्टडी के लिए इस्तेमाल किया गया है। दूर के मैग्नेटोटेल के आकार से जुड़े एक लंबे समय से चले आ रहे सवाल को हल करने के अलावा, सिमुलेशन अध्ययन दिखाता है कि सौर हवा में बदलाव के प्रति इसकी प्रतिक्रिया बहुत तेज होती है। चूंकि मैग्नेटोटेल को नए कॉन्फिगरेशन में बदलने में एक या ज्यादा घंटे लगेंगे, इसलिए 10–15 मिनट की प्रतिक्रिया में कोई दूसरी, तेज प्रक्रिया शामिल होनी चाहिए। परिणाम बताते हैं कि यह प्रक्रिया पृथ्वी के डे–साइड मैग्नेटोपॉज पर मैग्नेटिक रिकनेक्शन है। सौर हवा का प्रवाह नए सिरे से जुड़े इंटरप्लेनेटरी और मैग्नेटोस्फेरिक मैग्नेटिक फील्ड लाइनों को सूर्य से दूर ले जाता है और उन्हें तुरंत मैग्नेटोटेल स्थानों पर जमा कर देता है, जो इनिशियल मॉस फंक्शन ओरिएंटेशन पर निर्भर करते हैं। नतीजतन, मैग्नेटोटेल के आकार, आकृति और संरचना पर भविष्य का काम दूर, डेसाइड मैग्नेटोपॉज पर रिकनेक्शन की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण सुराग भी प्रदान कर सकता है। इनिशियल मॉस फंक्शन तारों के बनने के समय उनकी आबादी के लिए द्रव्यमान के डिस्ट्रीब्यूशन का वर्णन करता है, जो तारे बनने और गैलेक्सी के विकास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनिशियल मॉस फंक्शन एक अनुभवजन्य फंक्शन है, जो किसी दिए गए क्षेत्र में बने तारों के द्रव्यमान के शुरुआती डिस्ट्रीब्यूशन को दिखाता है। इसे आमतौर पर एक प्रोबेबिलिटी डेंसिटी फंक्शन के रूप में व्यक्त किया जाता है, जो तारे के बनने के दौरान एक विशिष्ट द्रव्यमान होने की संभावना को बताता है। इनिशियल मॉस फंक्शन खगोलविदों के लिए जरूरी है, क्योंकि यह अलग–अलग तारों के बनने और विकास को गैलेक्सी बनने और विकास के व्यापक संदर्भ से जोड़ने में मदद करता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,481.81	25,815 .55
गिरावट	77 .84	3
प्रतिशत में	0 .09	0 .01

सोना 1,36,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,07,600 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक को जीएसटी नोटिस जारी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक को आयकर विभाग ने कम जीएसटी भुगतान को लेकर 238 करोड़ का नोटिस भेजा है। बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे महाराष्ट्र माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत संबंधित प्राधिकरण से एक आदेश मिला, जिसमें 237,90,04,448 रुपये की जीएसटी मांग है। इसमें 216,27,31,316 रुपये कर और 21,62,73,132 रुपये जुर्माना हैं। इसमें ब्याज भी है। वह पहले भी ऐसे ही मामलों में जारी आदेशों और कारण बताओ नोटिस पर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। हालांकि, इस मामले में राशि अधिक होने के कारण इसकी जानकारी सार्वजनिक की गई है।

पीपीएसएल को काम की आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की अनुषंगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक से ऑफलाइन भुगतान और सीमा पार लेनदेन के लिए पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने की अनुमति मिल गई है। केंद्रीय बैंक ने पीपीएसएल को ऑनलाइन भुगतान की पिछले महीने अनुमति दे दी थी। पेटीएम ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 17 दिसंबर को पीपीएसएल को ऑफलाइन भुगतान एवं सीमा-पार लेनदेन के लिए भुगतान एग्रीगेटर के रूप में संचालन की अनुमति प्रदान की।

ग्रामीण बैंकों के लिए नया प्रतीक चिह्न जारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए नया प्रतीक चिह्न गुरुवार को जारी किया। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने एक राज्य एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सिद्धांत पर, 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का एकीकरण किया है, जो एक मई 2025 से प्रभावी हो गया। यह सुधार अधिक सशक्त एवं कुशल आरआरबी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में 28 आरआरबी 700 से अधिक जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। यह ग्रामीण समुदायों की सेवा करने वाली इन संस्थाओं की पहचान और दृश्यता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत, ओमान बने साझेदार, मुक्त व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर

वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात ओमान में होंगे शुल्क मुक्त

- खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा भारत

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी के सामने समझौते पर हस्ताक्षर करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ।

भारत और ओमान ने गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात ओमान में शुल्क मुक्त होंगे। दूसरी ओर भारत खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन वस्तुओं जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। इस समझौता के 2026-27 की पहली तिमाही से लागू होने की उम्मीद है। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को अमेरिका में भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस समझौते पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मस्कट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

ओमान ने 98 प्रतिशत से अधिक शुल्क श्रेणियों (या उत्पाद श्रेणियों) पर शून्य शुल्क की पेशकश की है, जिसमें ओमान को भारत के निर्यात का 99.38 प्रतिशत हिस्सा है। रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, औषधि, चिकित्सकीय उपकरण और मोटर वाहन सहित सभी प्रमुख श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पूर्ण रूप से शुल्क मुक्त कर दिया गया है। इनमें से 97.96 प्रतिशत उत्पाद श्रेणियों पर तत्काल शुल्क उन्मूलन की पेशकश की जा रही है। दूसरी ओर, भारत अपनी कुल शुल्क श्रेणियों (12,556) में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क उदारीकरण की पेशकश कर रहा है, जिसमें मूल्य के हिसाब से ओमान से भारत के आयात का 94.81 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। ओमान के लिए निर्यात के लिहाज से महत्वपूर्ण और भारत के लिए संवेदनशील उत्पादों के लिए, यह प्रस्ताव मुख्य रूप से खजूर, संगमरमर और पेट्रोरसायन उत्पादों जैसी वस्तुओं के लिए शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण है।

भारत के संवेदनशील उत्पाद बिना रियायत के अलग श्रेणी में

भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील उत्पादों को बिना किसी रियायत की पेशकश किए अलग श्रेणी में रखा है। विशेष रूप से कृषि उत्पाद, जिनमें दुग्ध, चाय, कॉफी, रबर एवं तंबाकू उत्पाद, सोना व चांदी की सिल्लियां, आभूषण, अन्य श्रम-प्रधान उत्पाद जैसे जूते, खेल के सामान और कई निम्न धातुओं का कबाड़ शामिल हैं। ओमान में वर्तमान में श्रम प्रधान वस्तुओं पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। सेवा क्षेत्र के मोर्चे पर ओमान कंप्यूटर संबंधी सेवाओं, व्यावसायिक एवं पेशेवर सेवाओं, ऑडियो-विजुअल सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं व्यक्त करेगा। ओमान का वैश्विक सेवा आयात 12.52 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जिसमें भारत की हिस्सेदारी केवल 5.31 प्रतिशत थी। यह भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए अपार संभावनाओं को दर्शाता है। सीईपीए की एक प्रमुख विशेषता भारतीय पेशेवरों के लिए आवाजाही की बेहतर रूपरेखा है।

कंपनी में कर्मचारियों की सीमा की 50 प्रतिशत

ओमान ने पहली बार कुशल पेशेवरों की आवाजाही (मोड-4) के तहत व्यापक प्रतिबद्धताएं पेश की हैं, जिनमें कंपनी के भीतर स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों की सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। संविदा आधार पर सेवा प्रदान करने वालों के लिए ठहरने की स्वीकृत अवधि में भी वृद्धि की गई है। इसे मौजूदा 90 दिन से बढ़ाकर दो वर्ष कर दिया गया है। इसे दो वर्ष के लिए और बढ़ाया जा सकता है। यह समझौता लेखांकन, कराधान, वास्तुकला, चिकित्सा और संबद्ध सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों के लिए अधिक उदार प्रवेश एवं ठहरने की शर्तों का प्रावधान भी करता है जिससे गहन तथा अधिक सुगम व्यावसायिक जुड़ाव को बढ़ावा मिलता है। इस समझौते में ओमान के प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों द्वारा 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रावधान भी है। इसके तहत वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से भारत के सेवा उद्योग को इस क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए व्यापक अवसर मिलेंगे।

डेयरी, सोना-चांदी, फुटवियर संवेदनशील सूची में

भारत ने ओमान के साथ गुरुवार को संपन्न व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत घरेलू किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए कई संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए इन संवेदनशील उत्पादों को 'छूट से बाहर की श्रेणी' में रखा गया है। मंत्रालय के मुताबिक, शुल्क छूट से बाहर रखे गए उत्पादों में डेयरी एवं कृषि उत्पाद, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी का बुलियन एवं आभूषण और जूते-चप्पल, खेल सामान और कई मूल धातुओं के स्क्रैप शामिल हैं। संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इन उत्पादों पर किसी भी तरह की शुल्क रियायत नहीं दी गई है ताकि घरेलू उत्पादकों और एमएसएमई पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। जिन उत्पादों में ओमान की निर्यात रुचि है और जो भारत के लिए संवेदनशील हैं, वहां अधिकांश मामलों में शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण की पेशकश की गई है।

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5% की वृद्धि

कोलकाता, एजेंसी

- वर्ल्डलाइन इंडिया के अनुसार 2025 की तीसरी तिमाही में डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेजी

भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में काफी तेजी से विकास हो रहा है। इस बात का खुलासा वर्ल्डलाइन इंडिया ने किया है। वर्ल्डलाइन इंडिया ने गुरुवार को डेटा से भरपूर संक्षिप्त विवरण जारी किया, जिसमें 2025 की तीसरी तिमाही में देश के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे विकास को दर्शाया गया।

इसमें यूपीआई के जरिये लेन-देन की संख्या सालाना 33.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 59.33 अरब हो गई है। यह विवरण वर्ल्डलाइन की प्रमुख इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट का ही एक विस्तार है, जो इस तिमाही में पेमेंट कर्ताओं के बारे में समय पर जानकारी देता है। इस एनालिसिस में यूपीआई के लगातार दबदबे, क्यूआर-आधारित व्यापार स्वीकृति में तेज़ी से बढ़ोतरी, कार्ड जारी करने में लगातार ग्रोथ और मेट्रो शहरों तथा उभरते भारत दोनों में डिजिटल अपनाने में गहराई को उजागर किया गया। क्यू3- 2025 ने दुनिया की सबसे डायनामिक रियल-टाइम पेमेंट अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति को और मज़बूत किया और कहा कि यहां हर स्कैन, टैप और क्लिक उपभोक्ताओं और कारोबारियों के व्यवहार को बदल रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपीआई ने रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा, लेन-देन सालाना आधार पर 33.5 प्रतिशत बढ़कर 59.33 अरब हो गया और लेन-देन का मूल्य सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 74.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। व्यक्ति से कारोबारी (पी2एम) लेन-देन व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) से आगे रहे, जो रोज़मर्रा के खुदरा लेन-देन में यूपीआई के दबदबे को दिखाता है।

भारत में 70.90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर

रिपोर्ट के अनुसार पी2एम लेन-देन 35 प्रतिशत बढ़कर 37 .46 अरब हो गया और पी2पी 29 वृद्धि के साथ 21 .65 अरब लेन-देन हो गया है। औसत टिकट साइज़ घटकर 1,262 रुपये (1,363 रुपये से) हो गया, जो रोजमर्रा के सामान, खाना, हेल्थकेयर की ज़रूरी चीज़ों और हाइपरलोकल कॉमर्स जैसे छोटे लेने-देन के लिए बढ़ते इस्तेमाल को दिखाता है। भारत में 70 .90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर हो गए हैं, जो जुलाई 2024 से 21 प्रतिशत ज्यादा हैं। किराना, फार्मेसी, ट्रांसपोर्ट हब और ग्रामीण बाजारों में क्यूआर की व्यापक स्वीकार्यता ने स्कैन-एंड-पे को देश भर में डिफ़ॉल्ट पेमेंट मोड बना दिया है। पीओएस टर्मिनल 35 प्रतिशत बढ़कर 121 .2 लाख हो गए (जुलाई 2024-जुलाई 2025), भारत क्यूआर 61 .0 लाख पर रहा, जिसमें यूपीआई क्यूआर के दबदबे की ओर बदलाव के बीच मामूली गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस मामले में निजी बैंक आगे हैं जिनका मार्केट शेयर 84 प्रतिशत था। क्रेडिट कार्ड जारी करने में सालाना 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 1133 .9 लाख कार्ड तक पहुंच गया। वहीं, डेबिट कार्ड 1 .02 अरब हो गए, जबकि प्रीपेड कार्ड 47 .01 करोड़ थे। क्रेडिट कार्ड से लेन-देन में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसकी संख्या 1 .45 अरब हो गयी, जिसका मूल्य 4 .08 लाख करोड़ रुपये था।

चांदी 1,800 रुपये चढ़कर उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक साल में हो चुकी है 1,17,100 रुपये यानी 129.4% तक की बढ़ोतरी

चांदी गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 1,800 रुपये उछलकर 2,07,600 रुपये प्रति किलोग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसका कारण कारोबारियों की निरंतर खरीदारी है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

चांदी बुधवार को 7,300 रुपये उछलकर पहली बार दो लाख रुपये प्रति किग्रा को पार कर 2,05,800 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। इस वृद्धि के साथ, चांदी की कीमत इस साल एक जनवरी को दर्ज की गई 90,500 रुपये प्रति किग्रा से 1,17,100 रुपये किलो यानी 129.4 प्रतिशत बढ़ चुकी है। सर्राफा संघ के अनुसार, सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 13.16 डॉलर यानी 0.31 प्रतिशत घटकर 4,325.02 डॉलर प्रति औंस रह गया। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि सोना गुरुवार को 4,330 डॉलर प्रति औंस तक गिर गया, लेकिन अक्टूबर में पहुंचे रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब रहा। इसका कारण अमेरिकी दर में कटौती की उम्मीदों और चल रहे भू-राजनीतिक जोखिमों से सोने को समर्थन मिलना है। इस बीच, बाजार की धारणा फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वालर की टिप्पणियों से प्रभावित हुई। उन्होंने बुधवार को अतिरिक्त ब्याज दर में कटौती का समर्थन किया, जबकि यह भी कहा कि नीति निर्माता सावधानी से आगे बढ़ सकते हैं। उनकी टिप्पणियां अमेरिकी श्रम डेटा के बाद आईं, जो आगे नरमी का संकेत दे रहा था। इसमें बेरोजगारी दर चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई और नवंबर में नौकरियों में वृद्धि अक्टूबर में देखी गई नरमी की भरपाई करने में विफल रही। विदेशी बाजारों में हाजिर चांदी 0.25% घटकर 66.04 डॉलर प्रति औंस रह गई। पिछले सत्र में, चांदी 3.13 डॉलर यानी 4.91 प्रतिशत बढ़कर 66.88 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

राष्ट्रीय

संसद में परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित

राज्यसभा ने परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से दी गई मंजूरी, विपक्ष के संशोधनों को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा को संबोधित करते राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह।

संसद ने गुरुवार को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। उच्च सदन ने विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए तमाम संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है।

इससे पहले विधेयक पर चर्चा के दौरान जहां सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विधेयक को ऐतिहासिक और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण करार दिया वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का ही विरोध कर देते हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। मंत्री ने कहा कि यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। नुकसान की स्थिति में संचालक को भरपाई करनी होगी तथा परमाणु उत्तरदायित्व कोष होगा। उन्होंने कहा कि अब भारत अनुसरण नहीं करता है, बल्कि लोग भारत का अनुसरण करते हैं। सिंह ने कहा कि वह परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नेहरू जी के योगदान को स्वीकार करते हैं। इससे पहले, सिंह ने विधेयक को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही इस तरह के बड़े फैसले ले सकते हैं।

राज्य मंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक विधेयक है। संसद के इतिहास में वर्षों बाद कोई ऐसा क्षण आता है जब सदस्यों को ऐसा मौका मिलता है कि वे राष्ट्र की यात्रा को एक नयी दिशा दे सकें।'' उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस विधेयक को मील के पत्थर के रूप में उल्लेखित किया जाएगा। सिंह ने कहा, ''भारत की भौगोलिक स्तर पर भूमिका बढ़ रही है और ऐसे में हमें वैश्विक मानकों के अनुरूप होना होगा...दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बढ़ गयी है...बढ़ती ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।

विपक्ष ने की विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने परमाणु ऊर्जा विधेयक का विरोध करते हुए इसे व्यापक विचार-विमर्श के लिए प्रवर या स्थायी समिति में भेजने की मांग की। उच्च सदन में विपक्ष ने विरोध करते हुए इसे मानवता के खिलाफ बताया। बीआरएस सदस्य केआर सुरेश रेड्डी ने विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए प्रवर समिति में भेजने की मांग की और कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां औद्योगिकीकरण बढ़ा है इसलिए बिजली की मांग में तेजी भी आएगी। माकपा सदस्य एए रहीम ने इसे मानवता के खिलाफ बताया। सपा के रामगोपाल यादव ने आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदेही तय करने की मांग की और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी भविष्य में कुछ निजी कंपनियों का एकाधिकार हो जाएगा। बसपा के रामजी ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की। भाजपा के जग्गेश ने विधेयक को भविष्य के लिए अहम बताया। शिवसेना (उबाठा) सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी, राकांपा (एसपी) सदस्य फौजिया खान ने भी विधेयक का विरोध किया। भाजपा के परमार सालमसिंह ने विधेयक को दूर-दृष्टि वाला बताया। मनोनीत हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि देश को 15 साल से इस विधेयक की प्रतीक्षा थी।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयकों संबंधी समिति का कार्यकाल बढ़ा

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयकों पर विचार करने वाली संसदीय समिति को रिपोर्ट देने के लिए आगामी बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक का समय दिया गया है। समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के संबंध में यह प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूर कर लिया। गत 12 नवंबर को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया था तथा भाजपा सांसद सारंगी को समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया। लोकसभा सचिवालय के अनुसार इस समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र के आखिर में विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में सभी विधेयकों को पेश किया था।

हम वीडियो दिखाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है : न्यायालय

आवारा कुत्तों का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता द्वारा आवारा कुत्तों के साथ अमानवीय बर्ताव किए जाने की टिप्पणी पर गुरुवार को उससे कहा कि अगली सुनवाई पर एक वीडियो दिखाया जाएगा और आपसे पूछा जाएगा कि मानवता क्या होती है। आवारा कुत्तों के मामले में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि मामले की सुनवाई के लिए गुरुवार को बैठने वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ को रद्द कर दिया गया है।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि मामले पर अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी। सिब्बल ने कहा कि समस्या यह है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने इस बीच कुछ नियम बनाए हैं जो पूरी तरह विपरीत हैं। उन्होंने पीठ से मामले की सुनवाई शुक्रवार को करने का आग्रह करते हुए कहा कि अधिकारियों के पास कुत्तों के आश्रय स्थल भी नहीं हैं। जो किया जा रहा है वह बहुत अमानवीय है। न्यायमूर्ति मेहता ने आवारा कुत्तों की समस्या का संदर्भ देते हुए कहा कि अगली तारीख पर हम आपकी सुविधा के लिए वीडियो चलाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है। सिब्बल ने कहा कि वह भी यह दिखाने के लिए वीडियो चलाएंगे कि क्या हो रहा है। पीठ ने कहा कि वह इस पर 7 जनवरी को विचार करेगी।

भूमि अधिग्रहण की याचिका रद्द

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग क्षेत्र की जगह बढ़ाने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 11 जनवरी के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

शराब घोटाला : सुनवाई जनवरी तक स्थगित

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे की कथित शराब घोटाले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई गुरुवार को जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी और कहा कि मामले को टुकड़ों में नहीं सुना जा सकता। ईडी द्वारा 18 जुलाई को गिरफ्तार किए गए चैतन्य बघेल ने धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों को भी चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस पर सुनवाई की।

स्कूली-उच्च शिक्षा संस्थानों में समन्वय की पहल

वीआईटी का मंथन 2025

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विद्यालय-विश्वविद्यालय के अंतर को पाटने के लिए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने शनिवार 13 दिसंबर को मंथन 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हजरतगंज के महात्मा गांधी मार्ग स्थित क्लार्क्स अवध में हुआ। इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग बनाना था।

मंथन 2025 में 70 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। स्कूली शिक्षा में उनके योगदान के लिए वीआईटी ने प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वीआईटी भोपाल विवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। प्रसिद्ध लेखक, प्रेरक वक्ता, सामाजिक उद्यमी तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सह-संस्थापक एवं सीईओ सृजन पाल सिंह ने मंथन 2025- उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी यात्रा को प्रज्वलित करें विषय पर संबोधन दिया। इस दौरान शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और तकनीक से जोड़ने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने को तकनीकी, गैर-तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यालयी पाठ्यक्रम को विवि की अपेक्षाओं के अनुसार बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम ने विद्यालय प्रमुखों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को एक-दूसरे से विचार साझा करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से वीआईटी विवि ने शिक्षा में नवाचार, अकादमिक सहयोग और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दिल्ली में नो पीयूसी, नो फ्यूल नियम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में बिगड़ते वायु प्रदूषण से निपटने को प्राधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत गुरुवार से दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर बीएस-6 निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया और साथ ही उन वाहनों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा, जिनके पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं हैं। पेट्रोल पंप वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को ईंधन नहीं दे रहे हैं और इसे स्वचालित नंबर प्लेट रीडर कैमरे, पंपों पर वॉयस अलर्ट और पुलिस की मदद से लागू किया जा रहा है।

जिन वाहनों के पास पीयूसी नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल नहीं मिलेगा यानी नो पीयूसी, नो फ्यूल। दिल्ली की सीमाओं सहित 126 जांच चौकियों पर 580 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग की कई प्रवर्तन टीम को पेट्रोल पंपों और सीमा चौकियों पर तैनात किया गया है।

कड़े उपायों के बावजूद वायु गुणवत्ता बिगड़ी

दिल्ली में गुरुवार को धुंध की चादर छा गई, जिससे पूरे शहर में दृश्यता कम हो गई और वायु प्रदूषण की स्थिति और खराब हो गई। 24 घंटे का औसत एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहा और इसका स्तर एक दिन पहले के 334 से बढ़कर 373 हो गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार शहर में स्थित 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 15 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता गंभीर रही। आनंद विहार में सबसे अधिक 441 एक्यूआई दर्ज किया गया जो गंभीर-प्लस श्रेणी में आता है जबकि 24 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब दर्ज की गई।

कोहरे से दिल्ली हवाई अड्डे पर 27 उड़ानें रद्द

मुंबई। घने कोहरे और दृश्यता कम होने से गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर विभिन्न एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई अन्य के परिचालन में देरी हुई। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं।

कोमा में पड़े व्यक्ति के अभिभावकों से मिलेंगे न्यायाधीश

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय उस व्यक्ति के अभिभावकों से मिलने की गुरुवार को इच्छा जताई, जो 12 वर्षों से कोमा में है। शीर्ष अदालत व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर विचार कर रही थी जिसमें उन्होंने कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटाकर पुत्र को निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु का अनुरोध किया है। 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद व्यक्ति के सिर में चोट लगी थी। तब से वह कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली पर है। निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु वह प्रक्रिया हैं, जिसमें मरीज का जीवन बचाने के लिए जीवन रक्षक उपकरण हटाकर वह स्थिति पैदा की जाती है, जिससे उसके प्राण निकल सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल : जेन जी प्रदर्शन की जांच के लिए एक महीने का मांगा विस्तार

काठमांडू। नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने सरकार से अपना कार्यकाल एक माह बढ़ाने का अनुरोध किया है। आयोग ने कहा है कि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है। आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने बताया कि बुधवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ हुई बैठक के दौरान आयोग के अधिकारियों ने समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। सुशीला कार्की सरकार ने 21 सितंबर को इस आयोग का गठन कर तीन महीने की समय सीमा तय की थी, जो अगले सप्ताह समाप्त होने वाली है। हालांकि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया अभी भी जारी है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री जिया की सेहत अब भी गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय अध्यक्ष जिया कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिया के निजी डॉक्टर एवं बीएनपी की नीति निर्धारण संबंधी स्थायी समिति के सदस्य जाहिद हुसैन ने पत्रकारों को बताया कि 11 दिसंबर को उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए जिया को ऐच्छिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया।

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा एक्यूआई

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और एक्यूआई बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो बेहद अस्वास्थ्यकारी स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है।

भारत ने ढाका में फिर शुरू किया वीजा केंद्र, दो अन्य केंद्र बंद किए

ढाका, एजेंसी

- **भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों की धमकी के मद्देनजर उठाया कदम**

भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र का संचालन फिर शुरू कर दिया। सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, यही कारण बताते हुए अब बांग्लादेश के खुलना और राजशाही में स्थित इसी तरह के दो अन्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है।

दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश में पांच आईवीएसी केंद्र हैं। ढाका, खुलना और राजशाही के अलावा, अन्य दो केंद्र पूर्वोत्तर बंदरगाह शहर चटोग्राम और सिलहट में स्थित हैं। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एकीकृत केंद्र है।

भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह के भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ने के बाद तनाव बढ़ने के मद्देनजर, आईवीएसी के ढाका केंद्र को बुधवार को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई थी। ढाका केंद्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आईवीएसी ने बृहस्पतिवार को खुलना और राजशाही में स्थित अपने दोनों केंद्र बंद कर दिए हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत का बड़ा कदम

भारत सरकार की ओर से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी और विदेशी भागीदारी की अनुमति देने के लिए लाए गए शांति विधेयक के जरिए स्वतंत्रता के बाद पहली बार निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण, स्वामित्व और संचालन की अनुमति दी जाएगी। निजी कंपनियां परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में 49% तक की हिस्सेदारी रख पाएंगी। नया कानून परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट 2010 की जगह लेगा। विपक्ष की ओर से इस विधेयक को लेकर कई आशंकाएं जताने के साथ संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉर्पोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने का आरोप लगाया गया है, हालांकि दुनिया के कई देशों में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति है। यह अलग बात है कि इन देशों में नियामकीय व्यवस्था बेहद कठोर है।

परमाणु ऊर्जा विधेयक

क्या हैं विशेषताएं

- विधेयक का उद्देश्य भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 8 गीगावाट से बढ़ाकर 2047 तक 100 गीगावाट करना है।
- विदेशी निवेश आकर्षित करने को बड़े रिएक्टरों के लिए ऑपरेटर का दायित्व बढ़ाकर सप्लायर्स पर बोझ कम किया है।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड को वैधानिक दर्जा दिया जाएगा, एक समर्पित परमाणु विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना होगी।
- यूरेनियम खनन, परमाणु ईंधन संवर्धन और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहेंगे।
- स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है, बजट 2025-26 में 20,000 करोड़ का प्रावधान।

पुराने कानून के प्रावधान

- मूल अधिनियम के तहत परमाणु ऊर्जा का उत्पादन और संचालन केवल केंद्र सरकार या उसकी सरकारी कंपनियों तक सीमित था।
- संशोधन ने एनपीसीआईएल को अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की अनुमति दी, पर निजी क्षेत्र को दूर रखा।
- सीएलएनडी एक्ट 2010 परमाणु घटना की स्थिति में ऑपरेटर (सरकारी कंपनी) पर 1500 करोड़ तक का 'नो-फॉल्ट' दायित्व डालता है।
- दुर्घटना की स्थिति में विदेशी या निजी आपूर्तिकर्ताओं से क्षतिपूर्ति मांगने का प्रावधान जो विदेशी निवेश के रास्ते में बड़ी बाधा रहा है।

विदेशी निवेश पर आशंका

- आलोचकों का कहना है कि विदेशी नियंत्रण से स्वदेशी परमाणु कार्यक्रम, रणनीतिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।
- विदेशी और निजी भागीदारी से संवेदनशील तकनीक और परमाणु सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जटिलता बढ़ सकती है।
- विदेशी कंपनियां स्थानीय हालात से अनभिज्ञ हो सकती हैं, एनपीसीआईएल जैसी पुरानी कंपनियों जैसा अनुभव उनके पास नहीं होगा।
- दुर्घटना होने पर विदेशी कंपनियां जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती हैं तो पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में पेच फंस सकते हैं।

निजी कॉरपोरेट समूह

- नए बदलावों के तहत अब निजी कंपनियां परमाणु संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व और संचालन कर सकेंगी।
- कंपनियां छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी आधुनिक तकनीकों में निवेश कर ऊर्जा पोर्टफोलियो बढ़ा सकेंगी।
- निजी ऑपरेटरों की देयता सीमित होगी, बड़े वित्तीय जोखिम सरकार या अंतरराष्ट्रीय फंडों पर साझा होंगे।
- भारतीय निजी समूह अब विदेशी तकनीक दिग्गजों के साथ सीधे रणनीतिक-तकनीकी सहयोग कर पाएंगे।

दूसरे देश

- अमेरिका में परमाणु संयंत्रों का स्वामित्व और संचालन निजी कंपनियों पर, हालांकि सख्त नियामक नियंत्रण।
- कनाडा-ब्रिटेन में भी निजी ऑपरेटरों को परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति दी गई है, फ्रांस में भी ऐसा कानून।

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा, भड़का चीन

कहा- सफल नहीं होगी स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद की यह कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए चीन ने आक्रोश जताया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद करने की अमेरिका की यह कोशिश सफल नहीं होगी बल्कि उसे उल्टी पड़ेगी।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार बिक्री प्राप्तकर्ता देश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के निरंतर प्रयासों का समर्थन और अमेरिका के राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन-अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, 'ताइवान स्वतंत्रता' की ताकतें बल के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना और पुनःएकीकरण का विरोध करना चाहती हैं। वे ताइवान को बारूद के ढेर में बदलने की कीमत पर जनता की मेहनत की कमाई को हथियार खरीदने में बर्बाद कर रहे हैं।

ताइवान का इस्तेमाल कर हमें रोक नहीं पाएंगे: चीन

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, हथियारों के जरिए ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन करना अंततः अमेरिका के लिए ही उल्टा साबित होगा। ताइवान का इस्तेमाल कर चीन को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि इससे ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमताएं बनाए रखने में मदद मिलेगी और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता हासिल होगी। बयान में कहा गया कि ताइवान का अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने की बुनियाद है।

यूक्रेन को भी यही हथियार दिए थे अमेरिका ने

आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

बेहाल दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में भीषण वायु प्रदूषण के बीच गुरुवार शाम धुंध की चादर छा जाने से सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। इस बीच गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया है जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर में प्रवर्तन को तेज कर दिया है।

सीमा संघर्ष में अब तक 18 कंबोडियाई नागरिकों की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर जारी झड़पों के बीच कंबोडिया के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखक ने गुरुवार सुबह बताया कि बुधवार शाम 6 बजे तक संघर्ष में मारे गए कंबोडियाई नागरिकों की संख्या 18 तक पहुंच गई है और घायलों की संख्या 78 हो गई है।

सोखक ने कहा कि विस्थापितों की संख्या बढ़कर 1,44,066 परिवारों तक पहुंच गई है, जिसमें 4,76,179 व्यक्ति शामिल हैं। इनमें 2,40,000 से अधिक महिलाएं और लगभग 1,30,000 बच्चे हैं। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि बुधवार आधी रात से गुरुवार सुबह तक, थाई सैन्य बलों ने कंबोडियाई क्षेत्र में कई ठिकानों पर हमले किए। कंबोडिया-थाईलैंड सीमा विवाद सात दिसंबर से फिर से भड़क गया है।

राष्ट्र के नाम संदेश में ट्रंप ने किया अपना गुणगान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- **अपनी आर्थिक और आव्रजन संबंधी उपलब्धियों की तारीफ की, महंगाई का दोष बाइडन पर मढ़ा**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। उन्होंने आर्थिक और आव्रजन संबंधी अपने कई निर्णयों का उपलब्धियों के तौर पर उल्लेख किया और देश में कीमतें बढ़ने और अवैध आव्रजन का दोष अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन पर मढ़ दिया।

ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन में कहा, 11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं। ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, विपरीत प्रवासन, महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने कहा, मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की।

भारत-नीदरलैंड रक्षा व उद्योग के क्षेत्र में बढ़ाएंगे साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दोनों देशों के बीच आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया गया**

भारत और नीदरलैंड ने रक्षा क्षेत्र में साझेदारी और रक्षा प्रौद्योगिकी तथा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए गुरुवार को यहां आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील मौजूद थे।

सिंह ने यहां वैन के साथ वार्ता की और दोनों देशों के बीच मजबूत तथा बढ़ती रक्षा साझेदारी की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैन्य-से-सैन्य सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बातचीत के दौरान दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मंत्रियों ने घनिष्ठ रक्षा साझेदारी और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को खासकर विशिष्ट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में रक्षा सचिव राजेश सिंह और भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेराड्‌र्स ने रक्षा सहयोग पर आशय पत्र का आदान-प्रदान किया। दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी सहयोग, प्लेटफॉर्म और उपकरणों के सह-उत्पादन तथा सह-विकास के लिए रक्षा औद्योगिक रोडमैप विकसित करके पहचाने गए क्षेत्रों में रक्षा सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का इरादा जताया।

एपस्टीन विवाद से सुर्खियों में आए बोंगिनो देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे, जिससे उनका छोटा लेकिन उथलपुथल भरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय विभाग के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एफबीआई नेतृत्व को निदेशक काश पटेल द्वारा सरकारी विमान का निजी इस्तेमाल करने और सक्रिय जांच के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एफबीआई में दूसरे महत्वपूर्ण पद के लिए बोंगिनो का चयन हमेशा से ही अपरंपरागत रहा है।

छत्तीसगढ़ में बीएसएफ के जवान ने गोली मारकर की आत्महत्या

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में बीएसएफ के एक जवान ने होरादी कैंप में आत्महत्या कर ली। मृतक जवान की पहचान कांस्टेबल सचिन कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सिंगोली गांव के निवासी थे।

जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना होरादी कैंप परिसर में घटित हुई। गोली चलने की आवाज सुनते ही अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां सचिन कुमार को गंभीर अवस्था में पाया गया। अधिकारियों को सूचना दी गई लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना से पूरे कैंप में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

एआई सबसे बड़ा खतरा दफ्तर की नौकरियों के लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- **फिक्की के एआई इंडिया सम्मेलन में बोले सूचना प्रौद्योगिकी सचिव**

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से कार्यालयों में काम करने वालों की नौकरियों को सबसे अधिक खतरा है। उद्योग मंडल फिक्की के 'एआई इंडिया' सम्मेलन में कृष्णन ने कहा कि चूंकि एआई अब सीधे तौर पर सोच-विचार कर किए जाने वाले और विश्लेषण से जुड़े कार्यों को चुनौती दे रहा है, इसलिए कार्योलयों में काम करने वाली कर्मचारियों की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी सचिव ने कहा, पिछली औद्योगिक क्रांतियों को देखें तो उनमें अधिकतर बदलाव शारीरिक और लोगों द्वारा किए जाने वाले काम को स्वचालित करने के थे। पहली बार एआई सोचसमझकर किए जाने वाले काम की जगह ले रहा है। इसलिए जो लोग सोच-विचार से जुड़े या विश्लेषण से जुड़े काम करते हैं उन्हीं की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा है।

उन्होंने तर्क दिया कि कौशल विकास के माध्यम से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता, वर्तमान में नौकरियों को हो रहे नुकसान कहीं अधिक है। सचिव ने कहा, कई कंपनियों के लिए तात्कालिक प्रलोभन यह हो सकता है कि वे शुरुआती सफलताओं पर ध्यान दें और भविष्य में आने वाली दीर्घकालिक समस्याओं को भूल जाएं लेकिन सरकार के रूप में हम इस मामले के दोनों पहलुओं को लेकर चिंतित हैं।

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

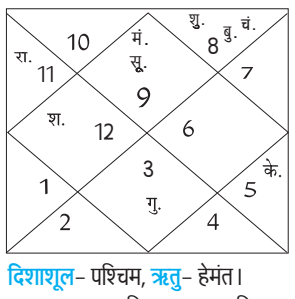

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 22.51 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पाएंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है। अनावश्यक खर्चों को लेकर परेशान हो सकते हैं। अपने आसपास के लोगों से सावधान रहें।

वृष — आज दिन का शुरुआती भाग अत्यंत शुभ रहेगा। बुरी नीयत वाले लोगों से सावधान रहें। विद्युत उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करें। जिस किसी बात से आप प्रसन्न होंगे, उसी बात पर आपको दुखी होना पड़ेगा।

मिथुन — आज दिन अत्यंत शुभ एवं उत्साहवर्धक रहेगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। अपने काम दूसरों पर डालने से बचें। अविवाहितों के विवाह संबंधी बात आगे बढ़ सकती है।

कर्क — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ होगा। लोग आपके विचारों से सहमत होंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियंत्रण पा लेंगे। प्रेमी जन के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। उच्चाधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

सिंह — आज व्यर्थ की बातों पर ज्यादा समय बर्बाद न करें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन कुछ उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। धैर्य और संयम के साथ काम करें। किसी पर भी आवश्यकता से अधिक विश्वास न करें।

कन्या — आज आपकी व्यवहार कुशलता की प्रशंसा होगी। अपने काम का विस्तार करने का विचार बनाएंगे। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को बड़ी व्यापारिक डील मिल सकती है।

तुला — आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लंघन न करें। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। शाम को तनाव से राहत मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है।

वृश्चिक — आज आपको नई जॉब ऑफर हो सकती है। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-मोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। सम्मानित लोगों के बीच आपकी पैठ मजबूत होगी।

धनु — आज अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण कुछ बदलाव को लेकर सोच सकते हैं। विवाहेतर संबंधों से दूर रहें। परिवार व समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी।

मकर — आज धार्मिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार में नए अनुबंध होने की संभावना बन रही है। सभी तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज आय के साधनों में वृद्धि होगी। परिजनों के साथ अपने मन की बातें शेयर करेंगे। बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे। अपनी कार्यशैली से संतुष्ट रहेंगे। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी।

मीन — आज आपके सद्गुणों की लोग प्रशंसा करेंगे। घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ होगा। उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गुरुजनों से चर्चा और विचार-विमर्श करके नया काम शुरू करें।

सुडोकू -6

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3				2	9		
7		8			3			
	1		7		4		5	3
2				6	1		3	
	5						1	
	4		2	8				7
3	2		9		8		6	
			5			2		1
		4	1				8	

सुडोकू - 5 का हल

4	8	5	6	3	9	7	1	2
3	6	9	2	7	1	5	8	4
2	1	7	8	4	5	6	9	3
1	7	3	4	9	6	2	5	8
6	5	8	3	1	2	4	7	9
9	2	4	5	8	7	1	3	6
7	4	2	9	5	8	3	6	1
8	3	1	7	6	4	9	2	5
5	9	6	1	2	3	8	4	7

जसप्रीत बुमराह बेमिसाल मैच विजेता हैं व उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं। उम्मीद है कि वह विश्व कप तक निरंतरता बनाए रखेंगे।

-रॉबिन उथप्पा

स्टेडियम

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

आईपीएल सत्र के लिए उपलब्ध नहीं होंगे जॉश इंग्लिस

सिडनी। अप्रैल में शादी करने जा रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जॉश इंग्लिस 26 मार्च से 31 मई तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की छोटी नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जॉश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रूपये में खरीदा था। इंग्लिस ने बताया कि वह अप्रैल में शादी करने जा रहे हैं। इंग्लिस ने एबीसी स्पोर्ट से कहा मैंने आईपीएल नीलामी देखी और मेरी बारी देर से आई। मैं इस साल पूरे सीजन उपलब्ध नहीं रह पाऊंगा। मैं अप्रैल की शुरुआत में शादी करने जा रहा हूं। सच कहूं तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे खरीदा जाएगा।

टाइगर्स ऑफ कोलकाता से जुड़े गांगुली

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) के तीसरे सत्र से पूर्व सह मालिक और मेंटर के रूप में टाइगर्स ऑफ कोलकाता के साथ जुड़ गए। लीग का अगला सत्र सूरत में नौ जनवरी से छह फरवरी तक खेला जाएगा। आईएसपीएल का टी10 टेनिस गेंद प्रारूप गली क्रिकेट से जुड़ा है। इसका लक्ष्य गली स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ियों की काबिलियत को एक टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाले क्रिकेटिंग सफर में बदलना है। गांगुली ने कहा मैं इस नई यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। टेनिस गेंद क्रिकेट हमेशा से खेल की जड़ों के करीब रहा है। यह बुनियाद पूरे कोलकाता और विशेष रूप से पूर्व में बहुत मजबूत है।

चोटरानी व सूरज की जीत के साथ शुरुआत

मुंबई। शीर्ष वरीय वीर चोटरानी और दूसरे वरीय सूरज चंद ने बृहस्पतिवार को यहां सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। खिताब के प्रबल दावेदार चोटरानी ने अयान खान को 11-1, 11-1, 11-1 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। सूरज ने अजिंक्य पाटिल को 11-4, 11-4, 11-3 से हराया। लड़कों के अंडर-15 वर्ग में दूसरे वरीय यूसुफ पारदीवाला ने अर्जुन पारसरामपुरिया को 11-3, 11-7, 11-7 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। लड़कों के अंडर-17 वर्ग के अगस्त्य बंसल ने हर्ष बंसाल को 11-5, 11-6, 11-6 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

अल्कराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते। अल्काराज ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर जारी एक बयान में बताया हम शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं।

शृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार पर होगी निगाह

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज शाम 7 बजे से

कप्तान सूर्यकुमार यादव।

अहमदाबाद, एजेंसी

चयन को लेकर उठे सवालों और कुछ कमजोरियों के उजागर होने के बीच भारत शुक्रवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शृंखला का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा।

टेस्ट शृंखला में 0-2 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे शृंखला जीती। अब उसने टी20 शृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है, क्योंकि बुधवार को लखनऊ में खराब मौसम के कारण चौथा मैच रद्द कर दिया गया था।

यह सुनिश्चित है कि भारत अब इस शृंखला को हार नहीं सकता है जो मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए राहत की बात होनी चाहिए क्योंकि टीम के दो प्रमुख खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव तथा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे सूर्यकुमार की फॉर्म भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए।

गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चल पाना भी भारत के लिए अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे जिससे उनका अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। भारतीय टीम किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझेगी क्योंकि उसके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए कभी भी सही विकल्प नहीं थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि मध्यक्रम में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अपने तीनों टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक शीर्ष क्रम पर खेलते हुए बनाए हैं।

अंतिम मैच में गिल की अनुपलब्धता की स्थिति में मौका मिलने पर केरल का यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। इसके अलावा भारतीय टीम संतुलित नजर आती है, क्योंकि दोनों ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे अब तक खेले गए तीनों मैचों में अंतिम एकादश में शामिल रहे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह अपनी लय में आ रहे हैं जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच निजी कारणों से तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जो इस श्रृंखला में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (छह विकेट) के लिए चुनौती पेश करेगी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम रीजा हेंड्रिक्स की जगह एडेन मार्क्रम को शीर्ष क्रम में वापस लाने पर विचार कर सकती है। रीजा हेंड्रिक्स इस दौरे पर अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को इसके अलावा युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी जो अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। दक्षिण अफ्रीका को मार्को यानसन की आक्रामक पारियों की कमी भी खली है, लेकिन लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पर पहुंचे पर दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (मध्य) व टीम के अन्य सदस्य।

चोटिल शुभमन गिल भी पहुंचे अहमदाबाद

अहमदाबाद : शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच के लिए यहां पहुंच गए हैं हालांकि चौथे मैच से पहले लगी चोट के कारण उनका खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। गिल का नेट्स पर लगी चोट के कारण लखनऊ में चौथे टी20 से बाहर होना तय था लेकिन खराब मौसम के कारण मैच ही रद्द हो गया। यह देखना होगा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे गिल शुक्रवार को चौथे मैच के लिये उपलब्ध होंगे या नहीं या उनकी जगह संजू सैमसन को उतारा जायेगा। गिल इससे पहले गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अधिकांश समय बाहर रहे थे।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

इंग्लैंड की टीम फिर मुश्किल में

एडिलेड, एजेंसी

एडिलेड टेस्ट

- **213 रनों पर गंवाए 8 विकेट अभी ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे**
- **नेथन लियोन ने रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर मैकग्रा को पीछे छोड़ा**

नेथन लियोन के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 213 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए थे।

इंग्लैंड का दारोमदार कप्तान बेन स्टोक्स पर टिका है जो 151 गेंद पर 45 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े जोफ्रा आर्चर ने 30 रन बनाए हैं। इंग्लैंड का स्कोर एक समय आठ विकेट पर 168 रन था और लग रहा था कि उसकी पहली पारी दूसरे दिन ही समाप्त हो जाएगी लेकिन स्टोक्स और आर्चर दिन के अंतिम 14 ओवर में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इन दोनों ने अभी तक नौवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 326 रन से आगे बढ़ाई। आर्चर (53 रन देकर पांच विकेट) ने मिचेल स्टार्क (54 रन) को बोल्ड और लियोन (09) को पगबाधा आउट करके पारी में पांच विकेट पूरे किए। स्कॉट बोलैंड 21 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। लियोन ने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी सूची में मैकग्रा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने अब तक 51 रन देकर दो विकेट लिए हैं। कमिंस ने 54 रन देकर तीन जबकि बोलैंड ने 31 रन देकर दो विकेट लिए हैं। इस श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले स्टार्क को 12 ओवर में अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है।

इंग्लैंड ने सहज शुरुआत की और एक समय उसका स्कोर बिना किसी नुकसान के 37 रन था।

कमिंस ने जैक क्रॉली (09) को आउट करके श्रृंखला का अपना पहला विकेट लिया। इससे इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और उसने 15 गेंद और पांच रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। ऑफ स्पिनर लियोन को 10वें ओवर में गेंद सौंपी गई। उन्होंने चार गेंदों के अंदर ओली पोप (03) और बेन डकेट (29) को आउट कर दिया, जिससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 42 रन हो गया। उन्होंने पोप को एक घूमती हुई गेंद पर आगे बढ़कर खेलने के लिए मजबूर किया और उनके शॉट को जोश इंग्लिस ने मिडविकेट पर डाइव लगाते हुए कैच कर दिया। इससे उन्होंने तेज गेंदबाज मैकग्रा के 563 टेस्ट विकेटों की बराबरी कर ली।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स। एजेंसी

हरमनप्रीत भारत की अगुआई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ : अंजुम

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा का मानना है कि व्यस्त अंतर्रष्ट्रीय सत्र और आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पूर्व कप्तानी को लेकर बहस फिर से शुरू होने के बावजूद हरमनप्रीत कौर महिला राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं।

विश्व कप में जीत के बाद भारतीय महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी और ऐसे में अंजुम का मानना है कि कप्तानी में बदलाव के बारे में अटकलें लगाने की जगह ध्यान इस लय को बरकरार रखने पर होना चाहिए। अंजुम ने कहा पिछले इतने वर्षों से मेरा निजी तौर पर मानना है कि हरमनप्रीत कौर एक मैच विजेता हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ कहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वह इस भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। अंजुम ने पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी के कप्तान बदलने के हालिया सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे विचार निजी होते हैं। उन्होंने कहा, हर किसी को अपनी बात कहने का हक है। इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है।

जीत की खुशी

बैंकॉक में साउथईस्ट एशियन गेम्स में गुरुवार को टेनिस के महिला फाइनल में थाईलैंड की एम. सवांगकाव को हराने के बाद जश्न मनातीं फिलीपींस की एला एलेक्जेंड्रा। ● एजेंसी

डब्ल्यूएफआई ने नई चयन नीति लागू की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय शिविर में पहलवानों की भागीदारी अनिवार्य**
- **व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को छूट**

भारतीय कुश्ती महासंघ ने नई चयन नीति लागू की है जिसके तहत राष्ट्रीय चयन के लिए राष्ट्रीय शिविरों में भागीदारी अनिवार्य है हालांकि व्यक्तिगत अभ्यास कर रहे पहलवानों को इससे छूट रहेगी।

इसके साथ ही ओलंपिक खेलों में कोटा जीतने वाले पहलवानों को एक दौर के अंतिम चयन ट्रायल में भाग लेना होगा। डब्ल्यूएफआई की आम परिषद की हाल ही में अहमदाबाद में हुई बैठक में इस नीति को मंजूरी दी गई। इसे फीडबैक और समीक्षा लिये भारतीय खेल प्राधिकरण को भी दिया गया है। नीति में कहा गया राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों में भागीदारी सभी पहलवानों के लिये अनिवार्य होगी जिसमे एलीट और दिग्गज पहलवान शामिल हैं।

बेंगलुरु में डब्ल्यूटीएल में शॉट लगातीं ईगल्स की पाउला बाडोसा। एजेंसी

बाडोसा के प्रदर्शन से ईगल्स जीता

बेंगलुरु, एजेंसी

सुमित नागल और पाउला बाडोसा के शानदार प्रदर्शन से ईगल्स ने बृहस्पतिवार को यहां काइट्स को हराकर विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। नागल ने बेहद कड़े मुकाबले में दक्षिणेश्वर सुरेश को 40 मिनट में 7-6 से हराकर ईगल्स को विजयी शुरुआत दिलाई।

बाडोसा ने महिला एकल के एकतरफा मुकाबले में मार्टा कोस्त्युक को 6-1 से शिकस्त दी। बाडोसा ने इसके बाद गेल मोनफिल्स के साथ मिलकर दक्षिणेश्वर और कोस्त्युक की जोड़ी को 6-3 से हराया।

पुरुष युगल में भी मोनफिल्स और नागल ने निक किर्गियोस और दक्षिणेश्वर को 6-3 से हराकर ईगल्स की 25-13 से जीत सुनिश्चित की।

घोषणा फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने की बढ़ोत्तरी, अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा मुकाबला

विश्व कप विजेता को मिलेगी 5 करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि

मैनचेस्टर, एजेंसी

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने घोषणा की कि 2026 में होने वाले विश्व कप के विजेता को 655 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि में से 50 मिलियन डॉलर (पांच करोड डॉलर) मिलेंगे। अर्जेंटीना को 2022 में चैंपियन बनने पर 42 मिलियन डॉलर और फ्रांस को 2018 में विश्व कप जीतने पर 38 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी जिसमें इस बार बढ़ोतरी तो हुई है, लेकिन यह राशि इस साल अपेक्षाकृत कम चर्चित क्लब विश्व कप जीतने के लिए चेल्सी को मिली पुरस्कार राशि से आधे से भी कम है।

क्लब विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि एक अरब डॉलर थी। चेल्सी को चैंपियन बनने पर 125 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप के लिए कुल पुरस्कार राशि कतर में 2022 में आयोजित किए गए टूर्नामेंट के लिए निर्धारित 440 मिलियन डॉलर की तुलना में 48.9 प्रतिशत अधिक है। विश्व कप 2026 की कुल पुरस्कार राशि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में खेले गए महिला विश्व कप की 110 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि से लगभग छह गुना अधिक होगी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अगले विश्व कप में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए समान पुरस्कार राशि का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगला महिला विश्व कप 2027 में ब्राजील में होगा। विश्व कप 2026 में कुल 48 टीम भाग लेंगी। ग्रुप चरण में बाहर होने वाली टीमों को नौ मिलियन डॉलर, अगले दौर में पहुंचने वाली टीमों को 11 मिलियन डॉलर और राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर मिलेंगे।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 19 मिलियन डॉलर, चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 27 मिलियन डॉलर, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर और फाइनल में हारने वाली टीम को 33 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

राज्यसभा में उठा भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार को राज्यसभा में भी उठाया गया तथा कांग्रेस के जोस के मणि ने कुराकाओ जैसे छोटा देश के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का हवाला देते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा। भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अभी तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं। मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फीफा द्वारा निर्धारित मानदंडों पर आधारित है। विश्व कप या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए कदम उठाने सहित किसी विशिष्ट खेल के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ की होती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को देश में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है।